TNF TODAY
टीएनएफ टुडे
थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे
tnftoday · tnftoday
www.tnftoday.com / epaper | Trial Edition
4 खाद विक्रेताओं के प्राधिकार पत्र निलंबित... (पेज-3)
पृष्ठ- 10 | वर्ष-01 अंक-40 | मूल्य ₹7 | शनिवार | दिनांक- 08.08.2026

एसआरएन अस्पताल का नाम अमर शहीद ठाकुर रोशन सिंह के नाम पर किए जाने की मांग को लेकर धरना तीसरे दिन भी जारी

प्रयागराज। काकोरी केस के महानायक अमर शहीद ठाकुर रोशन सिंह के बलिदान स्थल को राष्ट्रीय गौरव दिलाने तथा स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय (एसआरएन) का नाम उनके नाम पर किए जाने की मांग को लेकर महुआ डाबर संग्रहालय के नेतृत्व में एसआरएन अस्पताल परिसर में चल रहा अनिश्चितकालीन धरना शुक्रवार को तीसरे दिन भी जारी रहा।
धरना स्थल पर दिन भर बड़ी संख्या में छात्र-युवा, सामाजिक कार्यकर्ता एवं नागरिक पहुंचकर आंदोलन को समर्थन देते रहे। लोगों ने अमर शहीद ठाकुर रोशन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा मांगों के समर्थन में नारे लगाए। वक्ताओं ने कहा कि देश आजादी का अमृत काल मना रहा है और वर्ष 2026 ऐतिहासिक काकोरी ट्रेन एक्शन की शताब्दी का वर्ष है। ऐसे में 9 अगस्त, काकोरी ट्रेन एक्शन दिवस से पूर्व ठाकुर रोशन सिंह को उनके योगदान के अनुरूप राष्ट्रीय सम्मान मिलना चाहिए।
धरने को संबोधित करते हुए महुआ डाबर संग्रहालय के महानिदेशक एवं क्रांतिकारी-शहीद वंशज डॉ. शाह आलम राना ने कहा कि ब्रिटिश शासन के विरुद्ध संघर्ष करते हुए महान क्रांतिकारी ठाकुर रोशन सिंह का रक्त प्रयागराज की कुख्यात मलाका जेल में बहा था। उस समय यह जेल संयुक्त प्रांत की 'काला पानी' जेल मानी जाती थी। उन्होंने कहा कि आज उसी ऐतिहासिक बलिदान स्थल पर स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय स्थापित है, जिससे उस विरासत की पहचान धूमिल हो गई है। डॉ. राना ने कहा कि महुआ डाबर संग्रहालय की मांग है कि एसआरएन अस्पताल का नाम तत्काल अमर शहीद ठाकुर रोशन सिंह के नाम पर रखा जाए।
धरने में प्रमुख रूप से निशांत मोदनवाल, बालाजी दिनकर, सात्विक सिंह, दीपांश यादव, हर्ष मिश्रा, शेर सिंह यादव, आदि पटेल, अमित गिरी सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

शिव परिक्रमा मार्ग होगा रोशन, शहर में लगेंगी 300 अस्थाई लाइटें

वनखंडी के 2 किमी लंबे कच्चे मार्ग पर जनरेटर से जलेंगी 100 अस्थाई लाइटें

- रावली और बल्केश्वर महादेव मंदिर क्षेत्र में भी प्रकाश की रहेगी विशेष व्यवस्था
- योगी सरकार के निर्देश पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगमता के लिए पुख्ता इंतजाम

टीएनएफ टुडे, आगरा।

सावन के दूसरे सोमवार को ताजनगरी में निकलने वाली ऐतिहासिक शिव परिक्रमा को लेकर नगर निगम प्रशासन ने अपनी तैयारियां लगभग पूरी कर ली हैं। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की स्पष्ट मंशा है कि प्रदेश में होने वाले सभी धार्मिक आयोजन भव्य, सुरक्षित और सुगम हों। इसी के मद्देनजर परिक्रमा के दौरान शिवभक्तों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए परिक्रमा मार्ग पर व्यापक प्रकाश व्यवस्था की जा रही है।

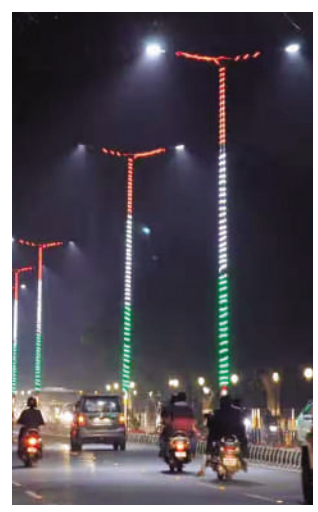

श्रद्धालुओं के सुरक्षित आवागमन को सुनिश्चित करने के लिए पूरे मार्ग पर करीब 300 अस्थाई लाइटें लगाई जा रही हैं, जिन्हें रविवार शाम तक हर हाल में चालू कर दिया जाएगा।
देर रात और तड़के सुबह परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं को पर्याप्त रोशनी मिले, इसके लिए नगर निगम की टीमें लगातार काम कर रही हैं। प्रकाश व्यवस्था के साथ- साथ मार्ग पर सफाई, शीतल पेयजल, मोबाइल शौचालय, मजबूत बैरिकेडिंग और सड़कों के पैच वर्क आदि मूलभूत सुविधाओं की भी लगातार निगरानी की जा रही है, ताकि लाखों शिवभक्तों को एक सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

शिव मंदिरों पर रहेगी विशेष प्रकाश व्यवस्था

मुख्य अभियंता (विद्युत एवं यांत्रिक) अजय कुमार राम ने बताया कि इस परिक्रमा में सबसे अधिक चुनौतीपूर्ण व्यवस्था वनखंडी क्षेत्र में की जा रही है। यहां लगभग दो किलोमीटर लंबा कच्चा परिक्रमा मार्ग जंगल से होकर गुजरता है, जहां कोई विद्युत लाइन उपलब्ध नहीं है। इस कारण इस पूरे मार्ग पर बल्लियों के सहारे करीब 100 अस्थाई लाइटें लगाई जा रही हैं। इन्हें निर्बाध रूप से संचालित करने के लिए 25- 25 केवीए क्षमता के दो जनरेटर लगाए जाएंगे। इसके अलावा बल्केश्वर महादेव मंदिर व पार्वती घाट क्षेत्र में 100 तथा रावली महादेव मंदिर परिसर के पास करीब 75 अस्थाई लाइटों की व्यवस्था की जा रही है।

सुरक्षा और सुगम दर्शन के लिए प्रशासन मुस्तैद

नगर आयुक्त संतोष कुमार वैश्य ने कहा कि प्रदेश सरकार के निर्देशों के क्रम में सावन की शहर में होने वाली शिव परिक्रमा में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। परिक्रमा मार्ग के प्रत्येक संवेदनशील और अंधेरे वाले स्थान पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। अधिकारियों को रविवार शाम तक सभी व्यवस्थाएं पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। परिक्रमा के दौरान पूरी रात टीमें मौके पर तैनात रहकर व्यवस्थाओं की सतत निगरानी करेंगी।

काम-काज जीरो, हंगामा फुल ऑन! लोकसभा-राज्यसभा सोमवार तक के लिए स्थगित

एजेंसी, नई दिल्ली।

संसद के मॉनसून सत्र का तीसरा हफ्ता भी लगातार हंगामे की भेंट चढ़ गया। विपक्ष के शोर-शराबे और नारेबाजी के कारण शुक्रवार को लगातार पांचवें दिन लोकसभा की कार्यवाही सुचारु रूप से नहीं चल सकी। इसके बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने सदन की कार्यवाही सोमवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। राज्यसभा में भी विपक्ष के हंगामे के चलते कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। संसद का मॉनसून सत्र 13 अगस्त तक प्रस्तावित है।
विपक्ष प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई, चढ़ावा चोरी और नीट पेपर लीक जैसे मुद्दों पर सरकार से जवाब और गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग कर रहा है। शुक्रवार को भी प्रश्नकाल पूरा नहीं हो सका, जिससे संसद के विधायी और अन्य महत्वपूर्ण कार्य प्रभावित हुए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्ष के रवैये पर नाराजगी जताते हुए कहा कि बार-बार सदन की कार्यवाही बाधित करना लोकतांत्रिक परंपराओं के अनुरूप नहीं है। इस बीच केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने संसद परिसर में विपक्ष पर तीखा हमला बोला. उन्होंने कहा कि सदन में चर्चा कम होने का कारण सरकार नहीं, बल्कि विपक्ष की लगातार नारेबाजी और हंगामा है।

'हमारे जंतर-मंतर से दूर रहें'

दिल्ली हाईकोर्ट की टिप्पणी पर सीजेपी की प्रतिक्रिया

एजेंसी, नई दिल्ली।

राजधानी दिल्ली में जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल के रूप में इस्तेमाल करने को लेकर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। दिल्ली हाईकोर्ट ने जंतर-मंतर पर होने वाले धरना-प्रदर्शनों को लेकर चिंता जताई है। अदालत का मानना है कि शहर के बीचों-बीच प्रदर्शन होने से पूरी दिल्ली बेवजह बंधक बन जाती है। इस टिप्पणी पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने ऐतराज जताया है।

क्या जंतर-मंतर पर प्रदर्शन से पूरी दिल्ली ठप हो जाती है?

दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस अमित महाजन की पीठ ने एक याचिका पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। यह याचिका 'ऑल इंडिया दलित क्रिश्चियन राइट्स प्रोटेक्शन कमेटी' की थी। वे 10 अगस्त को जंतर-मंतर पर तीन घंटे का शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना चाहते हैं।
सुनवाई के दौरान जज ने कहा कि व्यक्तिगत रूप से उनका मानना है कि शहर के अंदर ऐसे प्रदर्शन नहीं होने चाहिए। हालांकि, उन्होंने यह भी साफ किया कि अंतिम फैसला सरकार और पुलिस का ही होगा।

क्या युवाओं का शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार खतरे में है?

उच्च अदालत की इस टिप्पणी के तुरंत बाद सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा, 'हमारे जंतर-मंतर से दूर रहिए! हमारी विरोध करने की जगह छीनने की कोशिश करने से पहले, हमें बताया जाए कि क्या आप इंडिया गेट को ऐसी जगह के तौर पर तय करेंगे जहां हम शांतिपूर्ण विरोध करने के अपने मौलिक अधिकार का इस्तेमाल कर सकें। आपने इंडिया गेट तो छीन ही लिया। हम अपना जंतर-मंतर भी छीने जाने को बर्दाश्त नहीं करेंगे!'

मेटा के एल्गोरिदम पर सरकार सख्त

नई दिल्ली। भारत सरकार ने मेटा पर अपना रुख और कड़ा कर दिया है। सरकार ने कंपनी को एक कॉम्पलाइंस रोडमैप पेश करने का निर्देश दिया है। इसका मकसद अपने अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर फैलने वाले प्रोपेगेंडा, भ्रामक जानकारियों और अवैध कंटेंट पर लगाम लगाना है।
इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) के साथ मेटा के अधिकारियों की शुक्रवार को एक अहम बैठक हुई। इस दौरान मेटा की तकनीकी टीम ने एक प्रेजेंटेशन दिया। सूत्रों के मुताबिक, पूरी चर्चा मेटा के एल्गोरिदम और उसके टेक्निकल सिस्टम के इर्द-गिर्द केंद्रित रही।
बैठक के दौरान मेटा ने स्वीकार किया कि उसके मौजूदा एल्गोरिदम सिस्टम में कुछ गंभीर खामियां मौजूद हैं। ऐसे में सरकार ने मेटा को अपने एल्गोरिदम सिस्टम में जरूरी और सख्त बदलाव करने को कहा है।

'दाल में काला नहीं, पूरी दाल ही काली है'

राहुल गांधी ने ई20 पेट्रोल पर सरकार को घेरा, वीडियो जारी

एजेंसी, नई दिल्ली।

देश में ई20 यानी 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को लेकर राजनीतिक बहस तेज हो गई है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक वीडियो जारी कर केंद्र सरकार की इथेनॉल मिश्रण नीति पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि आमतौर पर कहा जाता है कि दाल में कुछ काला है, लेकिन यहां तो पूरी दाल ही काली है।
राहुल गांधी ने एक्स पर एक वीडियो शेयर किया। जिसमें वह एक कार के पास खड़े होकर बात करते नजर आ रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा, यह ई20 का जो मुद्दा है, वह बहुत बड़ा मुद्दा है। सामान्यतः हम कहते हैं कि दाल में कुछ काला है, लेकिन यह दाल ही काली है। भाइयों और बहनों, इस समय देश में भ्रष्टाचार इतना ज्यादा है कि कई बड़े मुद्दे हमारी प्राथमिकता की सूची में हैं। उन्होंने कहा, आप चिंता मत कीजिए।

कांग्रेस के आरोप क्या हैं?

कांग्रेस का कहना है कि ई20 पेट्रोल लागू होने के बाद लोगों को सस्ता ईंधन मिलने का वादा पूरा नहीं हुआ। पांच अगस्त को पार्टी के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने दावा किया कि मार्च 2025 से देश के अधिकांश पेट्रोल पंपों पर लगभग केवल E20 पेट्रोल ही उपलब्ध कराया जा रहा है।

- कांग्रेस का आरोप है कि ई20 से वाहन कम माइलेज दे रहे हैं।
- इससे उपभोक्ताओं का ईंधन खर्च बढ़ गया है।
- पार्टी का दावा है कि अप्रैल 2023 से मार्च 2026 के बीच कम माइलेज की भरपाई के कारण उपभोक्ताओं पर लगभग 88,234 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ा।
- कांग्रेस का कहना है कि ई20 पेट्रोल की कीमत कम करके उपभोक्ताओं को राहत दी जा सकती थी।
- पार्टी का आरोप है कि इस नीति का सबसे अधिक लाभ इथेनॉल उत्पादकों को मिला है।

राहुल गांधी ने ई20 पेट्रोल और क्या कहा?

कांग्रेस सांसद ने वीडियो में आगे कहा कि ई20 का मामला काफी बड़ा है। उन्होंने कहा कि वह इसके खिलाफ जल्द ही अभियान चलाएंगे। इस मुद्दे को भी हम बड़े स्तर पर उठाएंगे, क्योंकि यह लोगों की कार खराब कर रहा है, उनकी मोटरसाइकिलों को खराब कर रहा है, स्कूटरों को खराब कर रहा है। सच कहूं, तो सीधे तौर पर उनकी जेबों से पैसे खींच रहा है।

केंद्र सरकार का पक्ष क्या है?

केंद्र सरकार लगातार कहती रही है कि इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम का उद्देश्य भारत की कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करना है। सरकार का यह भी कहना है कि इथेनॉल की मांग बढ़ने से किसानों को अपनी फसलों का बेहतर मूल्य मिलता है और देश ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ता है। सरकार का मानना है कि यह कार्यक्रम लंबे समय में पर्यावरण और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए लाभकारी होगा।

ई20 पेट्रोल को लेकर विवाद क्यों बढ़ा?

विवाद इसलिए बढ़ा क्योंकि कांग्रेस का आरोप है कि ई20 पेट्रोल से उपभोक्ताओं को वादा किया गया आर्थिक लाभ नहीं मिला। पार्टी का कहना है कि अगर माइलेज कम होता है तो कीमत में भी उसी अनुपात में राहत मिलनी चाहिए थी। कांग्रेस ने यह भी दावा किया कि नीति आयोग के इथेनॉल रोडमैप में ई20 और ई20 ईंधन पर कर और वित्तीय राहत देने की सिफारिश की गई थी। विपक्ष अब इस मुद्दे को जनता से जुड़ा बड़ा आर्थिक सवाल बनाकर उठाने की तैयारी में है, जबकि सरकार अपनी इथेनॉल नीति को ऊर्जा सुरक्षा और किसानों के हित से जोड़कर देख रही है।

यूपीः सबसे ज्यादा प्रदेश के संभल जिले में हुई 134 मिमी बारिश

लखनऊ। दक्षिणी उत्तर प्रदेश में बारिश का दौर अभी जारी रहेगा लेकिन पश्चिमी यूपी में बारिश का असर धीरे-धीरे कम हो रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, मध्यप्रदेश से सटे उत्तर प्रदेश के इलाकों में बारिश के आसार अभी बने हुए हैं। पिछले 24 घंटों में संभल में सबसे ज्यादा 134 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं राजधानी लखनऊ में फिलहाल छिटपुट बारिश की ही संभावना है लेकिन सोमवार को अच्छी बारिश के आसार बन रहे हैं।
आंचलिक मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, अगले दो-तीन दिन मानसून का असर मुख्य रूप से दक्षिणी जिलों सोनभद्र, मिजार्पुर और चंदौली में रहेगा। प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश जारी रहने आसार हैं। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि दक्षिणी पश्चिमी उत्तर प्रदेश पर मध्य क्षोभमंडल तक विस्तृत चक्रवाती परिसंचरण का प्रभाव है। इसके चलते विशेषकर दक्षिणी यूपी में मानसूनी गतिविधियां बढ़ेंगी।

पीएम की एनडीए के 45 नए सांसदों के साथ बैठक

एजेंसी, नई दिल्ली।

पीएम मोदी ने एनडीए के 45 नए लोकसभा सांसदों के साथ शुक्रवार को पीएम आवास पर ब्रेकफास्ट मीटिंग की। इनमें टीएमसी और उद्धव गुट के बागी सांसद भी थे।
ममता की पार्टी टीएमसी का साथ छोड़कर 20 बागी सांसद नेशनल सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया में शामिल हो गए थे। वहीं शिवसेना (उद्धव गुट) के 6 सासंद भी शिंदे

गुट के साथ आ चुके हैं।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पीएम ने इन सांसदों से कहा कि एनडीए एक परिवार है। हम सहयोगी दलों के साथ हैं। हर व्यक्ति का सम्मान किया जाएगा। मैं एनडीए के हर सांसद के साथ खड़ा हूं। आपको किसी के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है।

मानसून सत्र में बागी सांसदों की अलग सिटिंग व्यवस्था

ममता बनर्जी का साथ छोड़ने वाले टीएमसी के 20 बागी सांसद लोकसभा में अलग बैठ रहे हैं। 15 जून को तृणमूल कांग्रेस के 20 सांसदों ने नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया से विलय कर लिया था। वहीं 22 जून को उद्धव का साथ छोड़कर 6 सांसद शिंदे गुट में शामिल हो गए थे।

रांची में लेफ्ट नेता नेहा बोरा पर फेंकी स्याही, मची अफरातफरी

रांची। झारखंड की राजधानी रांची से बड़ी खबर सामने आ रही है। दरअसल झारखंड की राजधानी रांची में JPSC-JSSC परीक्षा विवाद को लेकर चल रहे छात्र आंदोलन में पहुंची AISA अध्यक्ष नेहा बोरा पर प्रदर्शन के दौरान किसी ने स्याही फेंक दी। घटना के बाद मौके पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इस घटनाक्रम ने JPSC-JSSC आंदोलन को लेकर सियासी माहौल और गर्म कर दिया है।

बताया जा रहा है कि अभी तक किसी तरह के राजनीतिक समीकरण से दूर रहे रांची जेपीएससी-जेएसएससी प्रोटेस्ट में राजनीतिक हस्तक्षेप और लेफ्ट नेता की एंट्री के साथ ही छात्रों के बीच आक्रोश फैल गया, जिसके बाद मौके पर इस तरह की घटना देखने को मिली। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आंदोलन के दौरान छात्रों और प्रदर्शनकारियों की भीड़ मौजूद थी। इसी बीच कुछ लोगों ने नेहा बोरा का विरोध किया और उन पर स्याही फेंक दी। घटना के तुरंत बाद मौके पर मौजूद लोगों ने स्थिति को संभाला और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई।

भाई अबान की मिट्टी में शामिल होने के लिए अली और उमर को मिली पैरोल

एजेंसी, प्रयागराज।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भाई अबान अहमद की मिट्टी में शामिल होने के लिए जेल में बंद अली अहमद और उमर अहमद को पेरोल पर रिहा करने का आदेश दिया है। शुक्रवार को बुआ परवीन कुरैशी की याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने यह आदेश जारी किया है। यह आदेश न्यायमूर्ति अजय भनोट और न्यायमूर्ति दिवेश चंद्र समंत ने दिया है। एक घंटे तक दोनों अपने छोटे भाई और परवीन कुरैशी से मिल सकेंगे। प्रशासन व्यवस्था करेगा। इसके बाद दोनों को सुरक्षित जेल पहुंचाएंगे। बता दें कि अली अहमद झांसी और उमर अहमद लखनऊ की जेल में बंद है।
हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि यदि दोनों भाई अपने दिवंगत भाई को अंतिम श्रद्धांजलि देना चाहते हैं और परिवार के साथ सीमित समय बिताना चाहते हैं तो इसमें कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। अदालत ने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था राज्य की जिम्मेदारी है। न्यायालय ने यह भी कहा कि वे जहां आवश्यक हो, वहीं नमाज अदा कर सकते हैं और प्रशासन को सभी आवश्यक सुरक्षा इंतजाम करने होंगे। सुनवाई के दौरान अली अहमद झांसी जेल से और उमर अहमद लखनऊ से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश हुए। प्रारंभ में झांसी जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में तकनीकी दिक्कत आने पर अदालत ने नाराजगी जताई।

अबान अहमद सड़क हादसे में हो गई है मौत

अली अहमद ने अदालत को बताया कि वह अपने दिवंगत भाई को अंतिम विदाई देना चाहते हैं और परिवार के साथ कुछ समय बिताना चाहते हैं। इस पर अदालत ने उनकी प्रार्थना स्वीकार करते हुए आवश्यक शर्तों के साथ पैरोल मंजूर कर ली। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि पैरोल अवधि के दौरान दोनों भाइयों की गतिविधियां अदालत की शर्तों के अनुरूप रहेंगी और पूरी अवधि में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था लागू रहेगी। बताया गया कि अबान अहमद की सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। उनका अंतिम संस्कार प्रयागराज के चकिया, खुल्दाबाद स्थित कब्रिस्तान में किया जाएगा। हाईकोर्ट के आदेश के बाद अली और उमर अहमद पुलिस सुरक्षा के बीच अंतिम संस्कार में शामिल हो सकेंगे।

नगर निगम कर्मचारी यूनियन ने आउटसोर्सिंग निगम गठन का किया स्वागत

समान कार्य के लिए समान वेतन लागू करने की उठाई मांग

- 'समान कार्य के लिए समान वेतन' का सिद्धांत तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए
- सम्मानजनक जीवन यापन के लिए संविदा कर्मियों को न्यूनतम 25000 प्रति माह वेतन प्रदान किया जाए

टीएनएफ टुडे, अलीगढ़।

भारतीय मजदूर संघ जिला कार्यालय, अलीगढ़ में नगर निगम कर्मचारी यूनियन की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता यूनियन अध्यक्ष प्रदीप शर्मा ने की तथा संचालन महामंत्री सुशील कुमार ने किया।
बैठक में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आउटसोर्स कर्मचारियों के हित में आउटसोर्सिंग निगम के गठन व बजट धनराशि के निर्णय का स्वागत करते हुए माननीय मुख्यमंत्री का हार्दिक आभार एवं अभिनंदन व्यक्त किया गया। यूनियन पदाधिकारियों ने कहा कि यह निर्णय प्रदेश के हजारों आउटसोर्स कर्मचारियों के हितों की रक्षा तथा उनकी सेवा व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ एवं पारदर्शी बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।
इस अवसर पर यूनियन अध्यक्ष प्रदीप शर्मा एवं महामंत्री सुशील कुमार ने सरकार से मांग की कि प्रदेश के सभी आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए "समान कार्य के लिए समान वेतन" का सिद्धांत

तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए। साथ ही प्रत्येक श्रमिक को न्यूनतम ?25,000 प्रतिमाह वेतन प्रदान किया जाए, जिससे वह अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करते हुए अपने परिवार का सम्मानपूर्वक भरण-पोषण कर सके। उन्होंने कहा कि श्रमिकों को सम्मानजनक जीवन, सामाजिक सुरक्षा एवं आर्थिक स्थिरता प्रदान करना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए।
बैठक में पुरुषोत्तम शर्मा, अजय कुमार, धर्मेंद्र कुमार, ओमपाल सिंह, देवेंद्र, पुरुषोत्तम कुमार अजय कुमार शर्मा, शहाबुद्दीन, मनीष, भगवान सिंह, विष्णु, मोहित राठी मोहित रजनीश कुलदीप जितेंद्र जीतू ओम प्रकाश ओम प्रकाश सिंह प्रदीप कुमार प्रदीप शर्मा विशंभर सिंह सत्य प्रकाश पंकज अशोक कुमार हरि ओम सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।
बैठक के अंत में सभी उपस्थित सदस्यों ने माननीय मुख्यमंत्री के प्रति पुनः हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए आशा व्यक्त की कि आउटसोर्स कर्मचारियों की अन्य लंबित मांगों पर भी शीघ्र सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा।

अवैध खनन पर नजर रखेगी टास्क फोर्स

एसडीएम की अध्यक्षता में तहसील टास्क फोर्स की बैठक आयोजित

टीएनएफ टुडे, खेरागढ़।

तहसील क्षेत्र में अवैध खनन और ओवरलोड परिवहन के खिलाफ अब 24 घंटे सख्त निगरानी रहेगी। शुक्रवार को तहसील कार्यालय में उपजिलाधिकारी नरेंद्र गंगवार की अध्यक्षता में तहसील टास्कफोर्स की बैठक आयोजित हुई। इसमें अवैध खनन के नेटवर्क को पूरी तरह खत्म करने के लिए प्रभावी रणनीति तैयार की गई।

एसडीएम नरेंद्र गंगवार ने बैठक में मौजूद सैंया, जगनेर, बसई जगनेर, इरादतनगर, कागारौल व खेरागढ़ थानों के प्रभारियों, खनन निरीक्षक, तहसीलदार सुरभि राय तथा नायब तहसीलदार हरीशंकर दुबे, अनुज दीक्षित, बबलेश कुमार सहित राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि अवैध खनन और ओवरलोड वाहनों के खिलाफ संयुक्त रूप से अभियान चलाकर इस कारोबार से जुड़े लोगों को चिन्हित किया जाए और उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बताया कि ग्वालियर हाईवे स्थित सैंया टोल प्लाजा और जगनेर क्षेत्र के सारेंधी में संयुक्त टीम लगातार निगरानी कर रही है। इसके अलावा खेरागढ़ के नवाब बसई रोड, सैंया के लादूखेड़ा, जगनेर के बसेड़ी व रुपवास रोड समेत राजस्थान सीमा से उत्तर प्रदेश में प्रवेश करने वाले सभी प्रमुख लिंक मार्गों पर भी निगरानी बढ़ा दी गई है। टास्कफोर्स 24 घंटे क्षेत्र में खनन से जुड़े वाहनों की सघन चेकिंग करेगी। अभियान के दौरान वाहनों में निर्धारित मानक के अनुसार भार, दोनों नंबर प्लेटों पर स्पष्ट पंजीकरण संख्या, खनिज से संबंधित वैध प्रपत्र, चालक का ड्राइविंग लाइसेंस तथा डंपरों पर त्रिपाल की व्यवस्था की जांच की जाएगी। किसी भी प्रकार की अनियमितता मिलने पर वाहन को तत्काल सीज कर विधिक कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम नरेंद्र गंगवार का कहना है कि अवैध खनन और ओवरलोड परिवहन के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा और इसके नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त किया जाएगा।

खनन और परिवहन का नेटवर्क पूरी तरह ध्वस्त करने की योजना

आज विहिप मनाएगा अखंड भारत संकल्प दिवस

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

शिवाजी नगर स्थित संघ कार्यालय पर शनिवार को विश्व हिंदू परिषद के बैनर तले 'अखंड भारत संकल्प दिवस' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। विहिप जिलाध्यक्ष गिरीश शर्मा और जिला मंत्री पार्थ राणा ने संयुक्त रूप से बताया कि राष्ट्र की सांस्कृतिक चेतना और अखंडता के प्रति संकल्पित होने के उद्देश्य से शनिवार को दोपहर 12:30 बजे से संघ कार्यालय पर अखंड भारत संकल्प दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

विश्व हिंदू परिषद के प्रांत मंत्री अनुज कुमार का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। जिला मंत्री विहिप पार्थ राणा ने कार्यकर्ताओं और सामाजिक बंधुओं से समय से कार्यक्रम में सहभागिता की अपील की है।

नाले पर करोड़ों खर्च, पहली बारिश में ही ढहा

भ्रष्टाचार के आरोपों पर ग्रामीणों में आक्रोश

टीएनएफ टुडे, पिनाहट।

नगर पंचायत पिनाहट क्षेत्र में करोड़ों रुपये की लागत से कराए गए नाला निर्माण की गुणवत्ता की पहली ही बारिश में पोल खुल गई। पिनाहट-नदगवां मार्ग स्थित चिल्लर के पास करीब एक वर्ष पूर्व बनाया गया पक्का नाला मौसम की पहली बारिश में ही सिल्ट समेत करीब 20 मीटर तक ढह गया। नाला टूटने के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों ने मौके पर विरोध प्रदर्शन करते हुए निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच कर जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

ग्रामीण मोनू, संजू, प्रशांत तिवारी का आरोप है कि नाला निर्माण के दौरान ही जगह-जगह दरारें आ गई थीं। इसकी शिकायत संबंधित अधिकारियों से कई बार की गई, लेकिन समय रहते कोई कार्रवाई नहीं की गई। अब पहली तेज बारिश में नाला करीब 80 मीटर तक ढह गया, जिससे निर्माण कार्य में इस्तेमाल की गई सामग्री की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। करोड़ों खर्च के बाद भी जलभराव की समस्या बरकरार। ग्रामीणों का कहना है कि पिनाहट कस्बे में जल निकासी की समस्या दूर करने के लिए सरकार की ओर से करोड़ों रुपये की धनराशि खर्च की गई, लेकिन इसके बावजूद कस्बे में जलभराव की समस्या जस की तस बनी हुई है। बारिश के दौरान कई स्थानों पर पानी भर जाता है, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि नाला निर्माण में मानकों की अनदेखी की गई और घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया। इसी कारण निर्माण के कुछ समय बाद ही नाले में दरारें आने लगी थीं। अब बारिश में नाला ढहने के बाद ग्रामीणों ने पूरे निर्माण कार्य की निष्पक्ष जांच कराने की मांग उठाई है। ग्रामीणों का कहना है कि करोड़ों रुपये की सरकारी धनराशि खर्च होने के बावजूद यदि नाला एक साल भी नहीं टिक पाया तो निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठना स्वाभाविक है। उन्होंने जिलाधिकारी सहित संबंधित अधिकारियों से मौके का निरीक्षण कर तकनीकी जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

इस मामले में चेयरमैन प्रतिनिधि पिनाहट आजाद बाबू का कहना है कि कुछ असामाजिक तत्वों ने नगर पंचायत की छवि धूमिल करने के उद्देश्य से एक बड़ा ट्रक बालू नाले के ऊपर खाली किया गया है। ट्रैक्टर के सूपा से बालू भरी गई है। बालू भरते समय सूपा का धक्का लगने से नाला पलट गया है

नशा मुक्ति प्रतिज्ञा अभियान में दिलाई शपथ

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

सरस्वती ज्ञान मंदिर इंटर कॉलेज में भारत सरकार के '10 करोड़ नशा मुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान' के अंतर्गत नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. राखी यादव ने की।

कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज की ओर से बीके रंजना बहन, बीके काजल बहन एवं बीके फतेहसिंह भाई ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करते हुए नशामुक्त जीवन अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि नशामुक्त युवा ही स्वस्थ, सशक्त और विकसित भारत का आधार हैं। इसके उपरांत विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने हाथ उठाकर नशा मुक्ति की शपथ ली और स्वयं नशे से दूर रहने के साथ-साथ अपने परिवार एवं समाज को भी नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर प्रधानाचार्या डॉ. राखी यादव ने सभी अतिथियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के जागरूकता अभियान विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य और स्वस्थ समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम का समापन नशामुक्त भारत स्वस्थ भारत के संकल्प के साथ हुआ।

दो गुमशुदा किशोर 24 घंटे में बरामद

फतेहाबाद। थाना बमरौली कटारा पुलिस ने लापता हुए दो किशोरों को महज 24 घंटे के अंदर कुबेरपुर कट से सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। थानाध्यक्ष बमरौली कटारा दीपक तिवारी ने बताया कि 6 अगस्त की शाम नरेंद्र झा निवासी बमरौली कटारा ने थाने पर शिकायत देकर बताया कि उनका पुत्र अभय और भतीजा ध्रुव ताऊ से घर जाने की बात कहकर निकले थे, लेकिन वहां नहीं पहुंचे। काफी खोजबीन के बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले और डेटा एनालिसिस के जरिए दोनों किशोरों को ढूंढ निकाला। बच्चों को सुरक्षित पाकर परिजनों के चेहरे खिल गए और पुलिस का धन्यवाद किया।

फतेहाबाद के दर्जनों गांवों में जलभराव

भाकियू ने बीडीओ को सौंपा ज्ञापन, बताई समस्याएं

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

विकास खंड फतेहाबाद के ग्रामीण इलाकों में जलभराव की समस्या गंभीर रूप लेती जा रही है। तिवाहा और बेहड़ी सहित आसपास के दर्जनों गांवों में पानी भरने से आम जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। समस्या को लेकर जिला प्रवक्ता प्रदीप सिंह गुर्जर के नेतृत्व में भारतीय किसान यूनियन चौधरी चरण सिंह के प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को खंड विकास अधिकारी फतेहाबाद से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा और समस्या के शीघ्र समाधान की मांग की।

भाकियू प्रतिनिधिमंडल ने बीडीओ को ज्ञापन देकर बताया कि ग्राम पंचायत तिवाहा के हिरनपुरा, ठीकुरा, बेहड़ी, ककरीली, नगला मुक्ता, बांस बले, सलेमपुर मुड़िया, पूठपुरा और नयापुरा, खंडेर में स्थिति बेहद चिंताजनक बनी हुई है। रास्तों पर कई-कई फीट पानी भरा होने के कारण ग्रामीणों का घरों से निकलना दूभर हो गया है। स्कूली बच्चों और बुजुर्गों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पानी के ठहराव से संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ गया है। बीडीओ ने संबंधित कर्मचारियों को संज्ञान लेते हुए मौके पर जाकर निरीक्षण करने और जल निकासी की समुचित व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला प्रवक्ता प्रदीप सिंह, तहसील अध्यक्ष बीरी सिंह, रिंकू सिंह आदि मौजूद रहे।

रास्ते पर गिरा नीम का पेड़, वृद्धा की मौत

खंदौली। थाना क्षेत्र के गांव टर्रकपुर में शुक्रवार को बड़ा हादसा हो गया। आम रास्ते पर खड़ा पुराना नीम का पेड़ अचानक गिर गया। पेड़ की चपेट में आने से वहां से गुजर रही वृद्धा राजनदेवी पत्नी महेश चंद दब गई। हादसा होते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद पेड़ को हटाकर वृद्धा को बाहर निकाला। गंभीर हालत में परिजन और ग्रामीण उन्हें उपचार के लिए आगरा के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। वृद्धा की मौत की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। घटना से गांव में भी शोक की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों ने बताया कि नीम का पेड़ काफी पुराना था और आम रास्ते पर खड़ा होने के कारण हादसे की आशंका बनी हुई थी।

बारिश में कच्चा मकान गिरा, महिला घायल

खेरागढ़। क्षेत्र के ग्राम अयेला के मजरा ताल का पुरा में शुक्रवार सुबह करीब 6:30 बजे लगातार बारिश के चलते एक कच्चा मकान ढह गया। हादसे में घर के अंदर काम कर रही रेनू (40) गंभीर रूप से घायल हो गईं। उन्हें धौलपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे में मकान के दो कमरों की छत गिर गई और अनाज, संदूक, टीवी समेत गृहस्थी का सामान मलबे में दबकर क्षतिग्रस्त हो गया। पीड़ित केशव भेड़-बकरी पालन कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। सूचना पर लेखपाल महेश यादव मौके पर पहुंचे। एसडीएम नरेंद्र गंगवार ने बताया कि प्राकृतिक आपदा राहत नियमावली के तहत पीड़ित परिवार को सहायता दिलाई जाएगी।

स्कूल वैन में डंपर ने मारी टक्कर, बच्चे घायल

खेरागढ़। थाना क्षेत्र के आगरा-जगनेर मार्ग पर गांव अटा मोड़ के समीप शुक्रवार सुबह करीब सात बजे सड़क किनारे खड़ी एक स्कूल वैन में तेज रफ्तार डंपर ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में वैन में बैठे कई छात्र मामूली रूप से चोटिल हो गए। गनीमत रही कि बड़ा हादसा टल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वैन चालक आसपास के गांवों से छात्रों को लेने के लिए अटा मोड़ पर सड़क किनारे खड़ा था। इसी दौरान जगनेर की ओर से आए तेज रफ्तार डंपर ने वैन में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि डंपर सड़क किनारे खंदी में जाकर फंस गया।हादसे के बाद बच्चों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और वैन में फंसे बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। सभी छात्रों को मामूली चोटें आईं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल रहा।ग्रामीणों ने बताया कि वैन नगला कमाल स्थित एक विद्यालय की है, जो आसपास के गांवों से छात्रों को लेकर स्कूल जाती है। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी जुटाई।

ऑनलाइन बुकिंग कर मंगाई घड़ी, बॉक्स निकला खाली

पिनाहट। थाना पिनाहट क्षेत्र के अंतर्गत मोहल्ला नयापुरा में शुक्रवार शाम शेडोफैक्स डिलीवरी कंपनी की डिलीवरी को लेकर विवाद हो गया। ग्राहक द्वारा डिलीवरी बॉक्स खोले जाने पर उसमें घड़ी के बजाय खाली डिब्बा मिलने से मामला गरमा गया। पीड़ित ने डिलीवरी बॉय से पैसे मंगे तो दोनों में कहासुनी हो गई। वहीं सूचना पर डायल 112 पीआरवी भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने दोनों पक्षों को थाने ले जाकर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार थाना पिनाहट क्षेत्र के अंतर्गत मोहल्ला नयापुरा निवासी ओमकार पुत्र छोटेलाल ने बताया कि उसने फेसबुक के माध्यम से करीब 700 रुपये की घड़ी का ऑर्डर किया था। शुक्रवार शाम करीब पांच बजे शेडोफैक्स कंपनी के डिलीवरी बॉय अंकुश और रवि वर्मा, निवासी नदगवां रोड, जो दोनों भाई हैं, डिलीवरी देने पहुंचे। ओमकार ने डिलीवरी बॉक्स को वीडियो बनाते हुए खोला तो उसमें घड़ी नहीं थी और डिब्बा खाली निकला। पैसे वापस करने को लेकर ग्राहक और डिलीवरी बॉय के बीच कहासुनी हो गई। विवाद की सूचना डायल 112 पर दी गई। पुलिस दोनों पक्षों को थाने ले गई। घटना के दौरान मौके पर मोहल्ले के लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। वहीं पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

बारिश में मकान की छत गिरी, उमरेठा भराय गांव में शाम चार बजे हुआ हादसा

पिनाहट। क्षेत्र के गांव उमरेठा भराय निवासी प्रदीप सिंह पुत्र रतन सिंह के मकान के एक कमरे की छत शुक्रवार शाम करीब 4 बजे लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के चलते भरभराकर गिर गई। गनीमत रही कि घटना के समय कमरे में कोई मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। बताया गया कि पिछले दो दिनों से लगातार हो रही तेज बारिश के कारण मकान की छत कमजोर हो गई थी। अचानक छत गिरने से कमरे में रखा सामान क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद परिवार के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने प्रशासन से बारिश से क्षतिग्रस्त मकानों का सर्वे कराकर प्रभावित परिवारों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

संस्कृति माह में भारत विकास परिषद नवज्योति शाखा ने वितरित किए 251 तुलसी के पौधे

आगरा। भारत विकास परिषद नवज्योति शाखा द्वारा संस्कृति माह के अंतर्गत कमला नगर स्थित श्री राम मंदिर चौक पर 251 तुलसी पौधों का वितरण कर पर्यावरण संरक्षण, भारतीय संस्कृति और सनातन परंपराओं के संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं क्षेत्रवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपने घरों में तुलसी का पौधा लगाने का संकल्प लिया शाखा अध्यक्ष सीए दीपिका मित्तल एवं सचिव नितिन अग्रवाल ने कहा कि भारत विकास परिषद का उद्देश्य केवल सेवा कार्य करना ही नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों को जन-जन तक पहुंचाना भी है। तुलसी भारतीय संस्कृति में श्रद्धा, स्वास्थ्य और आध्यात्मिक ऊर्जा का प्रतीक है। प्रत्येक परिवार को अपने घर में तुलसी का पौधा अवश्य लगाना चाहिए, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ परिवार के स्वास्थ्य और सकारात्मक वातावरण को भी बढ़ावा मिलता है कोषाध्यक्ष अंकुर अग्रवाल एवं महिला संयोजक मंजू गुप्ता ने कहा कि तुलसी का पौधा औषधीय गुणों से भरपूर है और भारतीय जीवन शैली का अभिन्न अंग है। वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण और पर्यावरणीय चुनौतियों के बीच पौधारोपण एवं पौधों के संरक्षण की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। उन्होंने सभी नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को तुलसी के धार्मिक, वैज्ञानिक एवं औषधीय महत्व की जानकारी भी दी गई तथा पर्यावरण संरक्षण का सामूहिक संकल्प दिलाया गया।

ग्रामीणों को सिखाए सुरक्षित बैंकिंग के गुर

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की जमाकर्ता शिक्षा एवं जागरूकता निधि के अंतर्गत नारी जागरण सेवा संस्थान द्वारा विकास खंड फतेहाबाद के ग्राम बमरौली में वित्तीय साक्षरता एवं बैंकिंग जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान ग्रामीणों को बचत के महत्व, बैंकिंग सुविधाओं, डिजिटल लेनदेन और साइबर धोखाधड़ी से बचाव के तरीकों की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान बारेलाल ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि हर परिवार को बैंकिंग व्यवस्था से जुड़कर नियमित बचत की आदत डालनी चाहिए। बैंकिंग सेवाओं का सही उपयोग ही आर्थिक आत्मनिर्भरता का आधार है। साथ ही उन्होंने साइबर अपराधों के प्रति सचेत रहने की अपील की। इंडियन ओवरसीज बैंक से आए मयंक सक्सेना ने कहा कि बैंक ग्राहकों को पारदर्शी और सुरक्षित सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपना ओटीपी, एटीएम पिन, पासवर्ड या बैंक खाते की जानकारी साझा न करें। नारी जागरण सेवा संस्थान के अंकित शर्मा व गौरव सिंह ने इंटरनेट एवं मोबाइल बैंकिंग के उपयोग, शिकायत निवारण प्रणाली और अधिकृत माध्यमों से ही डिजिटल भुगतान करने की जानकारी दी। संस्थान के हृदयमोहन जैन और सचिव कौशल किशोर शर्मा ने वित्तीय अनुशासन तथा पारिवारिक सुरक्षा पर विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन राजेश राज ने किया। इस अवसर पर तिलक सिंह, मोहर सिंह, रामजीलाल, सुभाष, दिलशाद और शम्सुद्दीन सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

कचौरा गांव में जलभराव बना परेशानी का सबब

ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन, आंदोलन की चेतावनी

टीएनएफ टुडे, अछनेरा।

एक ओर उत्तर प्रदेश सरकार आमजन को बेहतर सड़क और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के दावे कर रही है। वहीं दूसरी ओर विकास खंड अछनेरा की ग्राम पंचायत कचौरा में महीनों से मुख्य सड़क पर जलभराव की समस्या ग्रामीणों के लिए गंभीर परेशानी बनी हुई है। प्रशासनिक उदासीनता के चलते लोगों को रोजाना गंदे पानी और कीचड़ से होकर आवागमन करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क पर लंबे समय से जलभराव बना हुआ है। जिससे दुर्गंध फैल रही है और संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। कई बार संबंधित अधिकारियों से शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं कराया गया। शुक्रवार को समस्या के स्थायी समाधान की मांग को लेकर बड़ी संख्या में ग्रामीण जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और शिकायती ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने जलभराव की समस्या का शीघ्र निस्तारण कराने तथा लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही सड़क को जलभराव और कीचड़ से मुक्त नहीं कराया गया, तो ग्रामीण आंदोलन करने को विवश होंगे। ज्ञापन देने वालों में मुनी कचौरा, सुजीत जाटव, हरेंद्र सिंह, राकेश सिंह, गोविंद ठाकुर, योगेश कुमार, कोमल सिंह, रजनीश, प्रवीण सिंह, प्रकाश नाई, मधु सिंह, विनय दयाल सिंह, पंकज सिंह, भगत सिंह, विश्वेन्द्र लोधी, सुनील ठाकुर, दिवारीलाल, अजय लोधी, सुनील सिंह, रवि कुमार, जगदीश सिंह, शिव कुमार, विकास, विजेन्द्र सिंह, भारत सिंह, देवेन्द्र तथा कामेश सहित अन्य ग्रामीण शामिल रहे।

दो बच्चों सहित चार को कुत्ते ने काटा

अछनेरा। कस्बा स्थित पहाड़लेन के किनारे शुक्रवार शाम करीब सात बजे खेल रहे बच्चों पर एक आवारा कुत्ते ने हमला कर दिया। कुत्ते ने दो युवक और दो बच्चों को काटकर जख्मी कर दिया। बच्चों की चीख-पुकार सुनकर दौड़े परिजनों ने उन्हें बचाया। सभी घायल बच्चों को तुरंत सीएचसी अछनेरा ले जाया गया। डॉ नीरज सिंह ने उन्हें एंटी-रेबीज इंजेक्शन लगाए। परिजन रहीश, गोविंदा, रवि, भगवान सिंह श्रीराम, पिंटू छोकर ने नगर पालिका से अपील की है कि जल्द ही कस्बा से आवारा कुत्तों को पकड़वाया जाएं।

सब इंस्पेक्टर पद पर चयनित कांस्टेबलों का सम्मान

टीएनएफ टुडे, किरावली।

नगर पंचायत किरावली के चेयरमैन प्रतिनिधि अभिजीत सिंह इंदौलिया ने अपने कैंप कार्यालय पर उत्तर प्रदेश पुलिस में सब इंस्पेक्टर पद पर चयनित दो कांस्टेबलों का पटका पहनाकर सम्मान किया। इस दौरान उन्होंने दोनों की उपलब्धि को क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायक बताते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

गांव अभुआपुरा निवासी ऋषिपाल इंदौलिया पुत्र नेत्रपाल सिंह वर्ष 2023 की कांस्टेबल सीधी भर्ती में 144वीं रैंक प्राप्त कर पुलिस विभाग में चयनित हुए थे। वर्तमान में वह जिला औरैया के थाना दिवियापुर में तैनात हैं। वहीं तरुण इंदौलिया 28वीं वाहिनी पीएसी, इटावा में कांस्टेबल के पद पर कार्यरत हैं। दोनों ने अपनी सेवाओं का निर्वहन करते हुए वर्ष 2025 की सीधी भर्ती में सब इंस्पेक्टर पद पर सफलता हासिल की है। इस अवसर पर अभिजीत सिंह इंदौलिया ने कहा कि ₹विकल्प बहुत मिलेंगे मार्ग भटकाने के लिए, लेकिन संकल्प एक ही काफी है मंजिल तक जाने के लिए। कोई भी मुकाम बड़ा नहीं होता, यदि मेहनत, लगन और पूरी निष्ठा से प्रयास किए जाएं।₹ उन्होंने युवाओं से संस्कारों के साथ शिक्षा पर विशेष ध्यान देने, एक लक्ष्य निर्धारित कर उसी पर केंद्रित रहने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि किरावली स्थित रामवीर सिंह क्रीड़ा स्थल का सौंदर्यीकरण कराया जा रहा है। मैदान में घास और आधुनिक लाइटिंग की व्यवस्था की जाएगी, जिससे खिलाड़ी दिन और रात दोनों समय अभ्यास कर क्षेत्र का नाम रोशन कर सकें। कार्यक्रम में प्रेम सिंह इंदौलिया, विहिप उपाध्यक्ष आर.के. इंदौलिया, पप्पू लंबरदार, शिव सिंह भगौर, राजेंद्र सिंह सामरा, भूपाल सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

'सिया राममय' हुआ महाकालेश्वर धाम, श्रीराम-जानकी विवाह महोत्सव में झूमे श्रद्धालु

पुष्प वाटिका, धनुष यज्ञ और विवाह प्रसंग ने बांधा समां, महाआरती में उमड़ा आस्था का सैलाब

टीएनएफ टुडे, आगरा।

यमुना तट स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर, बूढ़ी का नगला, दयालबाग में आयोजित नौ दिवसीय श्री रुद्र महायज्ञ, महारुद्राभिषेक एवं श्रीराम कथा महोत्सव के सप्तम दिवस मंदिर परिसर पूर्णतः मिथिलामय हो गया। प्रातःकाल प्रतिदिन की भांति वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य भगवान भोलेनाथ का महारुद्राभिषेक एवं श्री रुद्र महायज्ञ संपन्न हुआ। श्रद्धालुओं ने भगवान महाकाल का रुद्राभिषेक कर सुख-समृद्धि, आरोग्य एवं विश्व कल्याण की कामना की।

संध्या में आयोजित श्रीराम कथा के सप्तम दिवस चित्रकूट धाम से पधारे कथावाचक पंडित विमलेश त्रिवेदी महाराज ने पुष्प वाटिका प्रसंग, धनुष यज्ञ एवं भगवान श्रीराम-जानकी विवाह का अत्यंत मनोहारी एवं भावपूर्ण वर्णन किया। विवाह महोत्सव के उपलक्ष्य में श्रद्धालु भी उत्सव के अनुरूप विशेष श्रृंगार कर पहुंचे। महिलाओं ने हाथों में मेहंदी रचाकर मंगलगीत गाए, जबकि पुरुष भगवान श्रीराम की बारात के स्वरूप में पारंपरिक वेशभूषा धारण कर उत्सव में शामिल हुए। पूरा मंदिर परिसर ₹सीताराम₹, ₹जय श्रीराम₹ और मंगल गीतों से गुंजायमान हो उठा।

कथा व्यास पंडित विमलेश त्रिवेदी महाराज ने कहा कि भगवान श्रीराम और माता सीता का विवाह केवल दो व्यक्तियों का मिलन नहीं, बल्कि धर्म, मयार्दा, प्रेम, त्याग और आदर्शों का दिव्य संगम है। पुष्प वाटिका में श्रीराम और माता जानकी का प्रथम मिलन तथा धनुष यज्ञ में भगवान श्रीराम द्वारा शिव धनुष भंग करना यह संदेश देता है कि ईश्वर की इच्छा के बिना कोई कार्य सिद्ध नहीं होता। उन्होंने कहा कि श्रीराम-जानकी का दांपत्य जीवन आज भी भारतीय संस्कृति में आदर्श गृहस्थ जीवन की सर्वोच्च प्रेरणा है और प्रत्येक परिवार को उनके आदर्शों को अपनाना चाहिए।

यज्ञाचार्य आचार्य पंडित सुनील कुमार वशिष्ठ ने बताया कि श्रावण मास में भगवान शिव की आराधना और श्रीराम कथा का यह दिव्य संगम श्रद्धालुओं के लिए दुर्लभ आध्यात्मिक अवसर है। उन्होंने बताया कि शनिवार को श्रीराम कथा में कोप भवन लीला एवं वनवास लीला का मार्मिक प्रसंग सुनाया जाएगा, जिसमें भगवान श्रीराम के त्याग, आज्ञापालन और आदर्श जीवन का संदेश मिलेगा। उन्होंने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से कथा में उपस्थित होकर धर्मलाभ अर्जित करने का आग्रह किया।कथा के उपरांत श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम, माता जानकी के स्वरूप एवं भगवान महाकाल की सामूहिक आरती कर मंगलकामनाएं कीं। विवाह महोत्सव के उल्लासपूर्ण वातावरण में भक्त देर तक भक्ति गीतों पर झूमते रहे।

इस अवसर पर मोहन लाला, प्रशांत मित्तल, राहुल अग्रवाल, हर्ष गोयल, नवदीप अग्रवाल, विजय अग्रवाल, डॉ. आशुतोष सक्सेना आदि श्रद्धालुओं ने श्रीरामचरितमानस की आरती कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

स्पर्म क्वालिटी और डीएनए पर बढ़ रहा खतरा

विशेषज्ञों ने माना लाइफस्टाइल बन रही बड़ी वजह

टीएनएफ टुडे, आगरा।

देश में तेजी से बढ़ रही बांझपन की समस्या के पीछे बदलती जीवन शैली, असंतुलित खानपान और प्रदूषित पर्यावरण को प्रमुख कारण माना जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार अब समस्या केवल शुक्राणुओं (स्पर्म) की संख्या तक सीमित नहीं रही, बल्कि उनकी गुणवत्ता और डीएनए पर भी गंभीर असर पड़ रहा है।

कार्यशाला के दौरान आयोजन समिति के सचिव डॉ. केशव मल्होत्रा ने बताया कि वर्तमान समय में युवाओं में स्पर्म काउंट में कमी के साथ-साथ उनके डीएनए डैमेज के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसका सीधा असर न केवल गर्भधारण की संभावना पर पड़ता है, बल्कि भविष्य में जन्म लेने वाले शिशु के स्वास्थ्य पर भी प्रभाव डाल सकता है। डॉ. मल्होत्रा ने बताया कि आईवीएफ तकनीक के माध्यम से संतान प्राप्ति संभव हो रही है, लेकिन यह सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है कि जन्म लेने वाला शिशु पूरी तरह स्वस्थ हो। इसी दिशा में अब चिकित्सा क्षेत्र में एआई आधारित आधुनिक डिवाइस और मशीनें विकसित हो चुकी हैं। जो बेहतर गुणवत्ता वाले शुक्राणुओं के चयन में मदद करती हैं। इन तकनीकों से एम्ब्रियोलॉजिस्ट को उच्च गुणवत्ता के स्पर्म चुनने में आसानी होती है। इससे स्वस्थ भ्रूण और स्वस्थ शिशु

की संभावना बढ़ जाती है।

आयोजन समिति की अध्यक्ष डॉ. सुजाता रामाकृष्णनन और डॉ. गौरव मजूमदार ने बताया कि पर्यावरण प्रदूषण, जंक फूड का बढ़ता सेवन, शारीरिक गतिविधियों की कमी और तनावपूर्ण जीवनशैली पुरुष प्रजनन क्षमता को प्रभावित कर रहे हैं। देर रात तक जागना, अनियमित दिनचर्या और नशे की आदतें इस समस्या को और गंभीर बना रही हैं। वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. नरेन्द्र मल्होत्रा ने युवाओं को जीवनशैली में सुधार लाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि जल्दी सोना और जल्दी उठना, स्वस्थ दिनचर्या अपनाना और नशे से पूरी तरह दूर रहना बेहद जरूरी है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि खानपान में स्वाद से अधिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी चाहिए। अधिक स्मोकिंग, अत्यधिक चॉकलेट का सेवन और किसी भी प्रकार का नशा बांझपन की समस्या को बढ़ाने वाले प्रमुख कारक हैं। उन्होंने युवाओं से अपील की कि नियमित व्यायाम, संतुलित आहार और सकारात्मक दिनचर्या अपनाकर वे अपनी प्रजनन क्षमता को बेहतर बनाए रख सकते हैं। इन आदतों में सुधार किया जाए तो बांझपन की बढ़ती समस्या पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकता है।

केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल करेंगे कार्यशाला का उद्घाटन

आगरा। अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला के दूसरे दिन शनिवार को कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन केंद्रीय राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल करेंगे। इस दौरान देश-विदेश से आए एक हजार से अधिक विशेषज्ञ, चिकित्सक और शोधकर्ता मौजूद रहेंगे। उनके लिए पूरे दिन विभिन्न साइंटिफिक सेशन आयोजित किए जाएंगे। जिनमें प्रजनन चिकित्सा, आईवीएफ तकनीक एम्ब्रियोलॉजी से जुड़े नवीनतम शोध और तकनीकों पर चर्चा होगी। इन सत्रों में अंतरराष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञ अपने अनुभव साझा करेंगे और आधुनिक लैब तकनीकों, भ्रूण विकास, स्पर्म चयन और उपचार की नई पद्धतियों पर प्रकाश डालेंगे।

मंडलायुक्त से मांगी मंदिर मरम्मत की अनुमति

आगरा। ताजगंज स्थित प्राचीन सिंधी समाज मंदिर की जर्जर दीवार की मरम्मत को लेकर सिंधी समाज के प्रतिनिधिमंडल ने मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप सिंह से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने मंदिर की दीवार की वर्तमान स्थिति से अवगत कराते हुए शीघ्र मरम्मत की अनुमति प्रदान किए जाने की मांग की है। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि यह प्राचीन मंदिर सिंधी समाज की आस्था का प्रमुख केंद्र है। जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। मंदिर के पीछे स्थित दीवार में गहरी दरारें पड़ चुकी हैं। दीवार कभी भी गिर सकती है। इससे किसी भी समय जनहानि की आशंका बनी हुई है। प्रतिनिधिमंडल ने स्पष्ट किया कि नए निर्माण अथवा विस्तार की मांग नहीं की जा रही, बल्कि जर्जर दीवार की आवश्यक मरम्मत कराकर संभावित दुर्घटना को रोकने के लिए तत्काल अनुमति मांगी गई है। मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप सिंह ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि आवश्यक आदेश शीघ्र जारी कराकर मरम्मत की अनुमति प्रदान की जाएगी। प्रतिनिधिमंडल में शंकरलाल आसवानी, श्याम भोजवानी, प्रदीप दीवान, हरकिशन आडवानी, राजू दासवानी, राजेश जेठवानी एवं हर्ष दसवानी मौजूद रहे।

4 खाद विक्रेताओं के प्राधिकार पत्र निलंबित

छापामार टीमों ने जिले भर में खाद के 30 सैंपल भरे

टीएनएफ टुडे, आगरा।

शासन के निदेशों के क्रम में जिलाधिकारी मनीष बंसल द्वारा गठित टीमों के माध्यम से जनपद में उर्वरकों की उपलब्धता, वितरण एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने के दृष्टिगत आकस्मिक छापामार कार्यवाही की गयी। कार्यवाही के लिए कुल 3 टीमों का गठन किया गया। इसमें जिला कृषि अधिकारी विनोद कुमार, उप कृषि निदेशक मुकेश कुमार, जिला उद्यान अधिकारी मनोज कुमार, अपर जिला कृषि अधिकारी गुफरान अहमद तथा सम्बन्धित तहसील के उप जिलाधिकारी/तहसीलदार को शामिल किया गया।

गठित टीमों द्वारा जनपद के विभिन्न उर्वरक विक्रय प्रतिष्ठानों पर आकस्मिक निरीक्षण करते हुए कुल 30 उर्वरक नमूने ग्रहीत किए गए। छापामार कार्यवाही के दौरान अभिलेख अपूर्ण पाए जाने के कारण कुल 4 विक्रेताओं के उर्वरक प्राधिकार पत्र निलम्बित किए गए। इनमें 1 सदर तहसील, 2 फतेहाबाद तहसील तथा 1 किरावली तहसील के विक्रेता शामिल हैं। इसके अतिरिक्त 10 प्रतिष्ठान बन्द पाए जाने पर सम्बन्धित प्रतिष्ठानों को नोटिस निर्गत करने की कार्यवाही की गयी।

10 प्रतिष्ठानों के बन्द पाए जाने पर नोटिस किया जारी

जिला कृषि अधिकारी विनोद कुमार ने बताया कि जनपद में वर्तमान में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता है। उन्होंने किसानों से अपील की है कि सभी सहकारी समितियों एवं निजी उर्वरक विक्रेताओं के यहां निरन्तर उर्वरकों को भेजा जा रहा है। किसान उर्वरक की बोरी पर अंकित निर्धारित खुदरा मूल्य पर ही उर्वरक क्रय करें। अधिक मूल्य पर उर्वरक विक्रय किए जाने की स्थिति में इसकी शिकायत करें।

कुर्कशुदा पांच फ्लैटों की सार्वजनिक नीलामी 11 को

आगरा। नीलाम अधिकारी/तहसीलदार सदर ने अवगत कराया है कि भू-सम्पदा विनियामक प्राधिकरण, लखनऊ के बकायेदार मैसर्स द्वारिका रेजिडेंसी प्रा.लि. की मौजा मोहम्मदपुर आगरा पर कुर्कशुदा अचल संपत्ति की सार्वजनिक नीलामी 11 अगस्त को की जानी है। उन्होंने बताया कि कुल पांच फ्लैटों को उपजिलाधिकारी सदर के आदेश के क्रम में कुर्की अधिपत्र जारी किया गया है। उक्त कुर्कशुदा अचल संपत्ति के फ्लैट को सार्वजनिक रूप से 11 अगस्त को नीलाम किया जाएगा। नीलामी तहसील मुख्यालय स्थित तहसील सभागार में 11:30 बजे की जाएगी। नीलामी में इच्छुक भारतीय नागरिक भाग ले सकते हैं। नीलाम अधिकारी ने बताया कि कुर्कशुदा अचल संपत्ति के फ्लैटों का पीडब्ल्यूडी से मूल्यांकन कराया गया है। नीलाम अधिकारी/तहसीलदार सदर, आगरा ने इच्छुक नागरिकों से निर्धारित तिथि, समय एवं नियमों व शर्तों के अनुसार नीलामी में भाग लेने का आह्वान किया है।

आगरा कॉलेज में शिक्षकों का धरना-प्रदर्शन

टीएनएफ टुडे, आगरा।

अखिल भारतीय विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक महासंघ के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर शुक्रवार को आगरा कॉलेज में शिक्षकों ने पंडित गंगाधर शास्त्री की प्रतिमा के समक्ष शांतिपूर्ण एवं प्रभावी धरना-प्रदर्शन किया। उन्होंने शिक्षक हितों एवं उच्च शिक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी आवाज बुलंद की। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. वीरेंद्र सिंह चौहान ने की। वक्ताओं ने कहा कि पुरानी पेंशन योजना की बहाली शिक्षकों की सबसे महत्वपूर्ण और वर्षों से लंबित मांग है। वर्ष 2005 के बाद नियुक्त विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक आज भी पुरानी पेंशन योजना से वंचित हैं। जिससे उनके भविष्य की सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा प्रभावित हो रही है। शिक्षक संगठनों द्वारा इस मांग को लेकर

पुरानी पेंशन सहित अन्य मांगों को लेकर आवाज की बुलंद

लगातार संघर्ष किया जा रहा है। सरकार से इसे शीघ्र लागू करने की मांग की गई। धरने के दौरान शिक्षकों ने केंद्र एवं राज्य सरकारों से अपनी मांगों पर तत्काल सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की। आठवें यूजीसी/एआईसीटीई वेतन आयोग का शीघ्र गठन, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 एवं विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक पर पुनर्विचार, एमफिल कार्यक्रम को पुनः संचालित करने, एसोसिएट प्रोफेसर एवं प्रोफेसर पदोन्नति के लिए पीएच.डी. की अनिवार्यता समाप्त करने, उच्च शिक्षण संस्थानों के क्लस्टरीकरण, विलय एवं एकल संकाय वाले महाविद्यालयों को समाप्त करने की प्रक्रिया पर रोक लगाई जाए।

धरने के दौरान शिक्षकों ने अपनी मांगों के समर्थन में जोरदार नारेबाजी की। इस अवसर पर घोषणा की गई कि 8 अगस्त को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर आयोजित राष्ट्रीय धरना-प्रदर्शन में डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा से संबद्ध महाविद्यालयों के शिक्षक औटा के नेतृत्व में भाग लेंगे। धरना-प्रदर्शन में प्रमुख रूप से प्रो. वीरेंद्र सिंह चौहान (अध्यक्ष), डॉ. भूपेंद्र कुमार चिकारा, प्रो. विजय कुमार सिंह (सचिव, स्टाफ क्लब), प्रो. विक्रम सिंह, प्रो. गौरव कौशिक, प्रो. शिवकुमार सिंह, डॉ. दिग्विजय पाल सिंह, डॉ. आनंद प्रताप सिंह, डॉ. रंजीत सिंह, डॉ. धर्मवीर सिंह यादव, डॉ. एस. खरवार, डॉ. राहुल खरवार, डॉ. दिनेश कुमार सिंह, डॉ. धर्मेंद्र प्रताप सिंह, डॉ. रोहित पटवा, डॉ. रविशंकर सिंह, डॉ. अचिंत वर्मा आदि मौजूद रहे।

किंग्स क्लब इलैक्ट्रीशियन मीट का आयोजन

100 से अधिक इलैक्ट्रिशियन शामिल, उत्कृष्ट प्रदर्शन पर सम्मान

टीएनएफ टुडे, आगरा।

देश की अग्रणी वायर एवं केबल निमार्ता कई इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने आगरा में अपने प्रतिष्ठित किंग्स क्लब इलैक्ट्रीशियन मीट का सफल एवं भव्य आयोजन किया। कार्यक्रम में 100 से अधिक इलैक्ट्रिशियनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण एवं मानक अनुरूप विद्युत वायरिंग के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा इलेक्ट्रिशियन समुदाय के साथ कंपनी के संबंधों को और अधिक सुदृढ़ बनाना था। कार्यक्रम में यूपी हेड संजय राय, वेस्टर्न यूपी हेड पंकज विश्नोई, रिटेल हेड वेस्टर्न यूपी श्रीकांत रामानुजम, क्लस्टर हेड अनिमेष कुमार तथा आगरा क्लस्टर की सेल्स टीम की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 30 इलैक्ट्रिशियनों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर यूपी ब्रांच हेड संजय राय ने कहा, ₹सुरक्षित और टिकाऊ विद्युत व्यवस्था की शुरूआत गुणवत्तापूर्ण वायर से होती है। ₹वेस्टर्न यूपी हेड पंकज विश्नोई ने कहा, ₹इलेक्ट्रिशियन हमारे व्यवसाय के सबसे महत्वपूर्ण साझेदार हैं। सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण इलेक्ट्रिकल इंस्टॉलेशन सुनिश्चित करने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

हिन्दू महासंघ भारत का नगर निगम पर प्रदर्शन

टीएनएफ टुडे, आगरा।

'हर हर महादेव' के गगनभेदी जयकारों के साथ अंतरराष्ट्रीय हिन्दू महासंघ भारत के बैनर तले कार्यकर्ताओं ने नगर निगम पर जोरदार प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय संयोजक एवं प्रदेश अध्यक्ष सुमित कटियार के नेतृत्व में कार्यकर्ता नगर निगम गेट पर एकत्रित हुए और नारेबाजी करते हुए नगर आयुक्त कार्यालय पहुंचे। इस दौरान पुलिस ने जुलूस को रोकने का प्रयास किया, लेकिन कार्यकर्ताओं के भारी जोश के आगे पुलिस को पीछे हटना पड़ा। अपर आयुक्त कार्यालय के

बाहर प्रदर्शन के दौरान प्रदेश महामंत्री गोपाल सिंह चाहर ने मांग पत्र पढ़कर सुनाया। राष्ट्रीय संयोजक सुमित कटियार ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि सावन माह में हिन्दू समाज भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना करता है और आगरा के चारों कोनों पर प्राचीन शिव मंदिर स्थित हैं। उन्होंने मांग की कि प्राचीन शिव मंदिरों के पैदल परिक्रमा मार्ग से जलभराव और कंकड़-पत्थर हटाए जाएं तथा मिट्टी डलवाकर मार्ग को पूरी तरह दुरुस्त किया जाए।

सावन परिक्रमा मार्ग को दुरुस्त करने की उठी मांग

उन्होंने आगे कहा कि जब किसी अन्य पर्व पर व्यापक व्यवस्थाएं की जाती हैं, तो हिन्दू त्योहारों और शिव भक्तों की आस्था पर भी प्रशासन को विशेष ध्यान देना चाहिए। मंदिरों के आसपास फैली गंदगी को तत्काल प्रभाव से हटवाने की मांग की गई।

कार्यक्रम के दौरान प्रदेश महामंत्री गोपाल सिंह चाहर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजीव चौहान और उपाध्यक्ष अर्जुन गिरज ने संयुक्त रूप से सावन परिक्रमा मार्ग पर चिकित्सा शिविर लगाने तथा इस पवित्र माह में मीट-मांस की दुकानें बंद रखने की पुरजोर मांग रखी। अपर आयुक्त ने सभी मांगों पर सहमति जताते हुए शीघ्र अग्रिम कार्रवाई का आश्वासन दिया। जुलूस का संचालन महानगर अध्यक्ष विनोद गौतम ने किया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष विनोद सक्सेना, शहर प्रभारी दीपक जैन, जसवीर सिंह, प्रदेश मीडिया प्रभारी सतीश मिश्रा, रौनक दीक्षित, निपुर्द खंडेलवाल, विमल प्रजापति, श्याम पहलवान, अनुराग शर्मा, कुनाल माहौर सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

₹साहब, जमीन की पैमाइश हो गई₹

जंगली ककोड़े लेकर डीएम के पास आभार जताने पहुंचा किसान

टीएनएफ टुडे, आगरा।

तहसील समाधान दिवस हो या कलेक्ट्रेट में प्रतिदिन जनता दर्शन की जन सुनवाई जिलाधिकारी मनीष बंसल द्वारा प्राथमिकता से किसानों की भूमि पैमाइश, चकरोड अतिक्रमण, खाद बीज की शिकायतें हों या पेंशन आदि के मामले सभी प्रकरणों में त्वरित प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। शुक्रवार सुबह जनता दर्शन में जब जिलाधिकारी जनसुनवाई कर रहे थे। तभी एक किसान जंगली ककोड़ा लेकर जिलाधिकारी के पास आभार जताने पहुंचा।

तहसील बाह के बसई अरेला निवासी किसान रामप्रकाश पुत्र रोशनलाल की भूमि की पैमाइश का कार्य काफी दिनों लंबित था, भूमि पैमाइश होने पर उचित सुनवाई और सहायता मिलने पर किसान ने जिलाधिकारी से कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई में मिल कर आभार जताया। गौरतलब है कि 06 जुलाई को तहसील बाह के संपूर्ण समाधान दिवस में किसान ने जिलाधिकारी से गुहार लगाई थी कि 03 वर्ष से राजस्व निरीक्षक व लेखपाल उसकी भूमि की पैमाइश नहीं कर रहे। शिकायत करने पर गलत रिपोर्ट लगाकर टालमटोल कर रहे हैं। जिलाधिकारी ने किसान की शिकायत को गंभीरता से सुनकर मौके पर ही संबंधित राजस्व निरीक्षक से जवाब तलब कर पैमाइश न करने पर फटकार लगाई थी।

जनता दर्शन में आए किसान ने बताया कि जिलाधिकारी द्वारा उचित सुनवाई करने से उसकी जमीन की पैमाइश हो गई है। उसे बड़ी राहत मिली है।

गरीब किसान ने जिलाधिकारी की कार्यशैली की बार बार सराहना की तथा आभार व्यक्त करते हुए अपने साथ लाए थैले से सब्जी (जंगली ककोड़े) निकाल के देने की इच्छा व्यक्त की। किसान के चेहरे पर खुशी देख कर जिलाधिकारी भी मुस्कराये बिना नहीं रह सके।

जिलाधिकारी ने जिले के सभी राजस्व अधिकारियों को भी निर्देशित किया है कि वे तहसील दिवस व प्रतिदिन जनता दर्शन- जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण, समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें। चकरोड अतिक्रमण, भूमि पैमाइश अन्य सार्वजनिक भूमि पर हुए अतिक्रमणों की शिकायतों का तत्काल गंभीरता से कार्यवाही कर निस्तारण कर कार्रवाई सुनिश्चित करें।

जैव प्रौद्योगिकी विभाग में छात्रों का ओरिएंटेशन

टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगरा कॉलेज के जैव प्रौद्योगिकी विभाग में सत्र 2026-27 में नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं के स्वागत एवं मार्गदर्शन हेतु ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ कॉलेज के मुख्य प्रॉक्टर प्रो. वी.के. सिंह, डॉ. संध्या यादव तथा विभाग प्रभारी डॉ. श्याम गोविंद द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। डॉ. नीता रानी ने सरस्वती वंदन किया। कार्यक्रम का संचालन विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. यशस्विता चौहान ने किया। उन्होंने सभी अतिथियों एवं नव प्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत किया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. संध्या अग्रवाल ने आगरा कॉलेज के 200 वर्षों से अधिक के गौरवशाली इतिहास, परंपराओं एवं शैक्षणिक उत्कृष्टता के बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराया। पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. ए. के. उपाध्याय ने जैव प्रौद्योगिकी विभाग की उपलब्धियों और विभाग के योगदान की विस्तृत जानकारी दी। डॉ. दिव्या अग्रवाल ने जैव प्रौद्योगिकी के पाठ्यक्रम, व्यावहारिक उपयोगिता एवं भविष्य में रोजगार की संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि जैव प्रौद्योगिकी आज चिकित्सा, कृषि, पर्यावरण एवं उद्योग के क्षेत्र में किस प्रकार क्रांति ला रही है। डॉ. नीता रानी अग्रवाल ने प्रसिद्ध वैज्ञानिक प्रो. के. सी. मेहता के शोध कार्यों एवं उनके द्वारा पादप रोग विज्ञान के क्षेत्र में दिए गए योगदान के बारे में छात्रों को जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम को और अधिक प्रेरणादायक बनाने के लिए द्वितीय वर्ष के मेधावी छात्रों प्रदीप, कुशाल, अनिकेत एवं नमन ने अपने शैक्षणिक एवं प्रयोगशाला अनुभव नव प्रवेशित विद्यार्थियों के साथ साझा किए। कार्यक्रम के अंत में डॉ. प्रशांत पचौरी ने सभी अतिथियों, प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विभाग के सभी प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम अनुशासन एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।

संपादकः धीरज शर्मा, फोनः 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइटः www.tnftoday.com

पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

सम्पादकीय

मिलावटखोरों के खिलाफ भी आंदोलन

लोग पैसे खर्च करने को तैयार हैं ताकि उन्हें शुद्ध आटा, दाल, चावल, मसाले, चीनी, दूध, घी, खाद्य तेल, सब्जियां, पनीर, शहद, पानी और अन्य सामान मिल सके। लेकिन ज्यादा खर्च के बाद भी उनके साथ न केवल ठगी की जा रही है बल्कि लोग गंभीर बीमारियों के भी शिकार होकर मरते भी जा रहे हैं। लेकिन क्या सिर्फ कानून बना देने से इस भयावह समस्या का समाधान हो जाएगा, कतई नहीं। इसके लिए युद्धस्तर पर एक मिशन के तहत कई मोर्चों पर एक साथ काम करना पड़ेगा। नकली सामानों को बनने के स्तर पर ही रोकना होगा, इसके लिए उत्तरदायी विभाग में मैन पावर बढ़ाने के साथ ही उनकी जिम्मेदारी भी तय करनी होगी। इससे जुड़े विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को हर महीने अपनी संपत्ति का ब्यौरा भी ऑनलाइन भरना चाहिए। ऐसे मामलों को निपटाने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाकर फैसले की समय सीमा भी तय करनी होगी। इसके साथ ही बड़े पैमाने पर कई अन्य कदम भी उठाने होंगे। लेकिन बड़ा सवाल तो यही है कि क्या हमारी सरकार, अधिकारी, अदालत और नेता..ये सब इसके लिए तैयार हैं? सबसे अधिक दुःखद और परेशानी में डालने वाला तथ्य तो यह है कि देश की नामी-गिरामी कंपनियां भी उपभोक्ताओं को धोखा देने का कोई मौका नहीं चूकती है। रोजमर्रा की जरूरत का कई सामान बेचने वाली एफएमसीजी कंपनी डाबर को लेकर भी चौंकाने वाली खबर सामने आई है। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने डाबर द्वारा किए जा रहे '100% प्योर', '100% ऑर्गेनिक' और '100% नेचुरल' जैसे दावों को भ्रामक बताते हुए ऐसे प्रोडक्ट्स की बिक्री को तुरंत रोकने का आदेश दे दिया है। इन प्रोडक्ट्स में शहद, गाय का देसी घी, तिल का तेल और नारियल पानी जैसी कई चीजें शामिल हैं। डाबर को 15 दिनों के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट भी जमा करने को कहा गया है। इससे पहले भी कई नामी-गिरामी और बड़ी कंपनियों के प्रोडक्ट्स पर गंभीर सवाल उठ चुके हैं। सबसे बड़ी विडंबना तो यह है कि यही कंपनियां जब विदेश खासकर अमेरिका या यूरोपीय देशों में कोई सामान बेचती है तो उसकी क्वालिटी का खास ध्यान रखती है लेकिन भारतीयों के लिए इनका एटीट्यूड 'सब चलता है टाइप' ही होता है।संसद भवन में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच गतिरोध लगातार जारी है और वहीं देश के तीन राज्यों की तीन विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजों पर भी मीडिया में काफी चर्चा हो रही है। लेकिन इस बीच कई ऐसी खबरें भी लगातार निकल कर सामने आ रही है, जिसपर बड़े पैमाने पर चर्चा, वाद-संवाद और कार्रवाई की जरूरत है। लेकिन इससे बड़ा दुर्भाग्य क्या होगा कि देश के सभी लोगों के जीवन से जुड़े इतने महत्वपूर्ण मसले पर चर्चा करने का समय किसी के पास नहीं है। सत्ता में बैठने वाली किसी भी सरकार (चाहे वो किसी भी राजनीतिक दल की हो) के पास इसके समाधान का कोई स्थायी फॉमूर्ला या विजन नहीं है, विपक्ष के पास भी इस पर बात करने की फुर्सत नहीं है और सरकारी अधिकारी अपने में ही मस्त है।

जेन जी को नहीं चाहिए माफी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बारह साल पहले जब सत्ता संभाली थी तो नेहरू जी की नकल करते हुए खुद को प्रधानमंत्री की जगह प्रधानसेवक बताया था। लेकिन उनका व्यवहार किसी राजा की तरह ही बना रहा, जो इस देश के नागरिकों को प्रजा की तरह देखता है। इसलिए उन्होंने कहा है कि मैं गुमराह बच्चों को माफ करता हूं। आप जानते हैं कि नरेन्द्र मोदी इन दिनों संसद की जगह इंस्टाग्राम पर ज्यादा नजर आ रहे हैं। उनकी जो नयी रील आई है, उसमें उन्होंने फिर से खुद को पीड़ित की तरह पेश करते हुए देश की नयी पीढ़ी को माफ करने का संदेश दिया है। माफी का यह फरमान मोदी के लिए अब बड़ी फांस बन गया है। और तमाम लोग इस पर उनके पुराने वीडियो निकाल कर बैठे हैं, जिसमें वो खुद अपशब्द कह रहे हैं या उन लोगों को सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स पर फॉलो कर रहे हैं, जिन्होंने गालियों की राजनीति की। प्रधानमंत्री के इस माफ करने के फरमान पर अब सैकड़ों रील्स और मीम्स इस समय सोशल मीडिया पर वायरल हैं। अगर भाजपा को लगता है कि वो दमनकारी हथकंडे यानी पुलिस का डर दिखाकर, अदालतों के चक्कर लगवाकर इन युवाओं को डराएगी, तो वो खुद को ही अंधेरे में रख रही है। मोदी ने तो कह दिया है कि हम नयी पीढ़ी को अदालतों के चक्कर नहीं लगवाना चाहते, उन्हें सही राह पर लाना चाहते हैं, तो इसका भी जवाब अब जेन जी दे रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी ताजा रील में कल्चरल शॉक यानी सांस्कृतिक तौर पर लगने वाले झटके की बात भी कही कि लड़कियां गाली दे रही हैं। इस एक वाक्य ने उनके मन में बैठे भेदभाव को सामने ला दिया। लड़के गाली दें तो उन्हें झटका नहीं लगता, लड़कियों की भाषा पर आपत्ति है। और सबसे पहली बात तो यही है कि मुद्दा गाली होना चाहिए या पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था में हुए खिलवाड़ का होना चाहिए। जंतर-मंतर पर आंदोलन क्यों खड़ा हुआ, लाखों लोग क्यों चंद दिनों में एक ही मकसद के लिए जुट गए, किसलिए निहत्थी जनता ने बिना संसाधनों के सरकार के सामने प्रतिरोध करना शुरू किया, क्यों पुलिस के अत्याचार को हंसते-मुस्कुराते सह लिया, लेकिन अपने मकसद से पीछे लोग पीछे नहीं हटे, जिन युवाओं और बच्चों को अब तक गैरजिम्मेदार और अपने ही मोबाइल में गुम मानकर पिछली पीढ़ी के लोग डांटते-फटकारते रहते थे, उन लोगों ने कैसे देश को आंदोलन करने की एकदम नयी राह दिखा दी, इन सारे सवालों को गालियों के मुद्दे से दबाने की कोशिश मोदी सरकार कर रही है।

-अनाम

'GenZ और बदलता भारत'

> पिछले एक दशक में भारत ने अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय परिवर्तन देखे हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में मेडिकल कॉलेजों और एमबीबीएस सीटों की संख्या में वृद्धि हुई, नए एम्स स्थापित हुए तथा स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार हुआ। उच्च शिक्षा में नए आईआईटी, आईआईएम, केंद्रीय विश्वविद्यालय और अन्य संस्थानों की स्थापना के साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 लागू की गई, जिसका उद्देश्य शिक्षा को अधिक लचीला, बहुविषयक और कौशल-आधारित बनाना है।

प्रोफेसर स्वामी ध्यान प्रेम

भारत की GenZ (1997–2012 के बीच जन्मी पीढ़ी) आज देश की सबसे बड़ी युवा शक्ति है। मई 2014 में जब नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला, तब इस पीढ़ी का सबसे बड़ा सदस्य लगभग 17 वर्ष का और सबसे छोटा केवल 2 वर्ष का था। आज यह पीढ़ी 14 से 29 वर्ष की आयु के बीच है। इसलिए इसका अधिकांश सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक अनुभव 2014 के बाद के भारत से जुड़ा हुआ है। स्वाभाविक रूप से इस पीढ़ी ने वर्तमान भारत को प्रत्यक्ष रूप से देखा है, जबकि पूर्ववर्ती दशकों का ज्ञान उसे इतिहास, परिवार, शिक्षकों और विश्वसनीय स्त्रोतों से ही प्राप्त हो सकता है।

पिछले एक दशक में भारत ने अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय परिवर्तन देखे हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में मेडिकल कॉलेजों और एमबीबीएस सीटों की संख्या में वृद्धि हुई, नए एम्स स्थापित हुए तथा स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार हुआ। उच्च शिक्षा में नए आईआईटी, आईआईएम, केंद्रीय विश्वविद्यालय और अन्य संस्थानों की स्थापना के साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 लागू की गई, जिसका उद्देश्य शिक्षा को अधिक लचीला, बहुविषयक और कौशल-आधारित बनाना है।

अवसंरचना के क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्गों, एक्सप्रेसवे, रेलवे विद्युतीकरण, आधुनिक रेलवे स्टेशनों, वंदे भारत ट्रेनों, हवाई अड्डों तथा सीमावर्ती सड़कों का विस्तार हुआ। रेलवे में जैव-शौचालय, डिजिटल टिकटिंग और स्टेशन पुनर्विकास जैसी सुविधाओं ने यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाया। डिजिटल इंडिया अभियान ने भारत की कार्यशैली में व्यापक परिवर्तन किया। यूपीआई, डिजीलॉकर, आधार आधारित सेवाएँ, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT), जनधन योजना, ऑनलाइन भुगतान और डिजिटल शासन ने सरकारी सेवाओं को अधिक सुलभ बनाया। आज छोटे दुकानदार से लेकर ग्रामीण बाजार तक डिजिटल भुगतान सामान्य होता जा रहा है, जो एक दशक पहले व्यापक रूप से संभव नहीं था।

सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में स्वच्छ भारत मिशन, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, हर घर जल, जन औषधि केंद्र, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि तथा मुफ्त राशन जैसी योजनाओं ने करोड़ों लोगों तक सरकारी सहायता पहुँचाने का प्रयास किया। रक्षा, अंतरिक्ष और विदेश नीति के क्षेत्र में भी भारत की सक्रियता बढ़ी। चंद्रयान मिशन, स्वदेशी रक्षा उत्पादन, सीमा अवसंरचना, अनुच्छेद 370 का निरसन, तीन तलाक कानून तथा सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण जैसे निर्णय व्यापक चर्चा के विषय रहे।

दूसरी ओर, लोकतंत्र में किसी भी सरकार का मूल्यांकन केवल उपलब्धियों से नहीं, बल्कि चुनौतियों से भी किया जाता है। पिछले वर्षों में बेरोजगारी, महँगाई, कृषि आय, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सौहार्द, शिक्षा की गुणवत्ता, प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता तथा युवाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण रोजगार जैसे विषय लगातार सार्वजनिक विमर्श के केंद्र में रहे हैं। इसलिए विकास का सही आकलन तभी संभव है, जब उपलब्धियों और चुनौतियों दोनों को समान गंभीरता से देखा जाए। इसी प्रकार 2014 से पहले के भारत को भी केवल समस्याओं या घोटालों के आधार पर नहीं आँका जा सकता। आर्थिक उदारीकरण, सूचना प्रौद्योगिकी क्रांति, दूरसंचार विस्तार, दिल्ली मेट्रो, स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना, आधार परियोजना की शुरूआत, ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम, शिक्षा का अधिकार तथा अंतरिक्ष विज्ञान की अनेक उपलब्धियाँ पूर्ववर्ती सरकारों के समय विकसित हुईं। वहीं 2जी, कोयला, राष्ट्रमंडल खेल जैसे चर्चित घोटाले तथा आतंकवादी हमलों ने शासन व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न भी खड़े किए। अतः इतिहास को समग्रता में समझना ही लोकतांत्रिक परिपक्वता का परिचायक है।

GenZ के सामने सबसे बड़ी चुनौती सूचना का सत्यापन है। सोशल मीडिया के युग में अनेक सूचनाएँ बिना तथ्य-जाँच के तेजी से प्रसारित होती हैं। इसलिए युवाओं को सरकारी आँकड़ों, संसदीय दस्तावेजों, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG), नीति आयोग, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय तथा प्रतिष्ठित शोध संस्थानों के निष्कर्षों का अध्ययन करने की आदत विकसित करनी चाहिए। लोकतंत्र में जागरूक नागरिक वही है, जो किसी भी विचार को स्वीकार करने से पहले उसके तथ्यों की जाँच करता है।

शिक्षा की गुणवत्ता सुधार के लिए सुझाव: शिक्षा में रटने की प्रवृत्ति के स्थान पर आलोचनात्मक चिंतन, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और समस्या-समाधान आधारित शिक्षण को बढ़ावा दिया जाए। विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में संविधान, नागरिक उत्तरदायित्व और लोकतांत्रिक मूल्यों की व्यवहारिक शिक्षा दी जाए। शोध, नवाचार, स्टार्टअप और उद्योगझशिक्षा सहयोग को सशक्त बनाया जाए ताकि डिग्री के साथ रोजगार क्षमता भी विकसित हो। प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मजबूत तकनीकी सुरक्षा, समयबद्ध जाँच और कठोर दंड व्यवस्था लागू की जाए। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच डिजिटल तथा शैक्षिक असमानता को कम करने हेतु गुणवत्तापूर्ण इंटरनेट, पुस्तकालय और प्रयोगशालाओं का विस्तार किया जाए। शिक्षकों के सतत प्रशिक्षण, आधुनिक शिक्षण तकनीकों तथा अनुसंधान संस्कृति को प्रोत्साहित किया जाए। विद्यार्थियों को किसी भी राजनीतिक विचारधारा का अंध समर्थन या अंध विरोध करने के बजाय तथ्य, तर्क और संवैधानिक मूल्यों के आधार पर स्वतंत्र सोच विकसित करने के लिए प्रेरित किया जाए।

भारत की विकास यात्रा किसी एक सरकार या एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि स्वतंत्रता के बाद विभिन्न सरकारों, वैज्ञानिकों, शिक्षकों, किसानों, उद्योगों, सैनिकों और करोड़ों नागरिकों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। यह भी सत्य है कि वर्ष 2014 के बाद अनेक क्षेत्रों में परिवर्तन की गति तेज हुई है, जिसे नई पीढ़ी ने प्रत्यक्ष रूप से अनुभव किया है। वहीं यह भी आवश्यक है कि ॠल्ले भारत के पूर्व इतिहास, उसकी उपलब्धियों, चुनौतियों और लोकतांत्रिक विकास की निरंतर यात्रा को संतुलित और तथ्यपरक दृष्टि से समझे।

एक विकसित भारत का निर्माण तभी संभव है, जब युवा उपलब्धियों पर गर्व करें, कमियों की रचनात्मक समीक्षा करें और शिक्षा, वैज्ञानिक सोच, सत्यनिष्ठा तथा संवैधानिक मूल्यों के आधार पर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएँ। यही जागरूक नागरिकता भारत को आत्मनिर्भर, समावेशी और विकसित राष्ट्र बनाने की सबसे बड़ी शक्ति सिद्ध होगी।

राजेंद्र माथुर: विचारों की पत्रकारिता के नायक

प्रो.संजय द्विवेदी

राजेंद्र माथुर की पूरी जीवन यात्रा एक साधारण आम आदमी की कथा है। वे इतने साधारण हैं कि असाधारण लगने लगते हैं। उन्होंने जो कुछ पाया, एकाएक नहीं पाया; संघर्ष से पाया, नियमित लेखन से पाया और अपनी रचनाशीलता से पाया। इसी संघर्ष की वृत्ति ने उन्हें असाधारण पत्रकार और संपादक बना दिया। राजेंद्र माथुर का पत्रकारीय व्यक्तित्व इस बात से तय होता है कि आखिर उनके लेखन में विचारों की गहराई कितनी है। अपने अखबार को ऊंचाइयों पर ले जाने का उनका संकल्प कितना गहरा है और हमारे समय के प्रश्नों के जवाब तलाशने तथा नए सवाल खड़े करने की कितनी प्रश्नाकुलता संबंधित व्यक्ति में है। राजेंद्र माथुर का संपादकीय और पत्रकारीय व्यक्तित्व इस बात की गवाही देता है कि वे असहज प्रश्नों से मुंह नहीं चुराते, बल्कि उनसे दो-दो हाथ करते हैं। वे सवालों से जूझते हैं और उनके सही एवं प्रासंगिक उत्तर तलाशने की कोशिश करते हैं।

राजेंद्र माथुर एक श्रेष्ठ संपादक थे। उनकी उपस्थिति ही 'नईदुनिया' और 'नवभारत टाइम्स' को एक ऐसा समाचार पत्र बनाने में सफल हुई, जिस पर हिंदी पत्रकारिता को नाज है। 'नवभारत टाइम्स' में श्री माथुर के सहयोगी रहे श्री विष्णु खरे ने लिखा है कि, ह्रराजेंद्र माथुर महान संपादक होने का अभिनय करने की कोई जरूरत महसूस नहीं करते थे। दरअसल, लिबास से लेकर बोलचाल तक उनकी कोई बनावटी शैली या लहजा नहीं था; वे अपने मामूलीकरण में विश्वास करते थे, वैशिष्ट्य में नहीं। उनकी संपादकीय आदेशों या हुक्मों से नहीं, एक गुणात्मक तथा नैतिक विकिरण से चलतीह्न राजेंद्र माथुर का पत्रकारीय व्यक्तित्व बेहद प्रेरक था। आज की पत्रकारिता और मीडिया संस्थानों में घुस आई तमाम बुराइयों से उनका व्यक्तित्व एकदम अलग था। संपादक की जैसी शास्त्रीय परिभाषाएं बताई गई हैं, श्री माथुर उन पर पूरी तरह फिट बैठते हैं।

उनके समकक्ष पत्रकारों की राय में, जिस समय वे दिल्ली में 'नवभारत टाइम्स' जैसे बड़े अखबार के संपादक थे, वे सत्ता के लाभ उठा सकते थे। आज की पत्रकारिता में जिस तरह पत्रकार एवं संपादक सत्ता से लाभ लेकर मंत्री से लेकर राज्यसभा की सीटें ले रहे हैं, श्री माथुर भी ऐसे प्रलोभनों के पास जा सकते थे। किंतु उन्होंने तमाम चचाओं के बीच इससे खुद को बचाया। पत्रकार विष्णु खरे अपने लेख में इस बात की पुष्टि भी करते हैं। सही मायने में राजेंद्र माथुर एक ऐसे संपादक के रूप में सामने आते हैं, जिन्होंने अपने पत्रकारीय व्यक्तित्व को वह ऊंचाई दी जिसके लिए पीढ़ियां उन्हें याद कर रही हैं। उनके पत्रकारीय व्यक्तित्व की सबसे बड़ी खूबी हिंदी पत्रकारिता को लेकर उनकी चिंताएं हैं। वे हिंदी पत्रकारिता के एक ऐसे संपादक थे, जो लगातार यह सोचते रहे कि हिंदी पत्रकारिता का विचार-दारिद्र्य कैसे दूर किया जाए और कैसे हिंदी में एक संपूर्ण अखबार निकले तथा उसे व्यापक लोकस्वीकृति भी मिल सके। 'नवभारत टाइम्स' के कार्यकारी संपादक रहे स्व. सुरेंद्र प्रताप सिंह ने उनकी इन चिंताओं को निकटता से देखा था। वे लिखते हैं, 'माथुर साहब का गहन इतिहास-बोध, शुद्ध श्रद्धा और उससे उत्पन्न गरिमामय अतीत की मरीचिका पर आधारित हिंदी पत्रकारिता की कमजोर आधारभूमि के बारे में उन्हें बार-बार सचेत करता रहता था। वे भूतकाल के वायवीय स्वर्णिम अतीत में जीने वाले नहीं थे। वे स्वप्नदर्शी थे और अपने सपनों की उदात्तता के साथ उन्होंने कभी किसी प्रकार का समझौता नहीं किया। हिंदी पत्रकारिता का वर्तमान परिदृश्य उन्हें बार-बार विचलित तो कर देता था, लेकिन एक कुशल अभियात्री की तरह उन्होंने अपने जहाज की दिशा को क्षणिक प्रलोभनों के लिए किसी अन्य रास्ते पर डालने के बारे में क्षणिक विचार भी नहीं किया।' उनके पत्रकारीय व्यक्तित्व की विशिष्टता यह भी है कि वे अंग्रेजी के प्राध्यापक और विद्वान होने के बावजूद अपने लेखन की भाषा के नाते हिंदी को चुनते हैं। हिंदी उनकी सांसों में बसती थी। हिंदी पत्रकारिता को नई जमीन तोड़ने के लिए प्रेरित करने और हिंदी लेखकों एवं पत्रकारों की एक पूरी पीढ़ी का निर्माण करने का काम श्री माथुर जीवन भर करते रहे। इंदौर से लेकर दिल्ली तक उनकी पूरी यात्रा में एक भारत-प्रेम, भारत-बोध और हिंदी-प्रेम साफ नजर आता है। शायद इसी के चलते वे देश की पत्रकारिता को एक नई और सही दिशा देने में सफल रहे। श्री मधुसूदन आनंद लिखते हैं, 'माथुर साहब ने अंग्रेजी में एम.ए. किया था और अंग्रेजी भाषा पर उनकी पकड़ अंग्रेजी पत्रकारों को भी विस्मय में डालती थी। लेकिन उन्होंने हिंदी पत्रकारिता को चुना, तो शायद इसलिए कि वे अपनी बात अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना चाहते थे। अगर यह कहा जाए कि हिंदी पत्रकारों की एक पीढ़ी माथुर साहब को पढ़कर पली और बढ़ी है, तो कोई अतिशयोक्ति न होगी। उनके असामयिक निधन के बाद 'नवभारत टाइम्स' को देश के दूर-दूर के इलाकों से हजारों पत्र प्राप्त हुए थे। ये वे पाठक थे, जो उनके उत्कट राष्ट्र-प्रेम, समाज के प्रति उनके सरोकारों, इतिहास की अतल गहराइयों से अनमोल तथ्य ढूंढ कर लाने के उनके सामर्थ्य और शालीन भाषा में राजनेताओं की खिंचाई करने के उनके साहस पर मुग्ध थे।''

उनके व्यक्तित्व की एक बड़ी विशेषता थी, जिसे उनके सहयोगी रहे सूर्यकांत बाली इन शब्दों में रेखांकित करते हैं, 'हमारे प्रधान संपादक को कोई पांचवां काम आता है, इस पर तो मुझे पूरा शक है: बस सोचना, पढ़ना, बतियाना और लिखना, उनकी सारी दुनिया इन चार कामों में सिमट चुकी थी।' श्री माथुर के व्यक्तित्व पर यह एक मुकम्मल टिप्पणी है, जो बताती है कि वे किस तरह के पत्रकार-संपादक थे। उनका पत्रकारीय व्यक्तित्व इसीलिए एक अलग किस्म की आभा के साथ सामने आता है, जिसमें एक बौद्धिक तेज और आकर्षण निरंतर दिखता है। उनके पत्रकारीय व्यक्तित्व की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वे एक ऐसे लेखक-संपादक के तौर पर सामने आते हैं, जो पूर्णकालिक पत्रकार थे।

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

दिनांक 09 अगस्त 2026 रविवार

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।

मार्गदर्शन: आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज वृषभ कर्क कन्या वृश्चिक मकर और मीन राशि के जातकों का आत्मबल मानसिक उत्साह और भाग्य का सहयोग बहुत उत्तम रहेगा। रविवार का दिन साक्षात प्रत्यक्ष देवता भगवान सूर्य नारायण की साधना के लिए विशेष रूप से फलदायी माना जाता है। आज के दिन सूर्य देव को तांबे के पात्र से जल में लाल चंदन और लाल पुष्प मिलाकर अर्घ्य देना तथा आदित्य हृदय स्तोत्र का वाचन करना जीवन में असीम तेज आरोग्यता पारिवारिक सुख और उच्च प्रशासनिक सफलता लेकर आता है।

मेष

आज आपकी सामाजिक साख और व्यावसायिक सम्मान में भारी वृद्धि होगी जिससे कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव अत्यधिक होगा और सोचे हुए सभी रुके हुए काम गति पाएंगे। व्यापारिक क्षेत्र में चल रही पुरानी सुस्ती आज पूरी तरह समाप्त होगी और अचानक नए माध्यमों से प्रचुर धन लाभ होने के सुंदर योग बन रहे हैं। सूर्य देव को जल अर्पित करें जिससे आपके मार्ग की सभी बाधाएं हमेशा के लिए दूर होंगी।

वृष

आज का दिन आपके लिए आर्थिक और पारिवारिक दृष्टिकोण से अत्यंत भाग्यशाली सिद्ध होगा और भूमि भवन से जुड़े पुराने विवाद हल होंगे। कार्यक्षेत्र में उच्च अधिकारियों के सहयोग से आपको किसी मुख्य और सम्मानित कार्य की जिम्मेदारी मिल सकती है जिससे मस्तक ऊंचा होगा और मन अत्यंत प्रसन्न रहेगा। आदित्य हृदय स्तोत्र का वाचन करें जिससे आपके घर में स्थाई सुख और ऐश्वर्य का वास होगा।

मिथुन

आज आप अपनी तीव्र बुद्धिमत्ता और प्रखर वाणी के बल पर जटिल से जटिल व्यावसायिक और व्यापारिक समस्याओं को बेहद आसानी से हल कर लेंगे। स्वास्थ्य के प्रति बिल्कुल भी लापरवाही न बरतें और विशेष रूप से अत्यधिक काम के बोझ के कारण होने वाली शारीरिक थकावट से खुद को बचाएं। सूर्य नारायण जी के सम्मुख दीप प्रज्वलित करें जिससे आपके भाग्य के बंद द्वार शीघ्र खुलेंगे।

कर्क

मानसिक रूप से आज आप खुद को अत्यधिक ऊर्जावान और शांत महसूस करेंगे जिससे किसी महत्वपूर्ण व्यावसायिक निवेश का निर्णय लेने में आपको सफलता मिलेगी। परिवार की ओर से कोई अत्यंत सुखद और गौरवमयी समाचार प्राप्त हो सकता है जिससे पूरे परिवार में उल्लास का माहौल बना रहेगा। सूर्य देव को अर्घ्य समर्पित करें जिससे आपकी आर्थिक चिंताएं समाप्त होंगी।

सिंह

आज कार्यस्थल पर सहकर्मियों या व्यावसायिक साझेदारों के साथ किसी भी प्रकार के व्यर्थ के अहंकार के टकराव से आपको पूरी तरह बचना होगा। वाहन या किसी भी प्रकार की मूल्यवान वस्तु खरीदते समय अपने बजट का विशेष ध्यान रखें और अत्यधिक फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। मस्तक पर लाल चंदन का तिलक लगाएं जिससे राजनीति के क्षेत्र में आपकी ऐतिहासिक विजय होगी।

कन्या

आज आपको मित्रों और उच्च सहयोगियों की मदद से किसी महत्वपूर्ण नए व्यावसायिक अनुबंध की प्राप्ति होगी जिससे आपकी संचित पूंजी में वृद्धि होगी। विद्यार्थियों को परीक्षा में अपनी सच्ची मेहनत का बेहद सकारात्मक और मनोनुकूल परिणाम प्राप्त होने के सुंदर योग बन रहे हैं। असहाय लोगों के लिए अन्न की व्यवस्था करें जिससे आपके यश में निरंतर वृद्धि होगी।

तुला

आज सामाजिक और राजनैतिक क्षेत्र से जुड़े जातकों का प्रभाव क्षेत्र विस्तृत होगा और समाज में उनके द्वारा किए गए कार्यों की हर स्तर पर सराहना होगी। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और जीवनसाथी के सहयोग से कोई महत्वपूर्ण रुका हुआ पारिवारिक काम आज आसानी से पूरा हो जाएगा। किसी मंदिर में लाल वस्त्र का दान करें जिससे आपके जीवन के सभी भ्रम दूर होंगे।

वृश्चिक

धार्मिक यात्राओं और देव दर्शन के सुंदर योग बन रहे हैं जिससे आपकी आंतरिक व्याकुलता पूरी तरह शांत होगी और मन को असीम संबल मिलेगा। व्यावसायिक क्षेत्र में किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर जरूरत से ज्यादा भरोसा न करें अन्यथा आपको भारी आर्थिक नुकसान हो सकता है। सूर्य कवच का वाचन करें जिससे आपके मार्ग की सभी गुप्त राजनैतिक बाधाएं दूर होंगी।

धनु

आज सेहत को लेकर विशेष रूप से सावधान रहने की आवश्यकता है क्योंकि अत्यधिक कार्यभार के कारण शारीरिक कमजोरी महसूस हो सकती है। सगे संबंधियों के साथ धन का अधिक लेन देन करते समय पूरी सावधानी बरतें और बिना लिखित प्रमाण के कोई महत्वपूर्ण आर्थिक व्यवहार न करें। सूर्य गायत्री मंत्र का मानसिक जाप करें जिससे आपके भीतर एक अद्भुत और नई सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

मकर

साझेदारी में चल रहे व्यापार में आज मनोनुकूल प्रगति होगी और नए मुख्य व्यावसायिक सहयोगी सम्मिलित होने से आपके काम को बाजार में एक नई गति प्राप्त होगी। प्रेम संबंधों और पारिवारिक रिश्तों में आपसी तालमेल बहुत मधुर रहेगा तथा सभी सदस्य एक दूसरे की भावनाओं का पूरा सम्मान करेंगे। सूर्य नारायण जी को याद करें जिससे आपके पारिवारिक जीवन के सभी कष्ट हमेशा के लिए दूर होंगे।

कुंभ

आज आप अपने पराक्रम और कुशल कूटनीति के बल पर विरोधियों और शत्रुओं के हर षड्यंत्र को पूरी तरह से ध्वस्त करने में सफल रहेंगे। पुराने कानूनी मामलों में आज आपके पक्ष में कोई बहुत महत्वपूर्ण और सुखद खबर सुनने को मिल सकती है। पक्षियों को अन्न खिलाएं जिससे आपके मन का अज्ञात भय पूरी तरह समाप्त हो जाएगा।

मीन

कला साहित्य लेखन और रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़ी प्रतिभाओं को आज कोई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय सम्मान या विशिष्ट पहचान मिलने के सुंदर योग बन रहे हैं। संतान पक्ष की शिक्षा या करियर को लेकर चल रही पुरानी चिंताएं आज पूरी तरह समाप्त होंगी जिससे मन को असीम राहत मिलेगी। किसी सूर्य मंदिर में धार्मिक पुस्तक दान करें जिससे आपके सुख और भौतिक साधनों में निरंतर वृद्धि होगी।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

रविवार के दिन घर के मुख्य हॉल में पूर्व की दिशा में तांबे के कलश में स्वच्छ जल भरकर स्थापित करने से घर की नकारात्मक ऊर्जा और भयंकर वास्तु दोष पूरी तरह शांत होता है तथा साक्षात सूर्य देव की असीम कृपा से परिवार के सदस्यों का आर्थिक संकट दूर होता है और सुख समृद्धि हमेशा संवर्धित होती रहती है।

बच्चा मां का दूध न पिए तो एसएसटी तकनीक से कराएं स्तनपान

सप्लीमेंट्री सकलिंग टेक्निक (एसएसटी) से संभव हुआ स्तनपान

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

मां का दूध बच्चे के लिए सर्वोत्तम आहार है। इसके लिए स्तनपान जरूरी है। स्तनपान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए हर वर्ष 1 से 7 अगस्त तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम "जीवन की स्थायी शुरुआत के लिए स्तनपानः जो कारगर है उसे मजबूत करें" के साथ यह सप्ताह मनाया जा रहा है।

जिला अस्पताल स्थित पोषण पुनर्वास केंद्र की चिकित्सा अधिकारी डॉ. तन्वी दुआ ने बताया कि नवजात शिशुओं के पोषण के लिए अपनाई जा रही सप्लीमेंट्री सकलिंग टेक्निक (एसएसटी) कारगर साबित हो रही है। डायटिशियन डॉ. मयंक सारस्वत के मार्गदर्शन में एसएसटी का प्रयोग करने पर दो माह की अनन्य ने सिर्फ 48 घंटे में ही मां का दूध पीना शुरू कर दिया। उन्होंने बताया कि अनन्य को कमजोरी के कारण एनआरसी (न्यूट्रीशनल रिहैबिलिटेशन सेंटर) में भर्ती कराया गया है। यहां

नवजात शिशुओं के पोषण में एसएसटी तकनीक साबित हो रही कारगर

डायटिशियन डॉ. मयंक सारस्वत ने बच्चे को स्तनपान कराने के लिए एसएसटी तकनीक का इस्तेमाल किया। इस तकनीक की मदद से बच्चे ने तेजी से स्तनपान सीखा और मां में भी दूध का स्राव बढ़ने लगा।

जिला अस्पताल के डायटिशियन डॉ. मयंक सारस्वत ने बताया कि जो बच्चे स्तनपान नहीं कर रहे हैं या करना छोड़ दिया है। उन्हें सप्लीमेंट्री सकलिंग टेक्निक (एसएसटी) से स्तनपान कराया जा सकता है। उन्होंने बताया कि एसएसटी एक प्रक्रिया है, जिसमें बच्चे को आर्टिफिशियल तरीके से स्तनपान कराया जाता है।

इसमें एक पतली नली प्रयोग होती है, नली के दोनों सिरे खुले होते हैं। इक सिरे को मां के स्तन पर लगाया जाता है, दूसरे सिरे को दूध से भरी कटोरी में लगाया जाता है। कटोरी को मां के कंधे के पास रखते

हैं। इसके बाद बच्चे को स्तनपान कराया जाता है। जब दूध नली से बच्चे के मुंह में जाता है तो बच्चे को लगता है कि दूध मां के स्तन से आ रहा है और बच्चा दूध पीना शुरू कर देता है। यह प्रक्रिया दो से तीन दिन लगातार कराने पर जो बच्चे स्तनपान छोड़ चुके हैं वह दोबारा स्तनपान करना शुरू कर देते हैं और मां को भी दूध आने लगता है।

डायटिशियन ने बताया कि एसएसटी के जरिए मां और बच्चे के बीच का जुड़ाव मजबूत होता है और बच्चे को प्राकृतिक पोषण मिलता है। इसके सकारात्मक परिणाम के बाद अब बच्चे की सेहत में सुधार हो रहा है, अभी भी बच्चा एनआरसी में डॉक्टरों की निगरानी में भर्ती है।

जिला मातृ स्वास्थ्य सलाहकार मुकेश गौतम का कहना है कि जन्म के एक घंटे के भीतर मां का पहला पीला गाढ़ा दूध यानी कोलोस्ट्रम पिलाना और 6 महीने तक सिर्फ स्तनपान कराना बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए बेहद जरूरी है।

ब्लॉक बरसाना के नंद गांव निवासी 26 वर्षीय डॉली बताती है कि मेरे बच्चे का जन्म 1 जून 2026 को घर पर ही हुआ था, गांव के रिवाज के अनुसार जन्म के बाद बच्चे को ऊपर का दूध दिया गया और मां का दूध छठी नहाने के बाद पिलाया गया। कुछ दिन में ही बच्चे की तबियत बिगड़ने लगी। इसके बाद जानकारी होने पर क्षेत्र की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शीला आई, उन्होंने बच्चे को पोषण पुनर्वास केंद्र ले जाने के लिए कहा। पोषण पुनर्वास केंद्र में डायटिशियन डॉ. मयंक द्वारा जांच में पाया कि बच्चे का वजन 2.7 किलोग्राम वजन था, बच्चा सही से मां का दूध पी नहीं पा रहा था। वजन भी नहीं बढ़ रहा था। इसके बाद में पोषण पुनर्वास केंद्र में एसएसटी(सप्लीमेंट्री सकलिंग टेक्नीक) के द्वारा बच्चे को दूध पिलाया गया। अब बच्चा मां का दूध पी पा रहा है और बच्चे की तबियत में सुधार हो रहा है।

स्तनपान को प्रभावित करने वाले कारक

- बोतल से दूध पिलाना
- डिब्बे का दूध पिलाना
- माताओं को स्तनपान से होने वाले लाभ की जानकारी न होना
- बच्चे का मां के संपर्क में अधिक समय तक न रहना
- मां का गुटखा, अधिक चाय, कॉफी लेना या संतुलित आहार न लेना

मां के दूध की उपलब्धता बढ़ाने के लिए यह करें

- शिशु व मां की त्वचा का संपर्क बढ़ाएं। इसे ऑक्सीटोसिन व प्रोलैक्टिन हार्मोन का स्त्रवण हो, जो कि मां का दूध बढ़ाने में सहायक है।
- मां को जीरा, आजवायन, सौंठ, मैथी व शतावरी, दूध, दालें आदि का अधिक सेवन कराएं। यह मां के दूध की उपलब्धता बढ़ाने में सहायक है।
- शिशु को बार-बार (हर दो घंटे बाद) स्तनपान करायें
- मां व शिशु एक-दूसरे के संपर्क में अधिक रहें।

नशामुक्त भारत अभियान

नशीले पदार्थ समाज के लिए चुनौती:एसएसपी

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने नशीले पदार्थों से युवाओं की सुरक्षा/ कानून एवं जागरूकता विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि मादक पदार्थों की लत युवाओं के भविष्य, स्वास्थ्य और समाज के लिए गंभीर चुनौती बनती जा रही है। इससे बचाव के लिए जागरूकता, समय पर रोकथाम तथा कानून का कड़ाई से पालन अत्यंत आवश्यक है।

एसएसपी उत्तर प्रदेश पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गौ अनुसंधान संस्थान (दुवासु) में शुक्रवार को बच्चों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने नारकोटिक एवं साइकोट्रॉपिक पदार्थों से संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया कि नशे की प्रवृत्ति व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक जीवन पर गंभीर दुष्प्रभाव डालती है। उन्होंने विद्यार्थियों से नशे से दूर रहने,

स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा अपने परिवार और समाज में भी जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

दुवासु में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत दुवासु में मादक पदार्थों से बचाव एवं कानूनी जागरूकता पर विशेष व्याख्यान उत्तर प्रदेश के राज्यपाल सचिवालय के निर्देशों के अनुपालन में कुलपति डॉ. अभिजित मित्र के मार्गदर्शन में पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागार में किया गया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। वक्ताओं ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों, परिवार और समाज की संयुक्त जिम्मेदारी है कि युवाओं को नशे की गिरफ्त में जाने से बचाया जाए और उन्हें सकारात्मक दिशा प्रदान की जाए। इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों ने नशामुक्त एवं स्वस्थ समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प भी लिया।

मैथिल ब्राह्मण महासभा के जिला अध्यक्ष का हुआ स्वागत

मथुरा। मैथिल ब्राह्मण महासभा जनपद मथुरा के निर्विरोध जिलाध्यक्ष चुने जाने पर पं. श्री बच्चू शर्मा ठेकेदार का पूर्व विधायक बलदेव एवं गोवर्धन राजकुमार रावत ने अपने आवास पर आत्मीय स्वागत एवं भव्य अभिनंदन किया। इस दौरान समाज के प्रबुद्धजनों ने पं. बच्चू शर्मा को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। अभिनंदन समारोह में पूर्व विधायक राजकुमार रावत ने कहा कि मैथिल ब्राह्मण समाज के उत्थान, गौरव और सेवा के लिए जब भी उनकी आवश्यकता होगी, वह पूरे मनोयोग से समाज के साथ खड़े रहेंगे। उन्होंने पं. बच्चू शर्मा के निर्विरोध निर्वाचन को समाज की एकता और उनके प्रति विश्वास का प्रतीक बताया। इस अवसर पर जिला महामंत्री गंगेश्वर शर्मा, जिला कोषाध्यक्ष ज्योतिराम शर्मा, अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के संगठन मंत्री पं. वीरपाल मिश्रा, पं. रामजीत झा, कमल शर्मा, पवन शर्मा तथा देवीचरण शर्मा श्देवेश सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। समाज के लोगों ने विश्वास जताया कि पं. बच्चू शर्मा के नेतृत्व में मैथिल ब्राह्मण महासभा संगठन को नई दिशा मिलेगी तथा समाज की एकता, संगठन और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में प्रभावी कार्य किए जाएंगे।

मथुरा में यमुना एक्सप्रेसवे पर कार में लगी आग

ड्राइवर समेत तीन लोगों ने कूदकर बचाई जान, दिल्ली से आगरा जा रहा था

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

मथुरा में यमुना एक्सप्रेसवे पर गुरुवार रात करीब 11 बजे एक चलती जीप कम्पास कार में अचानक आग लग गई। कार में सवार तीन लोगों ने धुआं उठते ही समय रहते बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली। देखते ही देखते कार पूरी तरह जलकर खाक हो गई। हादसा थाना नौहझील क्षेत्र में नोएडा से आगरा जाने वाले मार्ग पर माइलस्टोन-70 के पास रात में हुआ। कार संख्या डीएल 3 सीसीएम 5495 में गुरुजीत सिंह, दलवीर सिंह और जसवीर सिंह सवार थे। तीनों दिल्ली से आगरा स्थित गुरुद्वारा में दर्शन के लिए जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, चलते समय कार से धुआं उठता दिखाई दिया। इस पर चालक ने तुरंत वाहन रोका और तीनों यात्री बाहर निकल गए। कुछ ही पलों में आग ने पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया और वाहन धू-धू कर जलने लगा। घटना की सूचना यमुना एक्सप्रेसवे कंट्रोल रूम से पुलिस को दी गई। बाजना कट चौकी प्रभारी हरेंद्र तोमर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। यमुना एक्सप्रेसवे की पेट्रोलिंग टीम और दमकल वाहन भी पहुंच गए, लेकिन तब तक कार पूरी तरह जल चुकी थी। बाद में जली हुई कार को हटवाकर यातायात सामान्य कराया गया। प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह तकनीकी खराबी मानी जा रही है, हालांकि वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है। चौकी प्रभारी हरेंद्र तोमर ने बताया कि यात्रियों की सतर्कता से बड़ा हादसा टल गया और किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। कार में आग लगने से कुछ देर के लिए एक्सप्रेसवे पर यातायात प्रभावित रहा।

केले के हिंडोले में विराजमान हो राजाधिराज ने दिए भक्तों को दर्शन

मथुरा। पुष्टिमार्ग संप्रदाय के मंदिर ठाकुर द्वारकाधीश में ठाकुर राजाधिराज को केले में हिंडोले में विराजमान करके सेवायतों ने दर्शन कराये गए। अपने आराध्य राजाधिराज के दर्शन करके भक्त भाव विभोर होकर जय जयकार करने लगे। मंदिर के मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि शुक्रवार की शाम को पुष्टिमार्गीय परंपरा के अनुसार ठाकुर राजाधिराज को सावन मास के नवें दिन केले के हिंडोले में विराजमान किया गया। मंदिर प्रांगण में पहले से ही भक्त दर्शनों करने को उपस्थित थे। जैसे ही सेवायतों ने पर्दा हटाया तो केले के हिंडोले में विराजे राजाधिराज की अनुपम छवि को निहार कर भक्त भाव विभोर हो गए। शनिवार को भी संध्या 5.10 से 5.40 बजे तक ठाकुर राजाधिराज महाराज के केसरी मखमल के हिंडोले में विराजमान होकर दर्शन कराये जाएंगे।

9 अगस्त को प्रस्तावित श्रीकृष्ण जन्मभूमि जलाभिषेक कारसेवा कार्यक्रम स्थगित

मथुरा। राष्ट्रीय हनुमान दल द्वारा 9 अगस्त 2026 को प्रस्तावित श्रीकृष्ण जन्मभूमि जलाभिषेक कारसेवा कार्यक्रम को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। संगठन के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री तरुण कुमार गुप्ता की ओर से जारी सूचना में बताया गया कि पूज्य संत-महात्माओं के अनुरोध तथा जनहित को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। जारी सूचना के अनुसार श्रावण मास में देशभर से बड़ी संख्या में शिवभक्त कांवड़ यात्रा कर अपने निर्धारित शिवालयों में भगवान शिव का जलाभिषेक कर रहे हैं। ऐसे में मथुरा में अतिरिक्त जनसमूह एकत्रित होने से कानून-व्यवस्था, यातायात और श्रद्धालुओं की सुविधाएं प्रभावित होने की संभावना को देखते हुए संत समाज ने सर्वसम्मति से कार्यक्रम को श्रावण मास की समाप्ति के बाद नई तिथि पर आयोजित करने का निर्णय लिया है। संगठन ने श्रद्धालुओं और शिवभक्त कांवड़ियों से अपील की है कि वे अपने साथ लाए पवित्र गंगाजल से अपने निर्धारित शिवालयों एवं गंतव्य स्थलों पर ही भगवान शिव का जलाभिषेक करें तथा 9 अगस्त को मथुरा आने का कष्ट न करें। राष्ट्रीय हनुमान दल ने सभी श्रद्धालुओं से पूज्य संतों के निर्णय का सम्मान करने, प्रशासन का सहयोग करने तथा शांति, अनुशासन एवं सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की अपील की है। सूचना में कहा गया है कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि जलाभिषेक कारसेवा की अगली तिथि पूज्य संत-महात्माओं के मार्गदर्शन एवं निर्णय के अनुसार शीघ्र घोषित की जाएगी।

वृंदावन परिक्रमा मार्ग पर लूटपट के आरोप में दो गिरफ्तार

मथुरा। वृंदावन कोतवाली पुलिस ने परिक्रमा मार्ग पर करीब डेढ़ माह पूर्व हुई लूट की घटना का सफल खुलासा करते हुए दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी आपस में मौसेरे भाई हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से लूटा गया मोबाइल फोन, दो अवैध चाकू तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद कर दोनों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया। कोतवाली प्रभारी अश्वनी कुमार के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने शुक्रवार को कच्ची रेलवे लाइन के पास से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान सतीश उर्फ अंडा निवासी पानी गांव, जमुनापार तथा कृष्णा निवासी भरतपुर, राजस्थान के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपियों ने परिक्रमा मार्ग पर राहगीर से लूट की वारदात को अंजाम दिया था। मामले की जांच और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने दोनों को दबोच लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से लूटा गया मोबाइल फोन, दो अवैध चाकू और घटना में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद की गई। इस कार्रवाई में मथुरा गेट चौकी प्रभारी अभिलाख, हेड कांस्टेबल जितेन्द्र, रितेश तथा कांस्टेबल विकास की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस का कहना है कि आरोपियों के आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है।

जीआरपी ने मथुरा जंक्शन स्टेशन परिसर से मोबाइल चोरी में दो पकड़े

मथुरा। रेलवे स्टेशन मथुरा जंक्शन पर मोबाइल चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत जीआरपी ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो शातिर मोबाइल चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी के दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। जीआरपी आगरा के अनुसार, पुलिस महानिदेशक रेलवे उत्तर प्रदेश के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना प्रभारी प्रदीप कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम स्टेशन परिसर में गश्त और चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए प्लेटफॉर्म संख्या 8 और 1 के बीच स्थित वाई के पास से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अशोक सिंह (36) निवासी रानीपुर, थाना लालगंज, जिला रायबरेली तथा पवन (28) निवासी ग्राम गेरसामोखा, थाना घुमना, जिला फरुखाबाद के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान दोनों के कब्जे से चोरी के दो मोबाइल फोन बरामद किए गए। पुलिस जांच में सामने आया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ पहले से भी आपराधिक मामले दर्ज हैं। बरामदगी के आधार पर उनके खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार, वरिष्ठ उपनिरीक्षक ललित भाटी, उपनिरीक्षक टीटू कुमार, उपनिरीक्षक अमित बालियान, हेड कांस्टेबल मोहित शर्मा, हेड कांस्टेबल कुलदीप, कांस्टेबल संदीप कुमार तथा आरपीएफ के हेड कांस्टेबल योगेश कुमार तिवारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अक्षय पात्र फाउंडेशन के केंद्रीकृत रसोईघर का सीडीओ ने किया निरीक्षण

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

मुख्य विकास अधिकारी डॉ. पूजा गुप्ता द्वारा बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में मिड डे मिल योजना के लिए तैयार होकर भोजन व्यवस्था की गुणवत्ता परखने के लिए अक्षय पात्र फाउंडेशन, वृन्दावन के केंद्रीकृत रसोईघर का भौतिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रसोईघर में संचालित आधुनिक एवं स्वचालित खाद्य निर्माण प्रणाली तथा भोजन निर्माण एवं वितरण से संबंधित विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने स्वचालित रोटी निर्माण मशीन, नमकीन निर्माण मशीन, सब्जी काटने हेतु प्रयुक्त कटिंग मशीन, कोल्ड रूम, राइस कुकर एवं दाल कुकर का निरीक्षण किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने भोजन की पैकिंग हेतु उपयोग किए जाने वाले विशेष रूप से निर्मित स्टेनलेस स्टील इंसुलेटेड कंटेनरों, लोडिंग प्लेटफॉर्म क्षेत्र, बर्तनों की धुलाई एवं स्वच्छता व्यवस्था, स्टीम बॉयलर, ईटीपी तथा खाद्यान्न भंडारण व्यवस्था का भी विस्तार से अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान संस्था के ऑपरेशन मैनेजर अमित कुमार ने मुख्य विकास अधिकारी को रसोईघर की संपूर्ण कार्यप्रणाली से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि रसोईघर में भोजन पूर्णतः स्टीम

भोजन की रसोईघर की स्वच्छता, आधुनिक तकनीक, गुणवत्ता नियंत्रण व्यवस्था मिली अच्छी

आधारित आधुनिक तकनीक से तैयार किया जाता है, जिससे भोजन की गुणवत्ता, पोषण एवं स्वच्छता सुनिश्चित होती है। भोजन तैयार होने के उपरांत उसे निर्धारित मानकों के अनुसार पैक किया जाता है तथा सब्जियों की कटाई एवं अन्य खाद्य प्रसंस्करण कार्य आधुनिक मशीनों की सहायता से किए जाते हैं। इसके साथ ही सभी बर्तनों एवं उपकरणों को सैनिटाइजर द्वारा स्वच्छ एवं कीटाणुरहित किया जाता है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि तैयार गर्म भोजन को विशेष रूप से डिजाइन किए गए तापमान-नियंत्रित (इंसुलेटेड) वाहनों के माध्यम से निर्धारित समय के भीतर विद्यालयों तक पहुँचाया जाता है, जिससे विद्यार्थियों को सुरक्षित, स्वच्छ एवं गर्म भोजन उपलब्ध कराया जा सके। मुख्य विकास अधिकारी ने रसोईघर की स्वच्छता, आधुनिक तकनीक, गुणवत्ता नियंत्रण व्यवस्था तथा भोजन निर्माण एवं वितरण प्रणाली की सराहना करते हुए जनपद के स्कूलों विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने हेतु संस्था द्वारा किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की।

भारतीय किसान यूनियन ने कलेक्ट्रेट पर किया प्रदर्शन

6 सूत्रीय मांगों के समाधान को डिप्टी कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक हरपाल गुट ने जिला मुख्यालय पर जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और जिलाधिकारी के नाम 6 सूत्रीय ज्ञापन यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौ. हरपाल सिंह राणा ने नेतृत्व में पदाधिकारियों ने डीएम कार्यालय पहुंचकर डिप्टी कलेक्टर को सौंपा। किसान नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गई तो आंदोलन और भूख हड़ताल के लिए बाध्य होना पड़ेगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी हरपाल सिंह ने जोर देकर कहा कि किसानों की समस्याओं का समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) पूरे प्रदेश में एक व्यापक आंदोलन शुरू करेगी, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। धरने की अध्यक्षता करते जिलाध्यक्ष शुभम शर्मा एडवोकेट ने किसानों की समस्याओं के समाधान न होने पर चिंता व्यक्त करते हुए, सरकार से शीघ्र समाधान करने की आवाज उठाई।

ज्ञापन में प्रमुख मांगें किसानों के सभी प्रकार के कर्ज माफ किए जाएं, यूरिया की कालाबाजारी पर रोक लगाई जाए, नहरों व नालों की सफाई कर सिंचाई के लिए पानी की समुचित व्यवस्था की जाए, धान की रोपाई हो चुकी है लेकिन पानी न मिलने से फसल सूख रही है। किसानों को मुआवजा दिया जाए, आलू की फसल का समर्थन मूल्य 1000 रुपये प्रति क्विंटल तय हो, कोल्ड स्टोर का किराया सरकार वहन करे और 500 रुपये प्रति क्विंटल सहायता राशि दी जाए, भारत-अमेरिका व्यापार समझौता रद्द किया जाए आदि मांगें थीं। ज्ञापन में किसानों ने कहा कि सरकार को तत्काल उनकी समस्याओं का समाधान करना चाहिए, अन्यथा आंदोलन पूरे प्रदेश में तेज किया जाएगा। धरना प्रदर्शन में संगठन मंत्री आगरा मंडल रामजीलाल उपाध्याय, जिला उपाध्यक्ष छीतरमल शर्मा, सूर्यवीर चौधरी, जिला महामंत्री अमित रावत, दिलशाद जिलाध्यक्ष अलीगढ़, बच्चू सिंह, जिला सचिव मेघश्याम शर्मा, कौशल पाठक, रमेश चंद्र छौंकर, रामजीलाल, रोशन सिंह, सुरेश आदि यूनियन पदाधिकारी मौजूद रहे।

सक्षम, समर्थ, दक्ष मॉड्यूल आधारित तीन दिवसीय प्रशिक्षण हुआ संपन्न

मथुरा। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान,मथुरा में परिषदीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों हेतु चल रहे सक्षम, समर्थ, दक्ष मॉड्यूल आधारित तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन हुआ इस अवसर पर प्रतिभागी प्रधानाध्यापकों ,इंचार्ज प्रधानाध्यापकों को वरिष्ठ प्रवक्ता जेपी सुमन द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किए गए। विदित रहे कि राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (एस.सी.ई.आर.टी.), उत्तर प्रदेश द्वारा विकसित सक्षम, समर्थ, दक्ष मॉड्यूल के माध्यम से मथुरा जनपद के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को विद्यालय नेतृत्व एवं प्रबंधन, शैक्षणिक गुणवत्ता संवर्धन, विद्यालय विकास योजना, निपुण भारत मिशन, वित्तीय एवं डिजिटल प्रबंधन, विद्यालय में सकारात्मक कार्य,सामुदायिक सहभागिता तथा मानसिक स्वास्थ्य एवं वेल बीइंग जैसे समसामयिक विषयों पर व्यवहारिक ज्ञान एवं कौशल प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में डाइट प्रवक्ताओं के द्वारा विभिन्न विषयों को विस्तार से समझाया गया। प्रशिक्षण में विकास खंड बलदेव से सीमा वर्मा, आशा अग्रवाल, मंगलजीत सिंह, दीपक तिवारी, दाऊ दयाल, सुमित कुमारदेवेंद्र सिंह, शैलेश कुमार, देवेंद्र पाल सिंह, सुजीत कुमार वर्मा आदि शिक्षक शिक्षिकाओं ने प्रतिभाग किया।

श्रावण मास में मथुरा में 48 विशेष गाड़ियां एकत्र कर रहीं पूजन सामग्री

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

वृंदावन नगर निगम ने सावन माह के दौरान मंदिरों से निकलने वाली पूजन सामग्री के वैज्ञानिक निस्तारण के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत, प्रत्येक सोमवार को 48 विशेष वाहन शहर के प्रमुख शिवालयों और मंदिरों से फूल, पत्तियां, बेलपत्र तथा अन्य जैविक पूजन सामग्री एकत्र कर रहे हैं। नेचर ग्रीन कंपनी के प्रबंधक अभिलाष सांगवान ने गुरुवार शाम 4रू30 बजे इस पहल की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नियमित रूटिंग के अतिरिक्त, सावन के हर सोमवार को इन विशेष वाहनों का संचालन किया जा रहा है। प्रत्येक वाहन पर एक चालक और एक हेल्पर तैनात हैं, जो निर्धारित समय पर सामग्री संग्रह कर उसे कंपोस्ट प्लांट तक पहुंचाते हैं। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य धार्मिक स्थलों के आसपास स्वच्छता बनाए रखना और एकत्रित जैविक सामग्री का उचित प्रबंधन करना है। कंपोस्ट प्लांट में लाई गई फूल-पत्तियों और अन्य जैविक पूजन सामग्री को वैज्ञानिक प्रक्रिया से संसाधित किया जाता है। इस प्रक्रिया से जैविक खाद (कंपोस्ट) तैयार की जाती है। इस खाद का उपयोग पौधरोपण, उद्यानों के रखरखाव और हरित विकास संबंधी कार्यों में किया जाएगा। यह पहल एक ओर जैविक कचरे का प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित करती है, वहीं दूसरी ओर पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा देती है। नगर निगम की इस व्यवस्था से मंदिर परिसरों और आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखने में मदद मिल रही है।

नगर निगम में हर रिकार्ड की होगी हिफाजत

मथुरा। नगर निगम से जुड़े हर दस्तावेज की हिफाजत होगी। इाके लिए नगर निगम ने 6,600 फाइलों की क्षमता वाले आधुनिक कंपैक्टर सिस्टम बनाया है। नगर निगम मथुरा-वृंदावन ने अभिलेख प्रबंधन को आधुनिक और तकनीक-सक्षम बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। भूतेश्वर स्थित नगर निगम मुख्यालय के रिकॉर्ड विभाग स्टोर में 6,600 फाइलों की क्षमता वाले अत्याधुनिक फाइल स्टोरेज (कंपैक्टर) सिस्टम का उद्घाटन किया गया। नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने फीता काटकर इस नई व्यवस्था का शुभारंभ किया। नए कंपैक्टर सिस्टम के माध्यम से नगर निगम के विभिन्न विभागों की महत्वपूर्ण फाइलों और अभिलेखों का सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित भंडारण किया जाएगा। यह प्रणाली रिकॉर्ड को धूल, नमी, गंदगी और अन्य बाहरी क्षति से सुरक्षित रखने के साथ-साथ आवश्यकता पड़ने पर संबंधित फाइलों को शीघ्र उपलब्ध कराने में भी मदद करेगी।

छात्राओं ने 'मुदरिया प्रेम' रासलीला से मोहा मन

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

पांचजन्य प्रेक्षागृह में सजी ब्रज संस्कृति की छटा

गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी वृंदावन और अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कॉलेज के संयुक्त आयोजन में पारंपरिक रासलीला का भव्य मंचन

ब्रज की प्राचीन सांस्कृतिक परंपरा को सहेजने की दिशा में गुरुवार को डैम्पियर नगर स्थित पांचजन्य प्रेक्षागृह में ह्यमुदरिया प्रेमह्न रासलीला का भव्य और मनमोहक मंचन किया गया। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा संचालित गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी, वृंदावन तथा अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रस्तुति में छात्राओं ने अपने सजीव अभिनय, भावपूर्ण नृत्य और पारंपरिक शैली से दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की मुख्य कार्यपालक अधिकारी लक्ष्मी नागप्पन, कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनिल वाजपेयी, श्रीमती नीता तिवारी, गीता शोध संस्थान के पूर्व निदेशक प्रो. दिनेश खन्ना, अनूप शर्मा,राजेश सिंह वर्मा,महेश पांडेय अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर श्रीमती लक्ष्मी नागप्पन का शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया गया। रासलीला से पूर्व प्रो. दिनेश खन्ना ने छात्राओं को पारंपरिक रासलीला का प्रशिक्षण एवं निर्देशन प्रदान किया। ह्यमुदरिया प्रेमह्न रासलीला श्रीराधा और श्रीकृष्ण की प्रेममयी लीलाओं पर आधारित है। राधाजी की स्वर्ण मुदरिया के गुम होने से जुड़े मान-मनुहार, हास्य-विनोद और प्रेम प्रसंगों का अत्यंत प्रभावशाली मंचन किया गया। लगभग तीन दर्जन छात्राओं की प्रस्तुति को दर्शकों ने खूब सराहा और पूरा प्रेक्षागृह तालियों से गूंज उठा। कार्यक्रम का संयोजन चंद्र प्रताप सिंह सिकरवार ने किया, जबकि डॉ. मांडवी राठौर सह-निर्देशक रहीं। श्री सिकरवार ने बताया कि गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी ब्रज की प्राचीन रास परंपरा के संरक्षण और संवर्धन के लिए निरंतर प्रशिक्षण, मंचन और सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन कर रही है। संगीत संयोजन में आकाश शर्मा, मनमोहन कौशिक, सुनील पाठक तथा अमरनाथ विद्या आश्रम के विद्यार्थियों का विशेष सहयोग रहा।

संत शिरोमणि गुरु रविदास की 650वीं जयंती पर निकली कलश वंदन यात्रा

राया। संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज की 650 वीं जयंती के उपलक्ष्य में राया मंडल के कस्बा राया में कलश वंदन यात्रा धूमधाम के साथ निकाली गई। यात्रा का शुभारंभ भाजपा के क्षेत्रीय विधायक पूरन प्रकाश ने किया।कलश वंदन यात्रा गणेश बाग स्थित माता मनकामेश्वरी देवी मंदिर से प्रारंभ हुई और मथुरा मार्ग होते हुए ग्राम सूरज पहुंची। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने गुरु रविदास महाराज के संदेशों का प्रचार करते हुए सामाजिक समरसता एवं भाईचारे का संदेश दिया। ग्राम सूरज पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों द्वारा कलश वंदन यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं में उत्साह देखने को मिला।

छात्रवृत्ति योजना में लापरवाही किसी भी स्तर पर नहीं होगी स्वीकार

प्रत्येक पात्र विद्यार्थी को समय पर मिले छात्रवृत्ति योजना का लाभ: डीएम

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने पूर्वदशम् एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना की समीक्षा के दौरान कहा कि छात्रवृत्ति केवल एक वित्तीय सहायता योजना नहीं बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों की शिक्षा को निरंतर बनाए रखने का महत्वपूर्ण माध्यम है, किसी भी पात्र विद्यार्थी को तकनीकी त्रुटि, संस्थागत लापरवाही अथवा विलंब के कारण छात्रवृत्ति से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि समाज कल्याण, माध्यमिक शिक्षा, उच्च शिक्षा, एन.आई.सी., विद्यालय एवं महाविद्यालय सभी मिलकर टीम भावना के साथ कार्य करें, किसी भी स्तर पर जिम्मेदारी दूसरे विभाग पर डालने की प्रवृत्ति स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होने छात्रवृत्ति पोर्टल पर मास्टर डाटा, संस्थानों की प्रोफाइल लॉकिंग, नवीनीकरण, नवीन आवेदन, बायोमेट्रिक सत्यापन एवं तकनीकी समस्याओं की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी शिक्षण संस्थान अपने मास्टर डाटा को तत्काल अद्यतन करें, विद्यालय का नाम, पता, संचालित पाठ्यक्रम,

प्रधानाचार्य का नाम, मोबाइल नंबर, ई-मेल, आधार विवरण तथा छात्रवृत्ति नोडल अधिकारी का विवरण पूर्णतः सही ढंग से भरा जाये, वर्तमान शैक्षिक सत्र में कार्यरत प्रधानाचार्य का ही विवरण पोर्टल पर दर्ज किया जाए, किसी भी स्थिति में पूर्व प्रधानाचार्य अथवा पुराने नोडल अधिकारी का नाम पोर्टल पर दर्ज न हो।

श्री त्रिपाठी ने कहा कि छात्रवृत्ति नोडल अधिकारी के रूप में केवल वरिष्ठ शिक्षक, अधिकृत प्रधानाध्यापक को ही नामित किया जाए, प्रत्येक विद्यालय, महाविद्यालय में छात्रवृत्ति स्वीकृति समिति का विधिवत गठन कर उसकी बैठक आयोजित की जाये, निरीक्षण, ऑडिट के दौरान समिति का गठन न पाये जाने पर संबंधित प्रधानाचार्य की जिम्मेदारी तय होगी।

समीक्षा के दौरान पाया कि कई संस्थानों द्वारा अभी तक प्रोफाइल लॉकिंग एवं मास्टर डाटा अद्यतन का कार्य पूरा नहीं किया गया है, जिस पर उन्होने कहा कि सभी संस्थान अभियान चलाकर मास्टर डाटा, प्रोफाइल लॉकिंग, नवीनीकरण तथा नवीन आवेदन का कार्य पूरा करें, कक्षा-09 से 12 तक के विद्यार्थियों के साथ-साथ उच्च शिक्षा संस्थानों के पात्र विद्यार्थियों का कार्य भी निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराया जाए। उन्होंने छात्रवृत्ति संबंधी समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए समाज कल्याण, एन.आई.सी. तथा संबंधित अधिकारियों का अलग व्हाट्सएप ग्रुप बनाने के निर्देश दिए ताकि तकनीकी समस्याओं का तत्काल समाधान हो सके। उन्होने कहा कि यदि कोई विद्यार्थी किसी शिक्षण संस्थान में अध्ययनरत है तो उसके छात्रवृत्ति आवेदन, आवश्यक अभिलेखों का सत्यापन, बैंक खाते की जानकारी, आधार सत्यापन एवं अन्य औपचारिकताओं को पूर्ण कराना संबंधित संस्था की जिम्मेदारी है, यह दायित्व विद्यार्थी का नहीं बल्कि शिक्षण संस्था का है।

जिलाधिकारी ने कहा कि कई बार विद्यार्थी बाद में शिकायत करते हैं कि उनका डाटा गलत भरा गया अथवा आवेदन निरस्त हो गया, उस समय सुधार की संभावना नहीं बचती और पूरा शैक्षिक वर्ष प्रभावित होता है, इसलिए प्रधानाचार्य स्वयं पूरी प्रक्रिया की नियमित निगरानी करें, कंप्यूटर ऑपरेटर के भरोसे कार्य न छोड़ें, अतिरिक्त कंप्यूटर ऑपरेटर, कॉमन सर्विस सेंटर, साइबर कैफे की सहायता लेकर छात्रवृत्ति सम्बन्धी डाटा समय से अपलोड करें। उन्होने कहा कि डुप्लिकेट एडमिशन, फर्जी नामांकन के मामलों को गंभीरता से लिया जाएगा, यदि छात्रवृत्ति पोर्टल पर दर्ज विद्यार्थी बायोमेट्रिक सत्यापन के लिए उपस्थित नहीं होते हैं तो ऐसे मामलों की जांच कर उन्हें फर्जी प्रवेश माना जाएगा, आवश्यकता पड़ने पर विश्वविद्यालय एवं कुलपति को पत्र लिखकर संबंधित संस्थानों के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी, फर्जी नामांकन, छात्रवृत्ति प्राप्त करने के उद्देश्य से गलत जानकारी दर्ज करना गंभीर अनियमितता है और ऐसे मामलों में मान्यता निरस्तीकरण सहित कठोर कार्यवाही होगी। उन्होंने कहा कि किसी भी विद्यालय, महाविद्यालय की लॉगिन पर कोई भी आवेदन 15 दिन से अधिक लंबित न रहे, प्रत्येक आवेदन का समयबद्ध परीक्षण कर उसे अग्रसारित अथवा कारण सहित निरस्त किया जाए, अनावश्यक रूप से आवेदन लंबित रहने से प्रगति प्रभावित होती है तथा सीएम डैशबोर्ड पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

मुख्य विकास अधिकारी नेहा बंधु ने कहा कि सभी शिक्षण संस्थान छात्रवृत्ति की समय-सारिणी, आवश्यक दस्तावेजों की सूची तथा आवेदन प्रक्रिया से संबंधित जानकारी अपने सूचना पट्ट पर अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करें, प्रार्थना सभा एवं कक्षाओं में विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति योजना के बारे में जानकारी देकर उन्हें समय से आवेदन करने के लिए प्रेरित किया जाए, जिन विद्यार्थियों का बैंक खाता नहीं खुला है, आधार अपडेट नहीं है अथवा आय, जाति प्रमाण पत्र लंबित हैं, उनकी सूची तैयार कर उपलब्ध कराई जाए ताकि संबंधित विभागों एवं बैंकों के माध्यम से प्राथमिकता के आधार पर उनकी समस्याओं का समाधान कराया जा सके।

बैठक में जिला समाज कल्याण अधिकारी अशोक कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक सतीश कुमार, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी राजेश बघेल, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी रजंना शुक्ला, राजकीय, सहायता प्राप्त एवं वित्तविहीन विद्यालयों, महाविद्यालयों के प्रधानाचार्य, प्राचार्य, छात्रवृत्ति नोडल अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

दिव्यांगजन रोजगार मेले में 13 अभ्यर्थियों का चयन

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, सेवायोजन विभाग एवं राजकीय आईटीआई के संयुक्त तत्वावधान में दिव्यांगजन रोजगार अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, मैनपुरी में दिव्यांगजन रोजगार मेले का आयोजन किया गया। मेले में दिव्यांग अभ्यर्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

जिला समन्वयक एवं प्रधानाचार्य नागेंद्र सिंह ने उपस्थित दिव्यांग अभ्यर्थियों को संबोधित करते हुए चयनित युवाओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि जिन अभ्यर्थियों का इस बार चयन नहीं हो सका है, वे निराश न हों।

आगामी 10 अगस्त 2026 को पुनः दिव्यांगजन रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सभी अभ्यर्थी फिर से प्रतिभाग कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि निरंतर प्रयास और आत्मविश्वास से बड़ी से बड़ी समस्याओं का समाधान संभव है।

रोजगार मेले में सहायक सेवायोजन अधिकारी रविश मिश्रा, जिला कौशल प्रबंधक फिरोज खान, डीडीयू-जीकेवाई के जिला कार्यक्रम प्रबंधक गौरव कुमार यादव एवं ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधकों सहित अन्य अधिकारियों ने भी सहभागिता की।

रोजगार मेले के प्रथम चरण में 18 दिव्यांग प्रशिक्षार्थियों ने भाग लिया। मेले में स्थानीय एवं बाहरी क्षेत्र की दो कंपनियों ने अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया। अपराह्न 4 बजे तक कुल 13 दिव्यांग अभ्यर्थियों का चयन कर उन्हें रोजगार का अवसर प्रदान किया गया। अधिकारियों ने बताया कि ऐसे रोजगार मेलों के माध्यम से दिव्यांगजन को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है।

मैनपुरी में नकली आटा फैक्ट्री पर छापा, टेलकम पाउडर मिलाकर तैयार हो रहा था आटा

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए औंछा थाना क्षेत्र के ज्योति खुड़िया में अवैध रूप से संचालित आटा निर्माण इकाई पर छापा मारा। जांच के दौरान आटे में मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक टेलकम पाउडर की मिलावट किए जाने का खुलासा हुआ।

सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय डॉ. श्वेता सैनी के निर्देशन एवं मुख्य

खाद्य सुरक्षा अधिकारी ए.के. पाठक के नेतृत्व में की गई कार्रवाई में पाया गया कि निर्माण इकाई का संचालन अजीत कुमार पुत्र नरेंद्र कुमार द्वारा किया जा रहा था। टीम ने मौके से आटे का एक नमूना तथा आटे में मिलाने के लिए रखी गई 43 बोरियों में मौजूद टेलकम पाउडर का भी नमूना जांच के लिए संग्रहित किया।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने लगभग 2150 किलोग्राम टेलकम पाउडर (अनुमानित कीमत 32,250 रुपये) और 50 किलोग्राम आटा (कीमत लगभग 1,500 रुपये) को सीज कर विक्रेता की अभिरक्षा में सौंप दिया। अवैध रूप से संचालित मिल को तत्काल बंद करा दिया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से औंछा थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी ब्रजेंद्र कुमार, इंद्रजीत सिंह तथा ज्योति पुलिस चौकी का पुलिस बल भी मौजूद रहा।

मौसम विभाग व जिला प्रशासन ने 11 तक जारी किया आरेंज अलर्ट

शिकोहाबाद / फिरोजाबाद । मौसम विभाग उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा शुक्रवार को जारी पूर्वानुमान के अनुसार आज शुक्रवार से 11 अगस्त तक जनपद के अलग-अलग स्थानों पर वज्रपात/गरज चमक के साथ तेज बारिश (सामान्य से अत्यधिक/भारी वर्षा)/तेज हवा आने की अधिक संभावना के दृष्टिगत आरेंज अलर्ट जारी किया गया है। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा द्वारा जनपदवासियों से अनुरोध किया है कि खराब मौसम के दौरान सतर्क एवं सुरक्षित रहें । वहीं सावधानी बरते हुए रेडियो, टेलीविजन एवं सोशल मीडिया के माध्यम से मौसम संबंधी जानकारी निरंतर प्राप्त करते रहें, पुराने एवं जर्जर भवनों तथा कच्ची दीवारों से दूर रहें, अत्यंत आवश्यक कार्य होने पर ही घर से बाहर निकलें, विद्युत तारों एवं विद्युत पोलों के नीचे अथवा आसपास खड़े न हों, कृषकगण भारी वर्षा एवं ओलावृष्टि के दौरान खेतों पर जाने से बचें। कहा गया है कि मौसम संबंधी अधिक जानकारी हेतु प्ले स्टोर से ह्व सचेत ह्व ऐप /दामिनी ऐप डाउनलोड करें। किसी भी प्रकार की चिकित्सीय सहायता हेतु टोल फ्री नंबर 108/102 पर संपर्क करें।

लगातार बारिश के बीच गौवंशों की सुरक्षा के लिए जिलें में ऐतिहासिक पहल:

जिलाधिकारी के निदेशों पर पहली बार गौशालाओं की शुरू हुई लाइव स्ट्रीमिंग

टीएनएफ टुडे, फिरोजाबाद।

जिलें में पिछलें दो दिनों से हो रही निरतर वर्षा के दृष्टिगत जनपद की समस्त गौशालाओं में गौवंश की सुरक्षा, हरा चारा, इलाज और जल भराव जैसी गुणवत्ताओं का जायजा लेने के लिए जिलाधिकारी द्वारा एक अभिनव एवं पारदर्शी पहल की शुरूआत की गयी है। जिलें के इतिहास में पहली बार जिलाधिकारी के कडे. निर्देशों पर गौशालाओं के रियल- टाइम (लाइव स्ट्रीमिंग) एवं डिजिटल निगरानी प्रारम्भ की गयी है।

लगातार हो रही वर्षा के कारण गौवंशों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो औरं गौशालाओं की व्यवस्था दुरूस्त रहें, इसके लिए जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा स्वंय इस लाइव मॉनिटरिंग के माध्यम से स्थिति पर सीधी नजर बनाए हुए है। जिलाधिकारी गौवंशों के संरक्षण, उनके स्वास्थ्य और गौशालाओं में बेहतर प्रबन्धन के लिए पूरी तरह से कटिबद्ध है, बारिश से उत्पन्न चुनौतियो से निपटने के लिए गौशालाओं के प्रबन्धन में लगे अधिकारियों को मुस्तैद किया गया है, ताकि तिरपाल, सूखा भूसा, हरा चारा, साफ-सफाई और जल निकासी के पुख्ता इंतजाम रहें, जिलाधिकारी ने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी एवं सम्बन्धित ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि किसी भी गौशाला के प्रबन्धन में लापरवाही बर्दाश्त नही की जाएगी और पशु चिकित्सक लगातार गौशाला का निरीक्षण करते रहे, जिससे बीमार गौवंशों की चिकित्सा समय से की जा सके, लाइव स्ट्रीमिंग के दौरान यदि किसी भी गौशाला में अव्यवस्था या जल भराव की समस्या दिखी तो उस पर तत्काल प्रभाव से समुचित कदम उठाकर समस्या का समाधान त्वरित किया जाए, प्रशासन का यह निरंतर प्रयास है कि गौवंशों की सेवा और सुरक्षा में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नही होगी।

राज्य एथलेटिक्स चैंपियनशिप में फिरोजाबाद के खिलाड़ियों ने जीते दो पदक

फिरोजाबाद। प्रयागराज में आयोजित 21वीं उत्तर प्रदेश राज्य युवा एथलेटिक्स चैंपियनशिप-2026 एवं 5वें इंडियन जैवलिन डे-2026 में जिला एथलेटिक्स संघ, फिरोजाबाद के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक रजत और एक कांस्य पदक जीतकर जनपद का नाम रोशन किया। इसके साथ ही एक खिलाड़ी ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए भी क्वालीफाई किया।

अंडर-18 बालक वर्ग की 110 मीटर बाधा दौड़ में प्रांशु ने 14.18 सेकंड का समय निकालते हुए रजत पदक जीता और राष्ट्रीय युवा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया। वहीं अंडर-18 बालिका वर्ग की 100 मीटर बाधा दौड़ में दीप्ति बघेल ने कांस्य पदक अपने नाम किया।

वरिष्ठ नागरिकों की मांगों को लेकर डीएम को सौंपा ज्ञापन

टीएनएफ टुडे, फिरोजाबाद।

वृद्ध जन समिति के प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा को प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में वरिष्ठ नागरिकों को रेलवे और हवाई यात्रा में मिलने वाली रियायतें फिर से शुरू करने तथा 60 वर्ष से अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान योजना का लाभ देने की मांग की गई।

समिति ने नगर निगम द्वारा बनाए गए सीनियर केयर सेंटर को जल्द शुरू कराने, मेडिकल कॉलेज अस्पताल में वरिष्ठ नागरिकों के लिए 10 बेड आरक्षित करने तथा सरकारी कार्यालयों और बैंकों में वरिष्ठ नागरिकों के कार्य प्राथमिकता से करने की भी मांग उठाई। साथ ही सरकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक वरिष्ठ नागरिकों तक पहुंचाने और उनके कल्याण के लिए जिला स्तरीय संयुक्त समिति गठित करने का सुझाव दिया।

जिलाधिकारी ने सभी मांगों पर गंभीरता से विचार कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

इस दौरान समिति के अध्यक्ष अनूप चंद जैन एडवोकेट ने जिलाधिकारी को स्वर्गीय जगन्नाथ लहरी द्वारा लिखित पुस्तक "भारत के स्वाधीनता संग्राम में फिरोजाबाद का योगदान" भेंट की।

प्रतिनिधिमंडल में महामंत्री द्विजेंद्र मोहन शर्मा, उमाकांत पचौरी एडवोकेट, हनुमान प्रसाद गर्ग, प्रो. प्रभास्कर राय, राकेश शर्मा, अनिल गर्ग, मुकेश गुप्ता (मामा) और शंकर गुप्ता सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

युवा आत्मनिर्भर बनेगे और साथ ही अपना और अपनों का सहारा बनेंगे: असीजा

टीएनएफ टुडे, फिरोजाबाद।

पालिवाल हॉल में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा और सदर विधायक मनीष असीजा की उपस्थिति में हितधारकों और कार्यान्वयन विभाग के लिए एमएसएमई योजनाओं पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया, इस कार्यशाला में बडी संख्या में युवाओं ने प्रतिभाग किया, इस महत्वपूर्ण अवसर पर जिलाधिकारी ने कार्यशाला मे बोलते हुए कहा कि प्रदेश को एक ट्रिलियन की अर्थ व्यवस्था बनाने के लक्ष्य में प्राथमिक द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्र को मजबूत बनाना बेहद आवश्यक है, उन्होने कहा कि हमारा यह जनपद ग्लास सिटी और बैंगल सिटी के रूप में प्रसिद्ध है, जो द्वितीयक क्षेत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा है, उन्होने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि मा0 प्रधानमंत्री जी और मा0 मुख्यमंत्री जी का विजन है कि युवा केवल रोजगार मांगने वाले न बने, बल्कि उद्यमी बनकर दूसरों को रोजगार देने वाले बने, अर्थात जॉब सीकर की जगह युवा जॉब प्रोवाइडर बने।

जिलाधिकारी ने कहा कि युवा उद्यमी योजना सरकार द्वारा लाई गयी, एक महत्वपूर्ण योजना है, इस योजना का लाभ सभी युवओं को

उठाना चाहिए, इस योजना के तहत 5 लाख का ऋण बिना किसी गांरटी के ब्याज मुक्त प्रदान किया जाता है, जिलाधिकारी ने सभी युवाओं को आश्वस्त किया कि जिला उद्योग केन्द्र के माध्यम से योजना का शत-प्रतिशत लाभ सभी पात्र आवेदकों तक पहुॅचाया जाएगा।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए सदर विधायक मनीष असीजा ने कहा कि योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए जिला प्रशासन और उद्योग विभाग लगातार मेहनत कर रहें है, लेकिन उन्होने आगे कहा कि इसमें सबसे महत्वपूर्ण भूमिका बैंक प्रबन्धकों की है, और उनसे मेरी अपील है कि युवा उद्यमियों को बार-बार बैंक के चक्कर न लगाने पड़े और मेरा दृढ़ विश्वास है कि योजना से लाभान्वित होकर जनपद के युवा आत्मनिर्भर बनेगे और साथ ही अपना और अपनों का सहारा बनेंगे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना और विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के लाभार्थियों को सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना से लाभान्वित होने वाले लाभार्थियों में योगेश कुमार, विनय यादव, आशीष कुमार, आकांक्षा अग्रवाल को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया जबकि विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजनान्तर्गत पंकज कुमार, जगत सिंह, अजय कांत, राकेश यादव और प्रमोद कुमार को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त उद्योग संध्या तथा बडी संख्या में उद्यमी भी उपस्थित रहें।

करहल में बिजली चोरी पर बड़ी कार्रवाई, छह लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

करहल। बिजली विभाग द्वारा बिजली चोरी रोकने के लिए विशेष जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान करहल क्षेत्र के ग्राम सिंहपुर में टीम ने घर-घर पहुंचकर बिजली कनेक्शनों की जांच की। जांच के दौरान छह उपभोक्ता बिजली चोरी करते पाए गए, जिनके खिलाफ विभाग ने नियमानुसार रिपोर्ट दर्ज कराई। बिजली विभाग की टीम ने अभियान के दौरान सुशीला देवी पत्नी कुशलपाल, पिंकी पत्नी सुभाषचंद्र, मुन्नी देवी पत्नी वीरपाल, प्रमोद कुमार पुत्र जगदीश, रामगोपाल पुत्र धनुसिंह तथा घनश्याम पुत्र सियाराम को अवैध रूप से बिजली का उपयोग करते हुए पाए जाने पर उनके विरुद्ध विधिक कार्रवाई की। अभियान का नेतृत्व जूनियर इंजीनियर (जेई) वाजिद अली ने किया। उनके साथ विभागीय कर्मचारी अरुण, राहुल, अरविंद कुमार सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि बिजली चोरी से विभाग को आर्थिक नुकसान होता है और ईमानदारी से बिल जमा करने वाले उपभोक्ताओं पर भी इसका असर पड़ता है। बिजली विभाग ने स्पष्ट किया कि आगे भी क्षेत्र में ऐसे विशेष जांच अभियान लगातार चलाए जाएंगे। अधिकारियों ने उपभोक्ताओं से अपील की कि वे वैध बिजली कनेक्शन का ही उपयोग करें और किसी भी प्रकार की बिजली चोरी से बचें, अन्यथा उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड किनारे पेड़ से लटका मिला युवक का शव, एक सप्ताह से था लापता

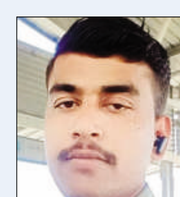

करहल। थाना क्षेत्र में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड के किनारे झाड़ियों में खड़े कंज के पेड़ से एक युवक का शव फंदे से लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। मृतक की पहचान ग्राम लहटोई निवासी शिवम दुबे पुत्र नरेंद्र के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि शिवम पिछले लगभग एक सप्ताह से घर से लापता था। शुक्रवार को उसका शव एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड के किनारे झाड़ियों में खड़े कंज के पेड़ से फंदे पर लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीणों की भीड़ मौके पर एकत्र हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मृतक के परिजनों से भी पूछताछ कर रही है ताकि आत्महत्या के कारणों का पता लगाया जा सके। थानाध्यक्ष प्रदीप पांडेय ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है, लेकिन पुलिस हर पहलू पर गंभीरता से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

4.10 लाख की लॉटरी का झांसा देकर युवक से 8 हजार की साइबर ठगी

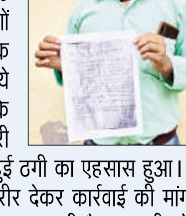

करहल। करहल थाना क्षेत्र के ग्राम कमलपुर निवासी नीरज पुत्र रामदास साइबर ठगी का शिकार हो गया। पीड़ित ने करहल थाने पहुंचकर तहरीर देते हुए बताया कि साइबर ठगों ने उसे 4 लाख 10 हजार रुपये की लॉटरी लगने का झांसा दिया। ठगों ने लॉटरी की रकम दिलाने के नाम पर विभिन्न शुल्क बताकर उससे फोनपे के माध्यम से 8 हजार रुपये अपने खाते में ट्रांसफर करा लिए। रकम भेजने के बाद जब ठगों ने और पैसे की मांग की और लॉटरी की राशि नहीं भेजी, तब पीड़ित को अपने साथ हुई ठगी का एहसास हुआ। इसके बाद उसने करहल थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। साथ ही लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान व्यक्ति के झांसे में आकर लॉटरी, इनाम या अन्य आकर्षक ऑफर के नाम पर किसी भी खाते में पैसे ट्रांसफर न करें।

स्वतंत्रता दिवस को लेकर आरपीएफ ने चलाया चेकिंग अभियान

शिकोहाबाद। आगामी स्वतंत्रता दिवस को देखते हुए यात्रियों को सुरक्षा को देखते हुए आरपीएफ निरीक्षक कृष्ण गोपाल के नेतृत्व में रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के साथ ही स्टेशन परिसर में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान सकुर्लेटिंग एरिया में सघन चेकिंग अभियान चलाकर फ्लैग मार्च किया। चेकिंग के दौरान प्लेटफार्म, टिकट घर, प्रतीक्षालय सहित स्टेशन परिसर व संवेदनशील स्थलों को चैक किया। आरपीएफ ने गाड़ी संख्या 13052 नेताजी एक्सप्रेस, 18310 टाटा मुरी एक्सप्रेस में यात्रियों की तलाशी के साथ ही ट्रेन में सघन चेकिंग की। चेकिंग के दौरान कोई संदिग्ध व्यक्ति वस्तु नजर नहीं आयी। सभी संबंधित कर्मचारियों को सतर्क रहकर सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने के निर्देश दिए। आरपीएफ प्रभारी ने कहा कि यात्रियों को यात्रा के दौरान कोई सुरक्षा सम्बन्धी शिकायत हो या कोई संदिग्ध व्यक्ति वस्तु दिखाई देने पर तुरंत रेलवे हेल्पलाइन 139 को सूचित करें।

पर्यटन मंत्री आज जिले में

मैनपुरी। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री उ.प्र. शासन जयवीर सिंह का 08 अगस्त को प्रस्तावित जनपद भ्रमण कार्यक्रम अपरिहार्य कारणों से निरस्त कर दिया गया है।

सिंचाई बन्धु की बैठक 11 को

मैनपुरी। अधिशासी अभियंता सिंचाई राजीव कुमार ने बताया कि सिंचाई बंधु की बैठक दि. 11 अगस्त को पूर्वान्ह 11 बजे नहर निरीक्षण भवन कैनाल कॉलौनी में शासन द्वारा नामित उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित होगी।

राष्ट्रीय लोक अदालत 12 को

मैनपुरी। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नूतन चौहान ने बताया कि उ.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेर्शानुसार तथा जनपद न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेशानुसार दि. 12 सितम्बर 2026 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा, जिसमें विहित आपराधिक, विद्युत, जल, दूरभाष एवं जनोपयोगी सेवाओं से सम्बन्धित मामलों में सम्बन्धित प्रकरणों के साथ-साथ आवश्यकतानुसार सभी सुलह वाद, उपभोक्ता फोरम वादों, चकबंदी वादों, मध्यस्थ प्रकरणों, नगर पालिका, नगर निगम टैक्स वसूली मामलों आदि को नियत करने पर बल दिया जायेगा।

12 को धूमधाम से निकलेगी भोलेनाथ की पालकी यात्रा

शिकोहाबाद । श्रीश्री 1008 टुंइया वाले भोलेबाबा पालकी यात्रा समिति के तत्वावधान में 12 अगस्त को दोपहर 2 बजे से दिव्य पालकी यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। शुभारंभ बड़ा बाजार स्थित काली देवी मंदिर से होगा, जो बड़ा बाजार स्टेट बैंक चौराहा , नारायण तिराहा होते हुए मेला वाला बाग स्थित श्रीटुंइया वाले बाबा के मंदिर पर पहुंचेगी। यात्रा में प्रमुख आकर्षण भोलेनाथ की दिव्य मंगलस्वरूप के साथ में पालकी होगी, जिसमें सभी भक्त नंगे पांव धोती पहनकर, पालकी को लेकर के चलेंगे। आयोजन समिति के लोगों ने बताया है कि दिव्य ध्वजा एवं कांवड़ की शोभा भी साथ में सुशोभित होगी। सभी भक्तजनों एवं नगरवासियों से आधिकाधिक संख्या में पालकी यात्रा में शामिल होने का आव्हान किया गया है। इस मौके पर समिति के सदस्य भगवानदास वर्मा, विजय अग्रवाल, विपिन गोयल, प्रशांत राजपूत, अनूप सक्सेना , आचार्य शरद कृष्णा, मयंक बरुआ, नरेंद्र कुमार, हरेंद्र शर्मा, शोभित गोयल, अमन अग्रवाल, विष्णु अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, सुमित सिंह, गौरांग अग्रवाल, सनत अग्रवाल ,बृजेश यादव , अंकित अग्रवाल, पुनीत गुप्ता आदि थे।

मंडल आयुक्त ने लहरा गंगा घाट का किया स्थलीय निरीक्षण

श्रद्धालुओं व गोताखोरों से बातचीत कर व्यवस्थाओं के बारे में जाना

- मेडिकल कैंप, प्रकाश व्यवस्था सहित सभी अन्य व्यवस्थाओं पर जताया संतोष

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

अलीगढ़ मंडल की मंडलायुक्त ने सोरों स्थित लहरा गंगा घाट का स्थलीय निरीक्षण कर कांवड़ यात्रा एवं श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने घाट पर उपलब्ध सभी व्यवस्थाओं को गंभीरता से परखा तथा श्रद्धालुओं और तैनात गोताखोरों से बातचीत कर सुरक्षा एवं सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

मंडल आयुक्त संगीता सिंह ने ने घाट पर स्थापित मेडिकल कैंप, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंध एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं का निरीक्षण करते हुए कहा कि लहरा घाट पर सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहे तथा सभी व्यवस्थाओं का निरंतर निरीक्षण करते हुए उन्हें सुचारु बनाए रखा जाए।

मंडल आयुक्त ने सड़क एवं घाट पर झाड़ियां की सफाई, प्रकाश की व्यवस्था महिला चेंजिंग रूम मो.टॉयलेट मौके पर जाकर देखा गोताखोर नाव की व्यवस्था अधिकारी एवं कर्मचारियों की ड्यूटी इतिआदि की व्यवस्था पूर्ण रूप से मौके पर पाई गयी।

इस अवसर पर जिलाधिकारी प्रणय सिंह, पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह, मुख्य विकास अधिकारी वीरेंद्र सिंह, उप जिलाधिकारी एस.एन. त्रिपाठी, क्षेत्राधिकारी कासगंज आंचल चौहान, उप जिलाधिकारी/अधिशासी अधिकारी हर्षिता देवड़ा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

स्कूल बस की चपेट में आ जाने से बालिका की मौत

टीएनएफ टुडे कासगंज। थाना अमांपुर क्षेत्र के ग्राम लोधीपुर में शुक्रवार की सुबह सड़क हादसे में 5 वर्षीय मासूम बच्ची की स्कूल की बस की चपेट में आ जाने मौत हो गई। बालिका की मौत से परिवार में कोहराम मचा गया।

? शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे ग्राम लोधीपुर निवासी 5 वर्षीय बच्ची बेबी अपनी मां के साथ शौच के लिए जा रही थी। जब मां बेटी घर से कुछ दूरी पर स्थित चक्की प्लांट के निकट गुजर रहीकि तभी स्कूल की तेज रफ्तार बस की चपेट में बेबी आ गई। बस से कुचलकर उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बच्ची की मौत से परिवार में कोहराम मच गया।

हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय अमांपुर थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दुर्घटनाग्रस्त बस और उसके चालक को हिरासत में ले लिया है। पुलिस द्वारा मृतका के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया।

पिता की इच्छा पूरी करने कंधों पर उठाई विशेष कांवड़, डीएम-एसएसपी ने कहा- ऐसे संस्कार ही भारत की पहचान

- वृद्ध पिता को कांवड़ पर बैठाकर निकले शिवधाम, चार पुत्रों की सेवा-भावना ने जीता सबका दिल
- विशेष कांवड़ पर पिता को बैठाकर शिवाभिषेक के लिए निकले चार पुत्र, डीएम-एसएसपी ने दी शुभकामनाएं

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, एटा।

श्रावण मास में चल रही पवित्र कांवड़ यात्रा के दौरान जिलाधिकारी अरविन्द सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इला मारन जी द्वारा कांवड़ यात्रा मार्गों का सतत भ्रमण कर श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधाओं का निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में आज शुक्रवार को रतीभानपुर से भैसूली होते हुए जलेसर जाने वाले मार्ग पर भ्रमण के दौरान एक अत्यंत प्रेरणादायक एवं भावुक दृश्य देखने को मिला।

जनपद आगरा के गांव एत्मादपुर मदरा,डा0 नगला सबल निवासी वयोवृद्ध गोदन सिंह को उनके चारों पुत्र जयप्रकाश, किशन, टिंकू एवं बंटी द्वारा विशेष रूप से तैयार की गई कांवड़ पर बैठाकर भगवान शिव के जलाभिषेक हेतु शिव मंदिर ले जाया जा रहा था। पुत्रों ने अपने वृद्ध पिता की मनोकामना पूर्ण करने के लिए बारी-बारी से कांवड़ को अपने कंधों पर उठाकर यात्रा का संकल्प लिया था। जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने यात्रा को कुछ समय रोककर चारों पुत्रों एवं उनके पिता से भेंट की तथा उनके इस अनुकरणीय कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा की। जिलाधिकारी ने कहा कि वर्तमान समय में इस प्रकार का मातृ-पितृ समर्पण अत्यंत प्रेरणादायी है। उन्होंने चारों भाइयों को "आधुनिक युग का श्रवण कुमार" बताते हुए कहा कि "माता-पिता की सच्ची सेवा एवं भक्ति ही ईश्वर की सच्ची भक्ति है।"

जिलाधिकारी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में माता-पिता का स्थान सर्वोच्च माना गया है तथा उनकी सेवा प्रत्येक संतान का सर्वोच्च कर्तव्य है। चारों पुत्रों द्वारा अपने पिता की इच्छा पूर्ण करने के लिए किया गया यह प्रयास समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने भी चारों भाइयों के इस समर्पण एवं संस्कारों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा सुरक्षित एवं मंगलमय कांवड़ यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं।

जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कहा कि ऐसे प्रेरक उदाहरण समाज में पारिवारिक मूल्यों, संस्कारों एवं माता-पिता के प्रति सम्मान की भावना को सुदृढ़ करते हैं तथा नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति एवं परंपराओं से जुड़ने की प्रेरणा भी देते हैं। उन्होंने चारों भाइयों एवं उनके पिता को भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त होने की शुभकामनाएं भी दीं।

15 तक कराए जाने सकेंगे एनसीएससी पंजीकरण

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

- हर विद्यालय से पांच समूह भेजने के निर्देश
- वर्चुअल बैठक में विज्ञान शिक्षकों को दिए गए दिशा-निर्देश

जिले में राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के पंजीकरण अभियान को गति देने के लिए आयोजित वर्चुअल बैठक में अंतिम तिथि 15 अगस्त तक बढ़ाने की जानकारी दी गई। साथ ही बेसिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों को अधिक से अधिक विद्यार्थियों का पंजीकरण कराने के निर्देश दिए गए।

राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के तहत आयोजित वर्चुअल बैठक में राज्य समन्वयक दीपक शर्मा और इंडियन साइंस एजेंसी, लखनऊ के संयोजक बीपी सिंह ने प्रतिभाग किया। उन्होंने 10 से 17 वर्ष आयु वर्ग के विद्यार्थियों की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर देते हुए शिक्षकों से नवाचार आधारित परियोजनाएं तैयार कराने का आह्वान किया।

जिला समन्वयक डॉ. जयन्त कुमार गुप्ता ने बताया कि बैठक में विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने और विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने पर विशेष चर्चा हुई। शिक्षकों से कहा गया कि वे बच्चों के आइडिया और प्रोजेक्ट को बेहतर बनाकर निर्धारित मानकों के अनुरूप पोर्टल पर अपलोड कराएं। साथ ही बेसिक शिक्षा परिषद और माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों को भी अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं का पंजीकरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए।

बैठक में बताया गया कि राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 15 अगस्त कर दी गई है। इससे अधिक विद्यार्थियों को अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।

जिला विद्यालय निरीक्षक रजनेश कुमार ने सभी माध्यमिक विद्यालयों से कम से कम पांच छात्र समूहों का पंजीकरण कराने के निर्देश दिए। वहीं बेसिक शिक्षा विभाग के विद्यालयों के शिक्षकों से भी अधिकाधिक बच्चों का पंजीकरण कराकर जिले की भागीदारी बढ़ाने को कहा गया।

कम होने का नाम नहीं ले रही सिंचाई विभाग और प्रशासन की चिंता

गंगा के बढ़ते जल स्तर से तट वर्तीय ग्रामों पर मढ़रा रहा बाढ़ का खतरा

- बैराजों से डिस्चार्ज हुए पानी से रौद्र रुप ले चुकी हे पतित पावनी

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

जिले की सीमा से सटे जनपद बदायूं में वह रही गंगा नदी के कोप का भाजन जिले के तीन दर्जन से अधिक गांव होते रहे हैं। इन दिनो भी पहाड़ों पर हो रहीअति वर्षा बैराजों से गगा मे किए जा रहे पानी के डिस्चार्ज से गंगा रौद्र रुप ले चुकी है जो तट वर्तीय ग्रामों, सिंचाई विभाग और जिला प्रशासन के लिए चिंता का कारण बना हुआ है।

कछला गंगा नदी इन दिनों उफान पर है गंगा का जल स्तर वार्निंग लेबल को पार कर खतरे के निशान को छूता दिखाई दे रहा है। दो दिन पूर्व टू खतरे के निशान को पार करते नजर आ रहा है। गंगा का दायरा बढ़ जाने से पानी फैल गया तो जल स्तर में कुछ गिरावट हुई लेकिन इससे चिंता कम नहीं हुई। शुक्रवार को नौरारा बैराज से किया गए पानी के डिस्चार्ज से शनिवार को जल स्तर बढ़ने की संभवना दिख रही है।

पटियाली क्षेत्र में तो गंगा का सीना चीर कर पानी तट वर्तीय ग्रामों की फसली भूमि तक पहुंच गया है। ग्रामीणों को अलर्ट भी किया गया है। जिससे हालात विपरीत होने पर संभाले जा सकें। फिलहाल गांगा नदी का जो स्तर प्रशासन और सिंचाई विभाग के लिए चिंता का कारण बना हुआ है।

बैराजों से गंगा के पानी का डिस्चार्ज

हरिद्वार बैराजः 161512क्यू सेक

बिजनौर बैराजः 211006क्यू सेक

नौरारा बैराजः 124173क्यू सेक

कछला ब्रिज पर पानी का गेज

कछला गंगा नदी में पानी का गेज शुक्रवार को 162.170मीटर रिकॉर्ड किया गया है। जबकि गंगा नदी पर खतरे का निशान 163.20मीटर पर है।

अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता, अवर अभियंता, संवेदनशील,अतिसंवेदनशील बाढ़ संभावित क्षेत्रों का निरंतर निरीक्षण कर गंगा के जल स्तर की निगरानी करते रहे।

जितेंद्र कुमार अग्रवाल अधीक्षण अभियंता सिंचाई

बाढ़ चौकियों पर तैनात सभी कर्मचारी अलर्ट रहे, लेखपाल भी ग्रामों में निरंतर रखकर नजर बनाए रखे रिपोर्ट जिला मुख्यालय पर स्थापित बाढ़ नियंत्रण कक्ष को दे। कही कोई समस्या हो तो तत्काल जानकारी दे जिससे समय रहते उचित कदम उठाया जा सके।

प्रणय सिंह, डीएम कासगंज

अपनी आय बढ़ाएंगी ग्राम पंचायतें, सचिवों और सहायकों को मिला प्रशिक्षण

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, अलीगंज।

अब ग्राम पंचायतों को विकास कार्यों के लिए केवल सरकारी अनुदान पर निर्भर नहीं रहना होगा।

पंचायतों की अपनी आय बढ़ाकर उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अलीगंज विकासखंड में पंचायत सचिवों, ग्राम विकास अधिकारियों और पंचायत सहायकों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण में ओएसआर पोर्टल के माध्यम से स्थानीय स्तर पर राजस्व जुटाने, आय के नए स्रोत विकसित करने और पंचायत सेवाओं को बेहतर बनाने के गुर सिखाए गए। संचालन वरिष्ठ फैकल्टी नाहर सिंह ने किया।

जुए के अड्डे पर पुलिस का छापा, आधा दर्जन गिरफ्तार

टीएमएफ ब्यूरो **कासगंज।** थाना सिढ़पुरा पुलिस ने मिली सूचना के आधार पर हुए के अड्डे पर छापामार कार्रवाई की, पुलिस ने जुआ खेलते हुए आधा दर्जन लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनके विरुद्ध विधिक कार्रवाई की गई है आरोपित जेल भेजे गए हैं। सिढ़पुरा पूरा के थाना अध्यक्ष को सूचना मिला कि कसवा के मोहल्ला सुभाष नगर में मरघट के पस कुछ लोग हुए खेल रहे हैं सूचना सटीक थी थाना अध्यक्ष प्रदीप मालिक ने पुलिस फोर्स के साथ छापा मारा, पुलिस को देखते ही हुआ खेल थे लोग भागने लगे पुलिस नए बल प्रयोग कर आधा दर्जन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। जिन्हें थाने लगा पूंछ ताछ की गई। थाना अध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार किया गए आरोपितों ने अपने नाम अजय , .मुकेश . नन्द किशोर,रहीश अहमद राकेश निवासी गण मोहल्ला सुभाष नगर सिढ़पुरा बताया है सभी के विरुद्ध जुआ अधिनियम के तहत कार्यवाही कर जेल भेजा गया है। मौके से 3260 रुपये नकद *एवं 52 ताश पत्ता बरामद हुए हैं।

मलेशिया में भारत का किया प्रतिनिधित्व

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कालिज के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग की प्रोफेसर फातिमा खान ने मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में आयोजित एशिया प्रशांत संक्रमण नियंत्रण सोसायटी परिषद-2026 की बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व किया। वह हॉस्पिटल इन्फेक्शन सोसायटी इंडिया की कार्यकारिणी सदस्य भी हैं। उनके साथ जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कालिज के संक्रमण नियंत्रण नर्स सोयब खान भी शामिल रहे। बैठक में एशिया-प्रशांत क्षेत्र के विभिन्न देशों से संक्रमण की रोकथाम एवं नियंत्रण, स्वास्थ्य सेवाओं में संक्रमण विज्ञान, नैदानिक सूक्ष्मजीव विज्ञान तथा सदस्य संस्थाओं के विशेषज्ञों ने भाग लिया। इसमें उभरते संक्रामक रोगों, जीवाणुरोधी दवाओं के प्रति बढ़ते प्रतिरोध, अस्पतालों में होने वाले संक्रमण, रोगी सुरक्षा तथा संक्रमण की रोकथाम के लिए क्षेत्रीय सहयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। प्रोफेसर फातिमा खान ने हॉस्पिटल इन्फेक्शन सोसायटी इंडिया का प्रतिनिधित्व करते हुए क्षेत्रीय सहयोग, जीवाणुरोधी दवाओं के विवेकपूर्ण उपयोग, संक्रमण रोकथाम संबंधी नीतियों तथा भविष्य की योजनाओं पर चर्चा में भाग लिया। वहीं, सोयब खान ने तकनीकी सत्रों में संक्रमण नियंत्रण नर्सों की भूमिका, वैज्ञानिक प्रमाणों पर आधारित संक्रमण रोकथाम उपायों, निगरानी कार्यक्रमों तथा स्वास्थ्य संस्थानों में गुणवत्ता सुधार के प्रयासों पर अपने विचार रखे। बैठक के दौरान प्रतिभागियों को अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ विचारों का आदान-प्रदान करने तथा संक्रमण की रोकथाम और नियंत्रण से जुड़ी सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों की जानकारी प्राप्त करने का अवसर भी मिला।

रेल परियोजना में अधिग्रहित भूमि पर अवैध

अलीगढ़। उप जिलाधिकारी गभाना ने विशेष रेल परियोजना के अंतर्गत अधिग्रहित ग्राम जमालपुर सिया की भूमि के संबंध में संबंधित भू-स्वामियों एवं प्लॉट धारकों को महत्वपूर्ण सूचना जारी की है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि गाटा संख्या 428, 425, 429, 430, 433, 434 एवं 435 का विधिवत भूमि अधिग्रहण किया जा चुका है। उप जिलाधिकारी ने बताया कि अधिग्रहण प्रक्रिया के दौरान यह तथ्य सामने आया कि अधिसूचना जारी होने से पूर्व कुछ व्यक्तियों एवं प्रॉपर्टी डीलरों द्वारा विकास प्राधिकरण से नक्शा स्वीकृत कराए बिना और भूमि को आबादी घोषित कराए बिना अवैध रूप से प्लॉटिंग कर दी गई थी। इन गाटों में अनेक लोगों द्वारा प्लॉट भी क्रय किए गए हैं। उन्होंने बताया कि संबंधित गाटे अब आधिकारिक रूप से विशेष रेल परियोजना के लिए अधिग्रहित हो चुके हैं। ऐसे में प्रभावित व्यक्तियों की पात्रता एवं दावों के परीक्षण के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। यदि किसी व्यक्ति को इन गाटों के संबंध में कोई दावा अथवा आपत्ति प्रस्तुत करनी है तो वह 11 अगस्त 2026 मंगलवार तक किसी भी कार्य दिवस में तहसील गभाना स्थित रजिस्ट्रार कानूनगो कार्यालय में अपने साक्ष्यों सहित उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकता है। उप जिलाधिकारी ने चेतावनी दी है कि निर्धारित अवधि के भीतर साक्ष्य प्रस्तुत न करने की स्थिति में प्रशासन उक्त प्लॉटिंग को अवैध मानते हुए नियमानुसार ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करेगा।

अनियमितताओं पर उर्वरक विक्रेताओं के लाइसेंस निरस्त

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

जिले में चलाए गए निरीक्षण अभियान के दौरान दर्जन भर से अधिक उर्वरक विक्रेताओं के यहां चेकिंग की गई, अनिमियता मिलने पर कारण बताओ नोटिस दिए गए, संतोष जनक जवाब न मिलने पर विभागीय कार्यवाही की जाएगी।

निरीक्षण के इस क्रम में यादव खाद भण्डार, कान्हा ट्रेंड्स, गंगोत्री खाद एवं बीज भण्डार, मलिकपुर, सोरों, कासगंज . साक्षी खाद भण्डार, मिजार्पुर, सोरों , यश दीक्षित किसान सेवा केन्द्र, रोहित खाद भण्डार, सोरों का निरीक्षण किया गया ?। निरीक्षण में मेसर्स यादव खाद भण्डार, मलिकपुर । . कान्हा ट्रेंड्स, मलिकपुर, सोरों, कासगंज। गंगोत्री खाद एवं बीज भण्डार, मलिकपुर, ? के प्रतिष्ठानों पर निर्धारित स्टॉक एवं रेट बोर्ड प्रदर्शित नहीं पाए गए, साथ ही उर्वरक स्टाक व बिक्री रजिस्टर न होने एवं अभिलेख अपूर्ण पाये गये। जबकि साक्षी खाद भण्डार, मिजार्पुर, सोरों का प्रतिष्ठान बंद कर चले जाने एवं स्टाक एवं रेट बोर्ड अपडेट होने के कारण कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। उक्त अनियमितता के दृष्टिगत जिला कृषि अधिकारी द्वारा संबंधित प्रतिष्ठानों के उर्वरक विक्रय लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए गए हैं। साथ ही, संबंधित विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए निर्धारित अवधि में अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। समयावधि में संतोषजनक उत्तर प्राप्त न होने अथवा उत्तर असंतोषजनक पाए जाने पर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही जनपद के अन्य उर्वरक विक्रेताओं को निर्देशित किया जाता है कि अपने-अपने उर्वरक विक्रय केन्द्र पर स्टाक एवं रेट बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाना सुनिश्चित करें अन्यथा निरीक्षण के दौरान अनियमितता पाये जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी।

हुक्का बार पर पुलिस का छापा

अलीगढ़। रोरावर थाना क्षेत्र में बुधवार रात पुलिस ने हुक्का बार और होटल पर छापा मारा। नादा चौराहे स्थित डाउन टू अर्थ हुक्का बार से संचालक समेत 19 युवकों को हिरासत में लिया गया।

वहीं एसआर होटल का संचालक भी पुलिस ने पकड़ लिया। होटल में मौजूद युवक-युवतियां पुलिस के पहुंचने से पहले फरार हो गए। कार्रवाई हुक्का बार का वीडियो सामने आने के बाद की गई। पुलिस को यहां निजी केबिन बनाकर देह व्यापार की शिकायतें भी मिल रही थीं। पुलिस एसआर होटल से पुलिस ने सीसीटीवी की डीवीआर भी कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। संचालक के खिलाफ केस भी दर्ज कर लिया गया है।

रोरावर थाना प्रभारी ने बताया कि सभी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियानः

रिसोर्स सेंटर में हुआ एक दिवसीय प्रशिक्षण

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, अलीगंज।

राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत विकासखंड अलीगंज स्थित डिस्ट्रिक्ट पंचायत रिसोर्स सेंटर में आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ खंड विकास अधिकारी शिव शंकर शर्मा और सहायक विकास अधिकारी राकेश कुमार ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया।

प्रशिक्षण के दौरान पंचायत प्रतिनिधियों और कर्मचारियों को बताया गया कि ग्राम पंचायतें स्थानीय संसाधनों का सही उपयोग कर अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकती हैं। कर निर्धारण, सेवा शुल्क, पंचायत स्तर पर उपलब्ध सुविधाओं के संचालन और अन्य वैध माध्यमों से राजस्व जुटाने पर विस्तार से चर्चा की गई। सहायक विकास अधिकारी ने ग्राम पंचायतों को संविधान से मिले अधिकारों और जिम्मेदारियों की जानकारी देते हुए कहा कि स्थानीय विकास में पंचायतों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने केंद्र, राज्य और स्थानीय सरकार की त्रिस्तरीय व्यवस्था को समझाया। साथ ही एसडब्लूओटी विश्लेषण के जरिए पंचायतों की ताकत, कमियों, अवसरों और संभावित चुनौतियों का आकलन करने के तरीके बताए। खंड विकास अधिकारी शिव शंकर शर्मा ने कहा कि ओएसआर यानी ओन सोर्स रेवेन्यू ग्राम पंचायतों की अपनी आय का आधार है। पंचायतें यदि स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों का योजनाबद्ध ढंग से उपयोग करें तो वे आर्थिक रूप से मजबूत बन सकती हैं। उन्होंने कहा कि पंचायतों की आय बढ़ने से स्थानीय जरूरतों के अनुरूप विकास कार्यों को गति मिलेगी। प्रशिक्षकों ने ओएसआर पोर्टल की कार्यप्रणाली समझाते हुए बताया कि पोर्टल पर करदाताओं का विवरण दर्ज करने से लेकर राजस्व संग्रह की निगरानी और आय का आकलन किया जा सकता है।

इससे पंचायतों के वित्तीय प्रबंधन में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी। प्रशिक्षण में कॉमन सर्विस सेंटर से मिलने वाले सेवा शुल्क, बैंक मित्र सेवाओं और पंचायत सहायकों की भूमिका पर भी जानकारी दी गई। वरिष्ठ फैकल्टी नाहर सिंह ने प्रतिभागियों से अपनी-अपनी ग्राम पंचायतों में आय के स्रोतों को चिह्नित कर राजस्व संग्रह को प्रभावी बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत अधिकारी, ग्राम विकास अधिकारी और पंचायत सहायकों ने भाग लिया।

मुख्यमंत्री ग्राम स्वरोजगार प्रशिक्षण से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ेंगे ग्रामीण युवा

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग स्थापना एवं विभागीय अनुदान योजनाओं की दी गई विस्तृत जानकारी

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, एटा।

ग्रामीण युवाओं एवं महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में खाद्य प्रसंस्करण विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के अधीन संचालित राजकीय फल संरक्षण केंद्र, एटा द्वारा ग्राम पंचायत घर, जिरसमी में दो दिवसीय मुख्यमंत्री ग्राम स्वरोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की स्थापना, स्वरोजगार के अवसरों तथा विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ जिला उद्यान अधिकारी सुघर सिंह ने फीता काटकर एवं माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का प्रभावी माध्यम है। स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कृषि एवं उद्यानिकी उत्पादों का वैज्ञानिक ढंग से प्रसंस्करण कर न केवल उत्पादों का मूल्य संवर्धन किया जा सकता है, बल्कि रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर भी सृजित किए जा सकते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान का उपयोग कर स्वयं का उद्योग स्थापित करने का आह्वान किया।

राजकीय फल संरक्षण केंद्र, एटा के प्रभारी शैलेन्द्र कुमार वर्मा ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में 30 लाभार्थियों ने सहभागिता की। सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के लिए आवश्यक स्टेशनरी सामग्री वितरित की गई। प्रशिक्षण के दौरान खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की स्थापना, विभिन्न खाद्य उत्पादों के निर्माण, गुणवत्ता मानकों, पैकेजिंग, विपणन, उद्यम प्रबंधन एवं स्वरोजगार की संभावनाओं पर विस्तार से जानकारी दी गई।

उन्होंने बताया कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग स्थापित करने के उपरांत उपयोग में आने वाली विभिन्न मशीनों एवं उपकरणों पर विभाग द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले अनुदान, पात्रता की शर्तों, आवेदन प्रक्रिया एवं सरकारी योजनाओं के लाभ के संबंध में भी प्रतिभागियों को विस्तार से अवगत कराया गया। साथ ही लाभार्थियों को प्रोत्साहित किया गया कि वे विभागीय योजनाओं का लाभ उठाकर स्वरोजगार अपनाएं और अन्य लोगों के लिए भी रोजगार के अवसर सृजित करें।

प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उन्हें खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में उपलब्ध व्यावसायिक संभावनाओं की जानकारी भी प्रदान की।

पति से विवाद में महिला ने खाया जहर, मौत

अलीगढ़ के थाना बन्नादेवी क्षेत्र बसंत बिहार में एक महिला ने पति से पारिवारिक विवाद के चलते जहर खाकर अपनी जान दे दी। मृतक के मायके वालों ने ससुरालियों पर हत्या का आरोप लगाया है।

बताते हैं कि पति-पत्नी में आपस में विवाद चला आ रहा था। बीती रात झगड़ा होने के बाद पत्नी ने जहर खा लिया। परिजन उसे आनन-फानन में अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर जांच दल मौके पर पहुंचा।

महिला के परिजनों ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है। हापुड निवासी महिला की शादी करीब 10 साल पहले हुई थी।

झारखंड के प्रदर्शनकारी छात्रों के समर्थन में उतरी सीजेपी

संभाजीनगर। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा कि पार्टी झारखंड में प्रदर्शन कर रहे छात्रों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। उन्होंने कहा कि तीन दिन पहले छात्रों के मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई थी, जिसमें अभिजीत भी शामिल थे। इस बातचीत के बाद पार्टी को छात्रों की समस्याओं और उनकी मांगों की पूरी जानकारी मिल गई है।

आशुतोष रांका ने कहा कि सीजेपी झारखंड सरकार से प्रदर्शनकारी छात्रों की सभी मांगें स्वीकार करने की अपील करती है। उन्होंने बताया कि पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल रांची पहुंच रहा है, जो प्रदर्शन कर रहे छात्रों से मुलाकात करेगा, उनकी समस्याएं सुनेगा और उन्हें हर संभव सहयोग देगा। उन्होंने आगे कहा कि सीजेपी छात्रों को हर तरह की सहायता उपलब्ध कराएगी। साथ ही पार्टी के वरिष्ठ नेता भी जल्द झारखंड जाकर प्रदर्शनकारी छात्रों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात करेंगे और उनका समर्थन करेंगे।

'टीम बनाने में पारदर्शिता नहीं'

कोर कमेटी को लेकर सीजेपी में बवाल

एजेंसी, संभाजीनगर।

महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की कोर कमेटी को लेकर विवाद सामने आया है। अभिजीत दीपके के घर के बाहर पहुंचे कुछ युवाओं ने पार्टी नेतृत्व पर परिवारवाद और पक्षपात के आरोप लगाए हैं। इसके साथ ही जंतर-मंतर छात्र आंदोलन से जुड़े सभी कोऑर्डिनेटर्स को प्रतिनिधित्व देने की मांग की है।

प्रदर्शन कर रहे युवाओं का दावा है कि वे जंतर मंतर पर हुए छात्र आंदोलन की शुरूआत से ही सक्रिय रहे और आंदोलन में कोऑर्डिनेटर की भूमिका निभाई। आरोप है कि हाल ही में आयोजित कोर कमेटी की बैठक में केवल अभिजीत दीपके के करीबी और पहचान वाले लोगों को बुलाया गया जबकि आंदोलन से जुड़े कई कार्यकर्ताओं

को नजरअंदाज कर दिया गया।

युवाओं ने बताया कब तक जारी रहेगा अनशन?

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि यह किसी एक व्यक्ति का नहीं बल्कि पूरे देश के युवाओं का आंदोलन था। उनका दावा है कि जंतर मंतर आंदोलन से करीब 450 लोग कोऑर्डिनेटर के रूप में जुड़े थे लेकिन उन्हें बैठक में शामिल नहीं किया गया। युवाओं ने यह भी आरोप लगाया कि देर रात तक पार्टी प्रवक्ता आशुतोष रांका से बैठक और आंदोलन को लेकर बातचीत होती रही लेकिन उन्होंने इस संबंध में कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि वे अभिजीत दीपके के घर के बाहर अनशन पर बैठेंगे और जब तक आंदोलन से जुड़े सभी युवाओं को उचित प्रतिनिधित्व नहीं दिया जाता, तब तक उनका धरना और अनशन जारी रहेगा।

सीजेपी कार्यकर्ता मनीष ने क्या कहा

सीजेपी कार्यकर्ता मनीष ब्रह्मभट्ट ने मीडिया से बातचीत में कहा, "एक ग्रुप बनाया गया है और सभी इस बात से सहमत हैं कि अगर चीजें लोकतांत्रिक तरीके से आगे बढ़ें, तो इससे देश का भला होगा। हमें आपके सामने यह बयान देने की जरूरत नहीं थी, हमें इसका बुरा लग रहा है। लेकिन जब तक हम आवाज नहीं उठाते, हमारी बात सुनी नहीं जाती। हमें यह बात देर रात करीब 1:00 बजे महसूस हुई और तभी हमें यह कदम उठाना पड़ा। आज से हम तब तक अन्न-जल त्याग रहे हैं जब तक कि लोकतांत्रिक तरीके से टीम बनाकर सभी फैसले पारदर्शी रूप से नहीं लिए जाते। तब तक हम इस आंदोलन को देश का सच्चा आंदोलन नहीं कह सकते। मनीष ब्रह्मभट्ट ने कहा, "मेरा मकसद और वहां बैठे 100, 200 या 500 लोगों समेत हमारे सभी साथियों का मकसद साफ है। हर कोई पूछ रहा है कि फैसले सिर्फ कुछ चुनिंदा लोग ही क्यों ले रहे हैं? अगर हम सच में लोकतंत्र में यकीन रखते हैं, तो फैसले लोकतांत्रिक तरीके से होने चाहिए। बैठकों में अपने परिवार के सदस्यों और दोस्तों को बिठाना और दूसरों को अंदर आने से रोकना या जरूरी मुद्दों पर बात न सुनना मंजूर नहीं है। इस आंदोलन में शुरू से ही भाई-भतीजावाद और पक्षपात की कोई जगह नहीं होनी चाहिए।" मनीष ब्रह्मभट्ट ने कहा, "जो भी हो, उन्हें मीटिंग करने दें। जो लोग इसमें शामिल हुए, उन्हें समझना होगा, राहुल गांधी ने कल उन पांच लोगों को बुलाया जो आंदोलन से जुड़े अहम चेहरे थे। अब, ये हमारे आंदोलन के चेहरे हैं। अगर उन्हें मीटिंग में बुलाया जाता या शामिल किया जाता, वे कोई नेता भी नहीं थे। बहुत से लोग आहत हैं, उन्हें बुलाया जाना चाहिए था, उनसे सलाह ली जानी चाहिए थी। अगर हम इसी तरह काम करते रहे, तो यह आंदोलन कब तक चलेगा?" मनीष ब्रह्मभट्ट ने कहा, "जो भी हो, उन्हें बैठक करने दें। जो लोग इसमें शामिल हुए, उन्हें समझना होगा कि राहुल गांधी ने कल उन पांच लोगों को बुलाया जो आंदोलन से जुड़े अहम चेहरे थे। अब, ये हमारे आंदोलन के चेहरे हैं। अगर उन्हें मीटिंग में बुलाया जाता या शामिल किया जाता, वे कोई नेता भी नहीं थे। बहुत से लोग आहत हैं, उन्हें बुलाया जाना चाहिए था, उनसे सलाह ली जानी चाहिए थी। अगर हम इसी तरह काम करते रहे, तो यह आंदोलन कब तक चलेगा?"

'संसद में बिल आने के बाद तय होगी रणनीति': परिसीमन पर डीएमके ने नहीं खोले पत्ते

एजेंसी, नई दिल्ली।

संसद में परिसीमन विधेयक को लेकर सियासी हलचल तेज है। इस बीच तमिलनाडु की विपक्षी पार्टी डीएमके ने अपना रुख पूरी तरह साफ कर दिया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता आरएस भारती ने शुक्रवार को बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (डीएमके) इस बिल का समर्थन करेगी या विरोध, इसका फैसला संसद में बिल पेश होने के बाद ही होगा।

भारती ने कहा कि विधेयक के अंतिम मसौदे को देखे बिना कोई भी निर्णय लेना जल्दबाजी होगी। उनका मानना है कि जब तक आधिकारिक बिल सामने नहीं आ जाता, तब तक किसी नतीजे पर पहुंचना सही नहीं है।

क्या बिल में शामिल होंगे पुराने सुझाव?

परिसीमन विधेयक 2026 को लेकर हाल ही में लोकसभा में तीखी बहस हो चुकी है। इस विधेयक में दक्षिण भारत के राज्यों के प्रतिनिधित्व को लेकर राजनीतिक विवाद गहराया हुआ है। आरएस भारती ने समाचार एजेंसी पीटीआई से बातचीत में अपनी बात रखी। उन्होंने याद दिलाया कि पिछली बार जब परिसीमन का मुद्दा उठा था, तब पार्टी ने इसका विरोध किया था। उस समय डीएमके ने केंद्र सरकार को अपने कुछ महत्वपूर्ण सुझाव भी सौंपे थे। भारती ने कहा, 'अगर सरकार हमारे उन सुझावों को नए बिल में शामिल करती है, तो हम इस पर विचार करेंगे। हम बिल के हर एक पहलू, उसके फायदे और नुकसान का लाइन दर लाइन गहराई से अध्ययन करेंगे।' उन्होंने जोर देकर कहा कि पार्टी पूरा ड्राफ्ट देखने के बाद ही अपने कदम तय करेगी।

'उन्हें किसने रोका': संसद में शाह की गैरमौजूदगी पर वेणुगोपाल का तंज

एजेंसी, नई दिल्ली।

संसद के मानसून सत्र के बीच सरकार और विपक्ष के बीच जुबानी जंग तीखी हो गई है। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने गृह मंत्री अमित शाह की सदन में लगातार अनुपस्थिति पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू पर पलटवार करते हुए कहा कि विपक्ष को जिम्मेदार ठहराना हास्यास्पद है। वेणुगोपाल ने पूछा, 'इस संसद का सबसे बड़ा मजाक किरेन रिजिजू जी का बयान था। अमित शाह को संसद आने से किसने रोका है? उन्हें कौन रोक रहा है?'

क्या प्रयागराज में राहुल गांधी के कार्यक्रम को मिली मंजूरी?

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आठ अगस्त को होने वाले 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को लेकर काफी अनिश्चितता बनी हुई थी। केपी कॉलेज प्रबंधन ने पहले उच्च न्यायालय के आदेश और शैक्षणिक गतिविधियों का हवाला देकर मैदान की अनुमति रद्द कर दी थी। हालांकि, प्रशासन से अब इस कार्यक्रम के लिए हरी झंडी मिल चुकी है। वेणुगोपाल ने कहा, 'प्रोग्राम कल हो रहा है। अगर कोई इसे रोकना चाहता है, तो रोककर दिखाए। हम इसे हर हाल में करेंगे।' संसद में गृह मंत्री की मौजूदगी को लेकर सरकार और कांग्रेस के बीच तीखी बहस छिड़ गई है। वहीं दूसरी ओर, प्रयागराज में राहुल गांधी के प्रस्तावित छात्र सम्मेलन को लेकर भी सियासी पारा चढ़ा हुआ है।

मामले से जुड़ी बड़ी बातें

- कांग्रेस सांसद ने गृह मंत्री की सदन में अनुपस्थिति पर सरकार को घेरा।
- संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि गृह मंत्री रोजाना संसद परिसर में मौजूद रहते हैं।
- राहुल गांधी का 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम 8 अगस्त को प्रयागराज में तय।
- केपी कॉलेज ग्राउंड की रद्द हुई अनुमति को प्रशासन ने बहाल कर दिया है।
- कांग्रेस ने कहा कि तमाम बाधाओं के बावजूद छात्रों की आवाज उठाई जाएगी।

गृह मंत्री की मौजूदगी को लेकर आमने-सामने हैं सरकार और विपक्ष?

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा था कि विपक्ष यह तय नहीं कर सकता कि कौन सा मंत्री कब सदन में आएगा। उन्होंने दावा किया कि गृह मंत्री रोजाना संसद परिसर में मौजूद रहते हैं। रिजिजू ने कहा, 'संसद शुरू होने से लेकर खत्म होने तक गृह मंत्री परिसर में ही रहते हैं। जिस मंत्री से जुड़ा कामकाज होता है, वही जवाब देता है।'

एफसीआरए बिल के दौरान मोर्चा संभाल सकते हैं गृह मंत्री अमित शाह

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर युवाओं के नीट पेपर लीक प्रर्शन के बाद सरकार लगातार अपना इकबाल मजबूत करने पर काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसको लेकर लगातार संवेदनशील बने हैं। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने जेन-जी के साथ चर्चा में इसी तरह के फ्लेवर दिया। सबसे बड़ा बदलाव संसद भवन में दिखाई दे रहा है। संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू ने बड़ी पहल की।किरण रिजिजू ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से दूसरी बार बात की। सरकार संसद में एफसीआरए बिल (फारेन कांट्रीब्यूशन रेगुलेशन अमेंडमेंट बिल) लाना चाहती है। इस विधेयक के 12 अगस्त को सदन में पेश किए जाने का प्रस्ताव है। किरण रिजिजू के संकेत से लग रहा है कि सरकार इस बिल पर चर्चा के दौरान केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा सदन में बयान देने पर विचार कर रही है। माना जा रहा है कि इसके बाद सत्ता पक्ष फ्रंट फुट पर खेलना शुरू कर देगा। शिक्षा मंत्रालय में माहौल थोड़ा बदला-बदला है। कानून मंत्रालय में फिजां थोड़ी बदली है। भाजपा के बड़े नेताओं को पता नहीं है कि आगे क्या होगा? मंत्रालय के अधिकारी रुटीन में अपना काम कर रहे हैं। शीर्ष स्तर के एक अधिकारी का कहना है कि अगले दो-तीन महीने में आपको सरकार जनता के बीच में दिखाई देगी।

पीएम मोदी और सुखबीर बादल ने की मुलाकात, साथ आने की अटकलें

एजेंसी, नई दिल्ली।

पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) प्रमुख सुखबीर सिंह बादल की नई दिल्ली में हुई मुलाकात ने राज्य की राजनीति में हलचल बढ़ा दी है। दोनों नेताओं की संसद परिसर में हुई इस मुलाकात के बाद भाजपा और अकाली दल के बीच संभावित चुनावी गठबंधन की अटकलें तेज हो गई। हालांकि किसी भी पक्ष ने गठबंधन को लेकर आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन चुनाव से पहले हुई यह मुलाकात राजनीतिक रूप से अहम मानी जा रही है।

इस मुलाकात में किन मुद्दों पर चर्चा हुई?

मुलाकात के दौरान सुखबीर सिंह बादल ने पंजाब में कानून-व्यवस्था की स्थिति समेत राज्य से जुड़े विभिन्न मुद्दे प्रधानमंत्री के सामने रखे। अकाली दल के नेताओं के अनुसार प्रधानमंत्री ने इन सभी विषयों को गंभीरता से सुना। दूसरी ओर पंजाब भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने कहा कि कोई भी वरिष्ठ नेता प्रधानमंत्री से मिल सकता है। उन्होंने यह भी दोहराया कि भाजपा पंजाब की सभी 117 विधानसभा सीटों पर अपने दम पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है और पार्टी में जल्द बड़े नेताओं की एंट्री होने वाली है।

2022 के चुनाव में पंजाब की राजनीति कैसे बदली

2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा और अकाली दल ने अलग-अलग चुनाव लड़ा और दोनों को बड़ा नुकसान हुआ। कांग्रेस भी सत्ता से बाहर हो गई, जबकि आम आदमी पार्टी ने ऐतिहासिक जीत दर्ज कर पहली बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई।

- भाजपा को केवल 2 सीटें मिली थीं।
- शिरोमणि अकाली दल सिर्फ 3 सीटें जीत सका।
- भगवंत मान के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी सरकार बनी।
- कांग्रेस भी सत्ता से बाहर हो गई।
- अकाली दल का विधानसभा में अब तक का सबसे कमजोर प्रदर्शन रहा।

भाजपा और अकाली दल के रिश्ते क्यों टूटे?

भाजपा और शिरोमणि अकाली दल दो दशक से अधिक समय तक राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के मजबूत सहयोगी रहे। लेकिन सितंबर 2020 में तीन कृषि कानूनों के मुद्दे पर दोनों दलों के रास्ते अलग हो गए। किसान आंदोलन के दौरान अकाली दल ने एनडीए से बाहर होने का फैसला लिया। बाद में केंद्र सरकार ने कृषि कानून वापस ले लिए, लेकिन दोनों दलों के रिश्तों में आई दूरी पूरी तरह खत्म नहीं हो सकी। अब चुनाव से पहले दोनों नेताओं की मुलाकात ने पुराने गठबंधन की वापसी की चर्चाओं को फिर हवा दे दी है।

क्या अकाली दल सबसे मुश्किल दौर से गुजर रहा है?

शिरोमणि अकाली दल पिछले कुछ वर्षों में लगातार राजनीतिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। पार्टी से कई वरिष्ठ नेताओं का अलग होना, संगठनात्मक कमजोरी और लगातार खराब चुनावी प्रदर्शन उसके लिए बड़ी चुनौती बन गए हैं। 2021 में अपना शताब्दी वर्ष पूरा करने वाली पार्टी आज संगठन और जनाधार दोनों स्तर पर कठिन दौर से गुजर रही है। ऐसे में भाजपा के साथ संभावित नजदीकी को पार्टी के लिए नई राजनीतिक रणनीति के रूप में भी देखा जा रहा है।

क्या भाजपा अभी भी गठबंधन को लेकर सतर्क है?

हालांकि सुखबीर सिंह बादल की प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद राजनीतिक चर्चाएं तेज हैं, लेकिन भाजपा की ओर से अभी गठबंधन के संकेत नहीं दिए गए हैं। पंजाब भाजपा नेतृत्व लगातार कह रहा है कि पार्टी सभी 117 सीटों पर चुनाव लड़ने की

ईरान के केश्म द्वीप पर धमाकों की आवाज सुनी गई, तेहरान के नेताओं ने किया इनकार

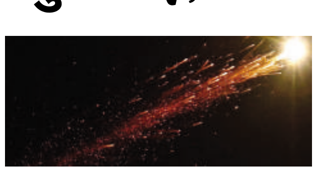

एजेंसी, तेहरान।

ईरान की तस्नीम न्यूज एजेंसी की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, गुरुवार रात ईरान के होर्मोजगान प्रांत के दक्षिणी केश्म द्वीप पर दो धमाके सुने गए। एजेंसी ने बताया कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के प्रवेश द्वार पर शत्रुतापूर्ण लक्ष्यों से ईरानी सशस्त्र बलों की भिड़ंत के कारण यह धमाके हुए। तस्नीम ने सूत्रों के हवाले से बताया कि धमाकों की आवाज स्थानीय समय के हिसाब से करीब 21:40 बजे सुनी गई।

डिप्टी गवर्नर ने धमाकों से किया इनकार

इसमें होर्मोजगान के पॉलिटिकल, सिक्योरिटी और सोशल मामलों के डिप्टी गवर्नर अहमद नफीसी के हवाले से यह भी कहा गया कि केशम आइलैंड और प्रोविंशियल कैपिटल बंदर अब्बास पर किसी हमले या घटना की खबर नहीं है। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारी धमाकों के कारण का पता लगाने के लिए जरूरी जांच कर रहे हैं। सऊदी के अल हदथ न्यूज चैनल और अल अरबिया न्यूज चैनल ने गुरुवार को उच्च पदस्थ सूत्रों के हवाले से बताया कि ईरान और ओमान के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को 60 दिनों के लिए फिर से खोलने के समझौते की रूपरेखा पर सहमति बनी।

होर्मुज पर लेकर ईरान और ओमान में समझौते पर बातचीत

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इस समझौते को अभी भी ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल से मंजूरी मिलनी बाकी है और कुछ ही दिनों में इसकी घोषणा हो सकती है। इसका मकसद पानी के रास्ते में नेविगेशन फिर से शुरू करना है। स्ट्रेट में आने वाले जहाज ईरान के पास वाले रास्ते का इस्तेमाल करेंगे, जबकि बाहर निकलने वाले जहाज ओमान के पास वाले रास्ते का इस्तेमाल करेंगे। सूत्रों ने कहा कि कोई ट्रांजिट फीस या सर्विस चार्ज नहीं लगाया जाएगा और इलाके की पार्टियां माइन हटाने और टेक्निकल प्रोसेस में हिस्सा ले सकती हैं।

इजरायल की पहल पर पीएम मोदी और नेतन्याहू की टेलीफोन वार्ता, पश्चिम एशिया पर हुई चर्चा

एजेंसी, नई दिल्ली।

इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बातचीत की जानकारी देते हुए विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह फोन कॉल इजरायल की ओर से आया था। भारत और इजरायल के बीच विशेष रणनीतिक साझेदारी को मजबूती देने के लिए दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के बीच वातार्लाप हुई। साथ ही इस दौरान पश्चिम एशिया के हालात पर भी बातचीत हुई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में प्रधानमंत्री मोदी और इजरायल के प्रधानमंत्री के बीच हुई टेलीफोन बातचीत की जानकारी देते हुए बताया कि यह फोन कॉल इजरायल की ओर से किया गया था, जिसे हमारे प्रधानमंत्री ने स्वीकार किया। उन्होंने बताया कि जैसा कि आप जानते हैं, भारत और इजरायल के बीच एक विशेष रणनीतिक साझेदारी है। दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच बातचीत के दौरान इस बात पर चर्चा हुई कि विभिन्न क्षेत्रों में इस साझेदारी और मित्रता को कैसे ज्यादा मजबूत किया जा सकता है। इसके साथ ही दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति और वहां हो रहे ताजा घटनाक्रमों पर भी विचार-विमर्श किया।

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गुरुवार को प्रधानमंत्री मोदी से फोन पर बात की।

जन्म से मिलने वाली अमेरिकी नागरिकता पर डोनाल्ड ट्रंप का नया वार, 'बर्थ टूरिज्म' रोकने के लिए दो आदेश जारी

एजेंसी, वॉशिंगटन।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जन्म के आधार पर मिलने वाली अमेरिकी नागरिकता को सीमित करने और 'बर्थ टूरिज्म' पर रोक लगाने के लिए गुरुवार को दो नए कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब कुछ सप्ताह पहले ही अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर ट्रंप के पहले आदेश को खारिज कर दिया

सुप्रीम कोर्ट ने पहले आदेश को किया था खारिज

30 जून को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप के पहले कार्यकारी आदेश को रद्द कर दिया था। अदालत ने कहा था कि 100 वर्षों से चली आ रही संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार, अमेरिका में जन्म लेने वाले लगभग सभी लोगों को अमेरिकी नागरिकता मिलती है।

ट्रंप बोले- सुप्रीम कोर्ट का फैसला दुर्भाग्यपूर्ण

ओवल ऑफिस में आदेशों पर हस्ताक्षर करने के बाद ट्रंप ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला दुर्भाग्यपूर्ण था और उनकी सरकार अब उसमें जरूरी बदलाव कर रही है। उन्होंने कहा, 'सुप्रीम कोर्ट का जन्मसिद्ध नागरिकता पर फैसला बहुत दुर्भाग्यपूर्ण था। इसलिए हम इसमें आवश्यक बदलाव कर रहे हैं'।

क्या है पहला आदेश?

पहले आदेश का उद्देश्य उन लोगों पर कार्रवाई करना है जो केवल बच्चे को अमेरिका में जन्म दिलाने के लिए वहां आते हैं। इसे 'बर्थ टूरिज्म' कहा जाता है। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि ऐसे लोग पर्यटन वीजा का इस्तेमाल करते हैं, जबकि उनका असली मकसद बच्चे को अमेरिका में जन्म देकर उसे अमेरिकी नागरिक बनवाना होता है।

दूसरे आदेश में क्या है?

दूसरे आदेश में उन लोगों की श्रेणियों का दायरा बढ़ाया गया है, जिन्हें जन्म के आधार पर नागरिकता के लिए अयोग्य माना जाएगा। इसमें विदेशी सरकारों के लिए काम करने वाले या उनकी ओर से लॉबिंग करने वाले लोगों के बच्चों समेत कुछ अन्य श्रेणियां शामिल की गई हैं।

इस्त्राइली मीडिया का दावा

ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा की हालत बेहद गंभीर

एजेंसी, तेहरान।

ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई की तबीयत को लेकर इस्त्राइली मीडिया में सामने आई खबरों ने पश्चिम एशिया की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। कुछ मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि मोजतबा खामेनेई की हालत बेहद गंभीर है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि, ईरान की सरकार या किसी आधिकारिक एजेंसी ने अब तक इन दावों की पुष्टि नहीं की है।

बता दें इस्त्राइल के चैनल-14 और कुछ अन्य मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ईरान के अंदरूनी सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि मोजतबा खामेनेई की तबीयत बेहद नाजुक बनी हुई है। रिपोर्टों में यह भी दावा किया गया कि ईरान के सत्ता

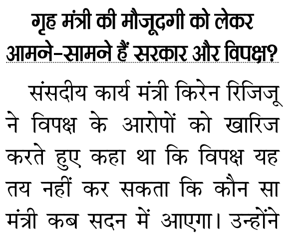

प्रतिष्ठान के शीर्ष स्तर पर उनकी स्वास्थ्य स्थिति को लेकर चर्चाएं चल रही हैं। कुछ रिपोर्टों में यह भी कहा गया कि उन्हें अस्पताल ले जाया गया है। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

मोजतबा खामेनेई लंबे समय से सार्वजनिक रूप से क्यों नहीं दिखे?

रिपोर्टों के अनुसार, मोजतबा खामेनेई ने फरवरी 2026 में अपने पिता की मौत के बाद सर्वोच्च नेता का पद संभाला था। तब से उन्होंने कोई सार्वजनिक कार्यक्रम नहीं किया है और केवल लिखित संदेशों के जरिए ही अपनी बात रखी है। रिपोर्टों में यह भी दावा किया गया कि शुरूआती सैन्य हमलों में वह घायल हुए थे, जिसके बाद उनकी सुरक्षा और स्वास्थ्य को लेकर लगातार अटकलें लगती रही हैं। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने भी एक साक्षात्कार में कहा था कि उनसे सीधे संपर्क करना फिलहाल आसान नहीं है।

क्या ईरान ने इन दावों को स्वीकार किया है?

ईरानी अधिकारियों ने पहले भी मोजतबा खामेनेई की चोटों को गंभीर मानने से इनकार किया था। उनका कहना रहा है कि वह देश के रणनीतिक और प्रशासनिक फैसलों का नेतृत्व कर रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय से जुड़े अधिकारियों ने भी पहले उनकी चोटों को सतही बताया था। मौजूदा अस्पताल में भर्ती होने और गंभीर हालत संबंधी दावों पर ईरान की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। इसलिए इन रिपोर्टों की पुष्टि अभी नहीं हुई है।

क्या क्षेत्रीय तनाव के बीच बढ़ी हैं अटकलें?

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़े तनाव तथा इस्त्राइल के साथ लंबे समय से जारी टकराव के बीच ईरान के शीर्ष नेतृत्व को लेकर लगातार अटकलें लगती रही हैं। इससे पहले भी कुछ विदेशी मीडिया संस्थानों ने दावा किया था कि मोजतबा खामेनेई सार्वजनिक रूप से इसलिए सामने नहीं आ रहे हैं क्योंकि उनकी सुरक्षा और स्वास्थ्य दोनों चिंता का विषय हैं। हालांकि आधिकारिक पुष्टि के अभाव में इन दावों को सत्यापित नहीं माना जा सकता। ऐसे में उनकी स्वास्थ्य स्थिति को लेकर स्पष्ट तस्वीर सामने आने का इंतजार किया जा रहा है।

थाईलैंड के स्कूल में हुई गोलीबारी में शूटर समेत सात की मौत

बैंकॉक। थाईलैंड के नोंथबुरी शहर के बंग क्रुआई जिले के देबसिरिन नोंथबुरी स्कूल में शुक्रवार को हुई गोलीबारी में बंदूकधारी समेत सात लोगों की मौत हो गई और 15 घायल हो गए। स्कूल में हुई इस गोलीबारी में मरने वालों में तीन स्टूडेंट, तीन शिक्षक और संदिग्ध शूटर शामिल हैं। बैंकॉक पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, गोलीबारी की घटना में करीब 15 लोग घायल हुए और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। गोलीबारी की घटना शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे (स्थानीय समय) हुई, जब पोह टेक तुंग फाउंडेशन के कार्यकर्ता को स्कूल के अंदर गोली चलने की खबर मिली। स्कूल के अंदर मौजूद एक छात्र ने बताया कि बैंगनी रंग की फिजिकल-एजुकेशन यूनिफॉर्म पहने हथियारबंद शख्स ने स्कूल में दर्जनों राउंड फायरिंग की। बताया जा रहा है कि संदिग्ध शूटर 9वीं क्लास का छात्र था और उसके पास 9एमएम हैंडगन थी। उसने स्कूल की पिंक बिल्डिंग की तीसरी मंजिल पर खुद को बंद कर लिया था। बैंकॉक पोस्ट ने बताया कि पुलिस के अनुसार, शायद खुद को लगी चोट की वजह से संदिग्ध शूटर मरा हुआ पाया गया।

मक्का समझौते पर सऊदी-पाकिस्तान और तुर्किये का हस्ताक्षर

एजेंसी, तेहरान।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव और अनिश्चितता के बीच एक बहुत बड़ी खबर सामने आई है। सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये ने आपस में एक बड़ा रक्षा समझौता किया है। इसे 'मक्का पैक्ट' का नाम दिया गया है। इस समझौते के तहत तीनों देशों ने एलान किया है कि किसी भी एक देश पर हमला तीनों देशों पर हमला माना जाएगा। इस बड़े सैन्य गठबंधन के बनते ही पूरी दुनिया में हलचल तेज हो गई है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी इस घटनाक्रम पर अपनी प्रतिक्रिया दी है और कहा है कि भारत इस पर अपनी पैनी नजर बनाए हुए है।

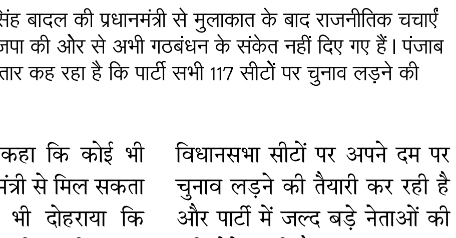

क्या है मक्का पैक्ट और क्यों हुआ यह समझौता?

यह त्रिपक्षीय रक्षा समझौता मक्का शहर में आयोजित एक साझा रक्षा शिखर सम्मेलन के दौरान हुआ। इस बैठक में सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान, तुर्किये के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोगन और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ शामिल हुए। शहबाज शरीफ उमराह करने के बाद इस सम्मेलन में पहुंचे थे। तीनों देशों के जारी संयुक्त बयान में कहा गया कि यह समझौता उनके पुराने ऐतिहासिक, धार्मिक और रणनीतिक संबंधों पर आधारित है। इसका मुख्य उद्देश्य तीनों देशों की सुरक्षा को मजबूत करना और किसी भी बाहरी हमले को रोकना है।

इस नए सैन्य गठबंधन की बड़ी बातें

- किसी भी एक देश पर हुआ सशस्त्र हमला बाकी दोनों देशों पर हमला माना जाएगा।
- तुर्किये के पास नाटो की दूसरी सबसे बड़ी सेना है, सऊदी अरब के पास अकूत पैसा और तेल है, वहीं पाकिस्तान एक परमाणु संपन्न देश है।
- पाकिस्तान और तुर्किये उन्नत हथियार और ड्रोन बनाएंगे, जबकि सऊदी अरब इसमें भारी निवेश करेगा।
- तुर्किये के अधिकारी ने स्पष्ट किया कि यह पूरी तरह रक्षात्मक समझौता है और यह किसी देश के खिलाफ नहीं है।
- पाकिस्तान ने पहले से ही सऊदी अरब में हजारों सैनिक, लड़ाकू विमान, ड्रोन और एयर डिफेंस सिस्टम तैनात कर रखे हैं।
- यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब ईरान, अमेरिका और इस्त्राइल के बीच तनाव और युद्ध का माहौल बना हुआ है।
- भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत इस पूरे घटनाक्रम को बहुत ध्यान से देख रहा है।

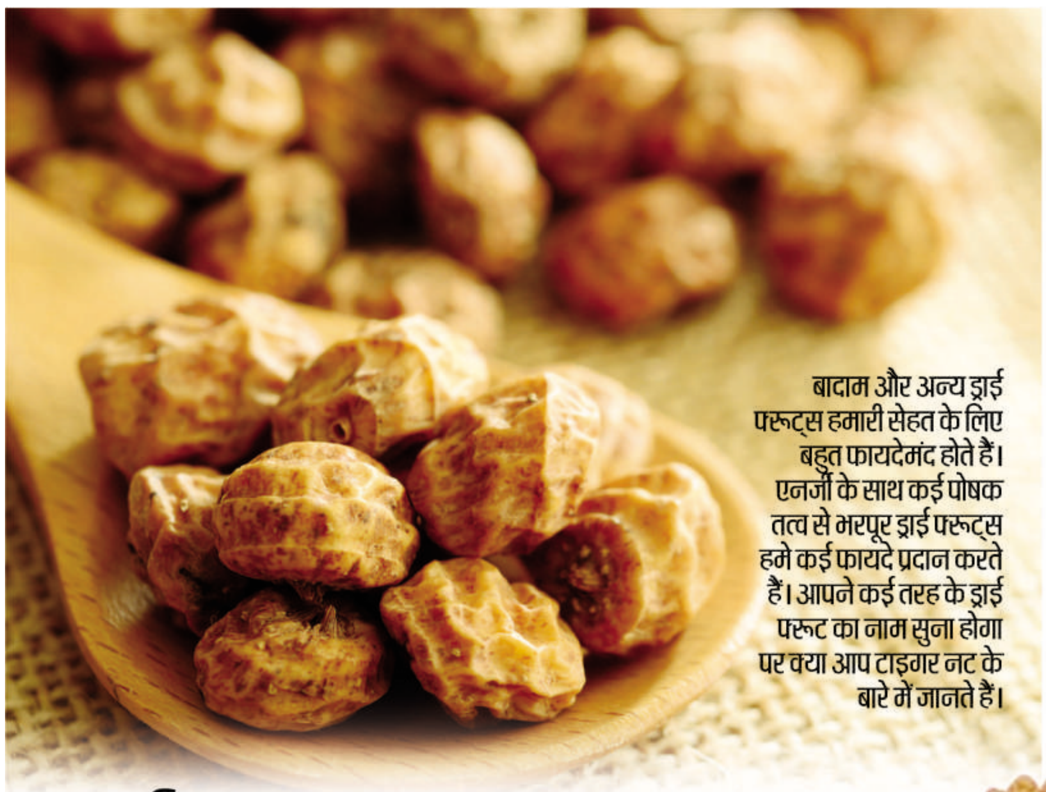

बादाम और अन्य ड्राई फरूट्स हमारी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। एनर्जी के साथ कई पोषक तत्व से भरपूर ड्राई फरूट्स हमे कई फायदे प्रदान करते हैं। आपने कई तरह के ड्राई फरूट का नाम सुना होगा पर क्या आप टाइगर नट के बारे में जानते हैं।

ड्राई फरूट्स का राजा है टाइगर नट

किसी ने सच कहा है कि मन उदास हो तो कोई गाना गुनगुना चाहिए, बादाम का छिलका उतार कर खाना चाहिए। बादाम और अन्य ड्राई फरूट्स हमारी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। एनर्जी के साथ कई पोषक तत्व से भरपूर ड्राई फरूट्स हमे कई फायदे प्रदान करते हैं। आपने कई तरह के ड्राई फरूट का नाम सुना होगा पर क्या आप टाइगर नट के बारे में जानते हैं।

टाइगर नट स्वाद के साथ कई पोषक तत्वों से भरपूर्ण है। टाइगर नट अमेरिका में काफी ज्यादा प्रचलित है।

क्या है टाइगर नट?

टाइगर नट को अर्थ आलमंड, चुफा नट या अर्थ नट भी कहा जाता है। इसका स्वाद बादाम की तरह नहीं होता है। इसका स्वाद थोड़ा सा नारियल की तरह होता है। मिनरल की बात करें तो इसमें कैल्शियम, कॉपर, आयरन, मैग्नीशियम, फास्फोरस, पोटैशियम और जिंक जैसे पोषक तत्व हैं। इसके साथ ही इसमें विटामिन c, d और e है। टाइगर नट में एंटीऑक्सीडेंट भी पाया जाता है जो आपके शरीर के लिए महत्वपूर्ण तत्व है।

क्या हैं टाइगर नट्स के फायदे?

हृदय के लिए फायदेमंद

टाइगर नट आपके हृदय के लिए बहुत फायदेमंद है। ये बेड कोलेस्ट्रॉल और दिल के खतरे को कम करता है। इसमें मौजूद मिनरल और फाइबर आपके दिल को सेहतमंद रखते हैं। इसके साथ ही हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी समस्या को भी कम करते हैं।

पाचन के लिए फायदेमंद

टाइगर नट आपके पाचन के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर होता है जो आपके पाचन तंत्र को बेहतर रखता है। इसके साथ ही टाइगर नट के सेवन से आपको बार-बार भूख नहीं लगती है जिससे फैट भी कम होता है।

ब्लड शुगर होती है कम

टाइगर नट में मौजूद फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट ब्लड शुगर लेवल को कम करता है। यानी फाइबर की मदद से आपका शरीर शुगर को आसानी से डाइजेस्ट करने में मदद करता है। डायबिटीज के मरीज इसका सेवन कर सकते हैं।

हड्डियां होती हैं मजबूत

टाइगर नट में कैल्शियम की मात्रा अधिक होती है जो आपकी हड्डियों को मजबूत करने के लिए काफी है। इसके साथ ही कैल्शियम को डाइजेस्ट करने के लिए विटामिन ष्ठ भी इसमें मौजूद होता है जो आपके शरीर के साथ मेंटल हेल्थ को भी सेहतमंद रखता है।

टाइगर नट का सेवन कई तरह से किया जाता है। ये नट अमेरिका में ज्यादा प्रचलित है। इस नट को चॉकलेट, पास्ता या अन्य बेक्ड प्रोडक्ट में इस्तेमाल किया जाता है। साथ ही टाइगर नट का आटा भी होता है जिससे कई तरह की चीज़ें बनाई जाती हैं।

क्या है योग निद्रा? कुछ मिनटों की योग निद्रा से आप 8 घंटे की नींद ले सकते हैं

आज की इस लाइफस्टाइल में हम कई तरह की बिमारियों का सामना करते हैं। इस व्यस्त लाइफस्टाइल के कारण स्ट्रेस और मेंटल हेल्थ की समय भी काफी अधिक बढ़ गई है। अत्यधिक स्ट्रेस होने के कारण आपको नींद की समस्या भी हो सकती है। कई लोगों को स्ट्रेस या अन्य बीमारी के कारण सही से नींद नहीं आती है। इस कारण से वे दिनभर थकान महसूस करते हैं। स्ट्रेस और बीमारियों को कम करने के लिए योग एक बेहतरीन विकल्प है। योग की मदद से आप कई तरह की समस्या से राहत पा सकते हैं। नींद न आने पर आप योग निद्रा भी कर सकते हैं। योग निद्रा आपकी नींद की समस्या को कम करेगा और आपको स्ट्रेस से राहत देगा।

क्या है योग निद्रा?

योग निद्रा को आध्यात्मिक नींद भी कहा जाता है। दरअसल योग निद्रा सोने व जागने के बीच की एक अवस्था है। इस अवस्था में आपके शरीर को आराम मिलता है और आपका माइंड रिफ्रेश होता है। योग निद्रा करने के बाद आपका शरीर एक ऊर्जा महसूस करता है। जिनकी नींद सही से पूरी नहीं होती है उनके लिए योग निद्रा बहुत फायदेमंद है। शुरुआत में योग निद्रा करते समय आप सो सकते हैं लेकिन धीरे-धीरे अभ्यास के ज़रिए आपको इसे ठीक से करना आ जाएगा। इसे करते समय आप जमीन पर मैट या कंबल बिछा लें। इसके बाद आप शवासन की तरह लेट जाएं। लेटने के बाद अपनी बॉडी को ढीला छोड़ दें और अपनी सांसों पर ध्यान दें। इसके बाद अपने अंतर्मन में झाकने की कोशिश करें। कुछ समय बाद आपका माइंड रिलैक्स हो जाएगा और आप शांति महसूस करेंगे। कुछ समय की योग निद्रा आपको घंटों की नींद से प्राप्त हुए आराम के सामान ही होती है। लगातार या नियमित रूप से योग निद्रा करने से आपका दिमाग पहले की अपेक्षा से कई अधिक सक्रिय हो जाता है। अगर आप नियमित रूप से योग करते हैं तो आप अन्य आसनों के बाद योग निद्रा कर सकते हैं।

क्या हैं योग निद्रा के फायदे?

- योग निद्रा की मदद से आपका दिमाग शांत हो जाता है।
- योग के अन्य आसन करने के बाद योग निद्रा करने से आपके शरीर का तापमान सामान्य हो जाता है।
- योग निद्रा की मदद से आपका कंसंट्रेशन बढ़ता है और आपका दिमाग सक्रिय होता है।
- स्ट्रेस रिलीफ के लिए योग निद्रा एक बेहतरीन विकल्प है जो आपके दिमाग को शांत करता है।
- योग निद्रा की मदद से आप अपनी मेंटल हेल्थ को भी बैलेंस कर सकते हैं।

कैसे करें योग निद्रा?

- योग निद्रा करने के लिए सबसे पहले आप एक खुली जगह चुनें जिसमें आपको कोई डिस्टर्ब न करें।
- योग निद्रा करने के लिए ढीले कपड़े पहनें और नीचे बिछाने के लिए मैट या कंबल का इस्तेमाल करें।
- इसके बाद मैट या कंबल पर शबासन की तरह लेट जाएं और आपनी बॉडी को रिलैक्स करें।
- साथ ही अपने दिमाग को भी शांत करें और दिमाग में जो भी चल रहा है उसे भूल जाएं।
- अब अपने ध्यान को आप दाएं पंजे या पैर पर ले जाएं और कुछ सेकंड तक वहां दयां केन्द्रित करें।
- आप ध्यान को शरीर के ऊपर की ओर लाते हुए घुटनों व जांघों पर ध्यान दें।
- यह प्रक्रिया अब आप बाएं पैर पर भी अपनाएं और ध्यान केन्द्रित करें।
- इसके साथ आप अपने मध्य अंगों जैसे छाती, पेट व नाभि पर भी ध्यान केन्द्रित करने की कोशिश करें।
- सभी जगह ध्यान केन्द्रित पर आप गहरी सांस लें और शरीर को रिलैक्स करें।
- थोड़ी देर बाद आप दाहिने करवट लेते हुए, बाई ओर की नासिका से सांस बहार छोड़ दें।
- इसके बाद आपके शरीर का तापमान सामान्य स्तर पर आ जाएगा और कुछ देर बाद आप उठकर बैठ जाएं।

कम नींद के कारण बढ़ सकती है दिल की बीमारी

कई लोगों का सोशल मीडिया का यह फेवरेट बायो है। साथ ही कई लोगों को सोना बहुत पसंद होता है। नींद हमारे शरीर के लिए बहुत ज़रूरी होती है। अगर आप पुरे एक दिन सोते नहीं हैं तो आपकी बॉडी काम करना बंद कर देती है। इंसान की बॉडी की ग्रोथ के लिए नींद एक ज़रूरी तत्व है। छोटे बच्चों को करीब 8 घंटे या उससे ज्यादा सोने की सलाह दी जाती है। साथ ही एडल्ट लोगों को 7-8 घंटे की नींद ज़रूरी होती है। कम नींद के कारण न सिर्फ आप थके हुए लगते हैं बल्कि आपके शरीर पर भी कई प्रभाव पड़ते हैं। कम नींद के कारण आप कई गंभीर बिमारियों की चपेट में आ सकते हैं। एक स्टडी के अनुसार कम नींद आपके हृदय को भी प्रभावित कर सकती है।

क्या कम नींद आपके हृदय को प्रभावित करती है?

एक स्टडी के अनुसार कम नींद या खंडित नींद के कारण आपके हृदय पर प्रभाव पड़ सकता है। नींद आपके शरीर के लिए बहुत ज़रूरी है। जब आप सोते हैं तो आपकी हार्ट रेट धीमी होती है, ब्लड प्रेशर नॉर्मल होता है और आप बेहतर तरीके से सांस ले पाते हैं। इस कारण आपके हृदय पर स्ट्रेस कम होता है जिससे हृदय की समस्या से राहत मिलती है। नींद प्रभावित होने के कारण व्यक्ति रात को सही तरह से आराम नहीं कर पाता है जिससे हृदय पर लगातार स्ट्रेस बढ़ता है। इसके साथ ही हाई ब्लड प्रेशर, ओबेसिटी, डायबिटीज, हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी समस्या भी बढ़ सकती है।

कम नींद के कारण ये बीमारियां भी हो सकती हैं

- **हाई ब्लड प्रेशर**- एक अच्छी और साधारण नींद में आपका ब्लड प्रेशर नियमित हो जाता है। पर लंबे समय तक कम सोने के कारण आपको हाई ब्लड प्रेशर की समस्या हो सकती है। कम नींद के कारण स्ट्रेस बढ़ता है जिससे हाई ब्लड प्रेशर की समस्या होती है। हाई ब्लड प्रेशर के कारण आपको हार्ट अटैक की समस्या भी हो सकती है।
- **डायबिटीज** - एक स्टडी के अनुसार अच्छी नींद के कारण ब्लड शुगर लेवल कम होता है। कम नींद के कारण आपका शुगर लेवल भी बढ़ सकता है। स्टडी के अनुसार डायबिटीज की समस्या से बचने के लिए आपको पर्याप्त नीद लेना ज़रूरी है।
- **वज़न बढ़ना** - कम नींद के कारण वज़न बढ़ना एक जाहिर सी बात है। कम नींद के कारण आपका अनहेल्दी तरीके से वज़न बढ़ता है। साथ ही कम नींद के कारण आपका मेटाबोलिज्म नहीं बढ़ता है जिससे वज़न बढ़ने की समस्या होती है। अच्छी नींद की मदद से आप कम अपने वज़न को नियमित रख सकते हैं।

पर्याप्त नींद के लिए क्या करें?

- अच्छी नींद के लिए नियमित समय पर सोना ज़रूरी है। कभी भी न सोएं। हमेशा एक ही समय पर सोने की कोशिश करें।
- सुबह एक्सरसाइज करें। अच्छी नींद के लिए एक्सरसाइज करना ज़रूरी है। आप योग भी कर सकते हैं। एक्सरसाइज की मदद से आपका स्ट्रेस कम होगा और आपके हार्मोन भी बैलेंस रहेंगे।
- ब्लू लाइट का इस्तेमाल कम करें। आपके मोबाइल या कंप्यूटर से निकलने वाली ब्लू लाइट आपकी नींद को प्रभावित करती है। सोने से 30 मिनट पहले मोबाइल या कंप्यूटर का इस्तेमाल न करें।
- रात में चाय या कॉफ़ी का सेवन बिलकुल न करें। चाय और कॉफ़ी में caffine होता है जो आपके दिमाग को एक्टिव बनाता है जिससे आपकी नींद प्रभावित होती है।

शरीर के लिए बेहद नुकसानदायक है मोमोज

मोमोज नॉर्थ इंडिया के लोगों का फेवरिट स्ट्रीट फूड है। लोग इसके नुकसान के बारे में पढ़ते रहते हैं लेकिन खुद को रोक नहीं पाते। कुछ ऐसी रिपोर्ट्स भी आ चुकी हैं जिनमें मोमो की चटनी जानलेवा साबित हुई। मोमोज सिल्वर (एल्युमिनियम) के स्टीमर में बनते हैं, यह भी शरीर के लिए बेहद नुकसानदायक होता है।

मैदा हड्डियों को करता है खोखला

मोमोज मैदा के बने हुए होते हैं। मैदा गेहूं का एक उत्पाद है जिसमें से प्रोटीन व फाइबर निकाल लिया जाता है मृत स्टार्च ही बचता है। मैदे के प्रोटीन रहित होने से इसकी प्रकृति एसिडिक हो जाती है। यह शरीर में जाकर हड्डियों के कैल्शियम को सोख लेता है। मैदा अच्छी तरीके से डाइजेस्ट नहीं होता और कई बार हमारी आंतों में जाकर चिपक जाता है और हमारी आंतों को ब्लॉक कर सकता है। इससे तरह-तरह की बीमारियां हो सकती हैं।

किडनी, पैंक्रियाज डैमेज

आपने गौर किया होगा कि घर में बनाए हुए मोमोज थोड़े पीले होते हैं जबकि मार्केट वाले बिल्कुल वाइट। यह इसलिए होता है क्योंकि इन्हें वाइट और सॉफ्ट बनाने के लिए ब्लीच, क्लोरीन गैस, बेंजोयल पराक्साइड, ऐज़ो कर्बेमिड मिलाया जाता है। यह केमिकल किडनी और पैंक्रियाज को डैमेज करते हैं साथ ही डायबिटीज होने का खतरा भी बढ़ाते हैं।

आंतों को नुकसान पहुंचाती लाल चटनी

मोमो के साथ मिलने वाली तीखी लाल मिर्च की चटनी उत्तेजक होती है, इसकी क्वालिटी भी लो होती है, जिससे पाइल्स, गैस्ट्राइटिस, पेट तथा आंतों में ब्लीडिंग हो सकती हैं।

एमएसजी बेहद खतरनाक

कुछ मोमोज बेचने वाले, मोमोज में मोनोसोडियम ग्लूटामैट (एमएसजी) नाम का केमिकल मिलाते हैं। यह इसके टेस्ट को बढ़ता है और इसे सुगंधित बनाता है। इस केमिकल से मोटापा बढ़ता है। ब्रेन तथा नर्वस की समस्या, चेस्ट पेन, हार्ट रेट और बीपी बढ़ने जैसे शिकायत हो हो जाती है।

डेड एनिमल्स का मीट

कुछ जगह नॉन वेज मोमोज में डेड एनिमल्स के मीट को मिलाया जाता है। वहीं वेज मोमोज में सड़ी-गली सब्जियां भी डाली जाती हैं। इन सब्जियों से कई तरह के कीड़े और इन्फेक्शंस शरीर में पहुंच सकते हैं।

क्या होता है बाथ साल्ट और क्या हैं इसके फायदे

बाथ साल्ट से स्नान करना हमारे लिए बेहद फायदेमंद होता है। जैसे तनाव मुक्त महसूस करना, खून का संचार अच्छा होता है, नींद अच्छी आती है, साथ ही थकान भी मिट जाती है। नमक में प्रचुर मात्रा में मैग्नीशियम, सल्फर, कैल्शियम, सोडियम, सिलिकॉन, ब्रोमाइन और स्ट्रोन्शियम मौजूद होता है जो बॉडी को रिलैक्स करने में मदद करता है। तो कई बार अधिक थकावट होने पर या नींद अच्छी नहीं आने पर आप बाथ साल्ट से स्नान कर सकते हैं। जानते हैं बाथ साल्ट से होने वाले कुछ खास फायदों के बारे में

स्क्रब

नमक का पानी स्क्रब का काम करता है। शरीर में मौजूद डेड स्किन को निकालने में यह काफी मददगार है। कई बार मल जमा होने से खुजली भी होती है तो इससे राहत मिल जाएगी। अतिरिक्त पसीने की बदबू से भी छुटकारा मिलता है।

बॉडी को करें डिटॉक्स

जी हां, पानी में एपसॉम नमक का इस्तेमाल कर बॉडी को डिटॉक्स किया जा सकता है। यह नमक बॉडी से टॉक्सिन को निकालने में मदद करते हैं। नमक के साथ आप कुछ बूंदे सुगंधित तेल की भी मिला सकते हैं।

बॉडी को करें रिलेक्स

नमक में मैग्नीशियम होने से बॉडी को रिलैक्स करता है। इससे बॉडी में खून का संचार तेजी से होता है। यह ब्लड प्रेशर को भी नियंत्रित करने में मददगार होता है। वर्कआउट करने के बाद बाथ साल्ट लिया जाता है।

दिमाग को करें शांत- बाथ साल्ट

लेने से ब्रेन फंक्शन बेहतर करने लगता है। दिमाग को शांत करता है मन को स्थिर करने में मदद मिलती है।

फंगल इंफेक्शन से बचाएं

अक्सर बारिश के मौसम में खराब पानी की वजह से इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में सप्ताह में एक बार नमक के पानी से जरूर नहाएं। ताकि फंगल या अन्य इंफेक्शन के खतरे से बचा जा सकें।

6ऑयल को करें कंट्रोल- अगर आपकी बॉडी और चेहरे पर बहुत अधिक मात्रा में ऑयल आता है तो आपको राहत मिलेगी। साथ ही चिपचिपाहट भी कम लगेगी।

दर्द में राहत

एक उम्र के बाद बॉडी में दर्द होने लगता है। खासकर ज्वाइंट और हड्डियों में। दर्द अधिक होने पर गुनगुने पानी में नमक डालकर नहाने से पूरी बॉडी में राहत मिलेगी।

अभ्यास मैच: पहले दिन श्रीलंका ने आठ विकेट पर 363 रन बनाए

जडेजा-कुलदीप और मानव ने लिए दो-दो विकेट

एजेंसी, कोलंबो।

भारतीय गेंदबाजों को तीन दिवसीय अभ्यास मैच के पहले दिन श्रीलंका के युवा बल्लेबाजों से कड़ी चुनौती मिली। हालांकि, आखिरी सत्र में कुलदीप यादव की अगुआई में स्पिनरों ने वापसी करते हुए श्रीलंका क्रिकेट इलेवन को दिन का खेल खत्म होने तक 8 विकेट पर 363 रन पर रोक दिया। यह मुकाबला प्रथम श्रेणी मैच का दर्जा नहीं रखता है। दोनों टीमों को पहले और दूसरे दिन 90-90 ओवर तथा तीसरे दिन 45-45 ओवर बल्लेबाजी करने का मौका मिलेगा।

युवा बल्लेबाजों ने भारतीय गेंदबाजों को किया परेशान

करीब पांच सप्ताह बाद लाल गेंद के क्रिकेट में वापसी कर रहे भारतीय तेज गेंदबाजों में शुरूआती जंग की कमी नजर आई। मोहम्मद सिराज ने 13 ओवर में 44 रन और प्रसिद्ध कृष्णा ने आठ ओवर में 32 रन दिए, लेकिन दोनों को कोई विकेट नहीं मिला। गोरनूर बराड़ एकमात्र तेज गेंदबाज रहे, जिन्होंने प्रभावित किया और 12 ओवर में 49 रन देकर एक विकेट लिया।

श्रीलंका इलेवन के सलामी बल्लेबाज निशान फर्नांडो ने 65 गेंदों पर 66 रन की तेजतर्रार पारी खेली। उन्होंने भारतीय तेज गेंदबाजों का आत्मविश्वास के साथ सामना किया। फर्नांडो ने रविंदु रसनथा के साथ पहले विकेट के लिए 110 रन की साझेदारी की। रसनथा ने 143 गेंदों पर 71 रन बनाए। फर्नांडो हाल ही में वेस्टइंडीज दौरे पर श्रीलंका की टेस्ट टीम का हिस्सा रहे थे। उनकी पारी का अंत दुर्भाग्यपूर्ण रन आउट के रूप में हुआ।

कुलदीप ने आखिरी सत्र में बदला रुख

श्रीलंकाई बल्लेबाजों के सामने भारतीय गेंदबाजों को शुरूआत में संघर्ष करना पड़ा, लेकिन दिन के अंतिम सत्र में स्पिनरों ने मैच का रुख बदलने की कोशिश की। कुलदीप यादव ने शुरूआती स्पेल में पांच ओवर में 29 रन खर्च किए, लेकिन इसके बाद उन्होंने अपनी गेंदों की गति में शानदार बदलाव किया और बल्लेबाजों के लिए मुश्किलें पैदा कीं।

कुलदीप ने 18 ओवर में 76 रन देकर दो विकेट लिए। उन्होंने अहान विक्रमसिंघे को शॉर्ट फाइन लेग पर कैच कराया, जबकि अंजला बांदारा को अपनी आर्म-बॉल से एलबीडब्ल्यू किया।

सुथार ने भी किया प्रभावित

बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार ने 11 ओवर में 30 रन देकर एक विकेट हासिल किया। उन्होंने रसनथा को फ्लाइट से चकमा देकर आउट किया, जब बल्लेबाज आगे बढ़कर गेंद की पिच तक नहीं पहुंच सका।

बाद में उन्होंने दूसरी नई गेंद से सोनल दिनूषा का विकेट भी हासिल किया। अनुभवी रवींद्र जडेजा ने भी 15 ओवर में 64 रन देकर दो विकेट लिए, लेकिन वह अपनी लय में नजर नहीं आए। हालांकि, जब उन्होंने स्टंप्स पर सीधा हमला किया तो उन्हें सफलता मिली। श्रीलंका की ओर से मध्यक्रम में सोनल दिनूषा ने 72 गेंदों पर 52 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली।

हेड ने लगातार दूसरी बार जीता एलन बॉर्डर मेडल, स्टार्क बने टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर

एजेंसी, सिडनी।

ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड ने शानदार 2025-26 अंतरराष्ट्रीय सत्र के लिए लगातार दूसरी बार प्रतिष्ठित एलन बॉर्डर मेडल अपने नाम कर लिया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के पुरस्कार समारोह में हेड ने बेहद करीबी मुकाबले में विकेटकीपर-बल्लेबाज एलेक्स कैरी को सिर्फ एक वोट से पछाड़कर यह उपलब्धि हासिल की।

30 मैचों में 1437 रन बनाकर मचाया धमाल

हेड ने पिछले सत्र में तीनों प्रारूपों में कुल 30 मैच खेले और 1437 रन बनाए। उनके शानदार प्रदर्शन में पर्थ में एशेज सीरीज के पहले टेस्ट में 83 गेंदों पर खेली गई 123 रन की मैच विजयी पारी और एडिलेड टेस्ट में बनाए गए 170 रन विशेष रहे।

हेड को कुल 153 वोट मिले, जबकि दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के उनके साथी एलेक्स कैरी 152 वोट के साथ दूसरे स्थान पर रहे। कैरी ने 24 मैचों में 1,079 रन बनाने के अलावा विकेट के पीछे 28 शिकार किए और ऑस्ट्रेलिया की एशेज बरकरार रखने में अहम भूमिका निभाई।

स्टार्क को मिला टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क 150 वोट के साथ एलन बॉर्डर मेडल की दौड़ में तीसरे स्थान पर रहे। हालांकि, उन्होंने शेन वॉर्न मेन्स टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार अपने नाम किया। स्टार्क ने 11 टेस्ट मैचों में 24 के औसत से 57 विकेट चटकाए। एशेज सीरीज में उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था। इस दौरान उन्होंने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 58 रन देकर सात विकेट भी हासिल किए।

मार्श और टिम डेविड ने भी जीते पुरस्कार

सीमित ओवरों के प्रारूप में टी20 कप्तान मिचेल मार्श को मेन्स वनडे प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया। उन्होंने छह मैचों में 304 रन बनाए। वहीं, पावर-हिटर टिम डेविड को मेन्स टी20 इंटरनेशनल प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार मिला। डेविड के लिए वेस्टइंडीज के खिलाफ 37 गेंदों में नाबाद 102 रन की पारी सत्र का सबसे बड़ा आकर्षण रही। यह किसी ऑस्ट्रेलियाई पुरुष बल्लेबाज का टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज शतक भी रहा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के चीफ ऑफ क्रिकेट जेम्स ऑलसॉप ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए हेड के लगातार दूसरी बार एलन बॉर्डर मेडल जीतने को शानदार उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि हेड ने यादगार पारियों से प्रशंसकों के लिए खास पल बनाए, जबकि स्टार्क दुनिया के महान तेज गेंदबाजों की श्रेणी में पहुंच चुके हैं। उन्होंने मार्श और टिम डेविड के सफेद गेंद के क्रिकेट में प्रदर्शन की भी सराहना की।

हेड बने कई बार एलन बॉर्डर मेडल जीतने वाले छठे खिलाड़ी

लगातार दूसरी बार एलन बॉर्डर मेडल जीतने के साथ हेड इस पुरस्कार को एक से अधिक बार हासिल करने वाले खिलाड़ियों के विशेष क्लब में शामिल हो गए हैं। वह रिकी पोंटिंग, माइकल क्लार्क, शेन वॉटसन, स्टीवन स्मिथ और डेविड वॉर्नर के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले छठे ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर हैं। ऑस्ट्रेलियन क्रिकेटर्स एसोसिएशन के जनरल मैनेजर ब्रेंडन ड्रू ने भी हेड की तारीफ करते हुए कहा कि वह तीनों प्रारूपों में ऑस्ट्रेलिया के लिए बेहद शानदार खिलाड़ी बन चुके हैं और लगातार दूसरी बार पुरस्कार जीतना उनके बेहतरीन प्रदर्शन का प्रमाण है। स्टार्क ऑस्ट्रेलिया के मेन्स टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर का पुरस्कार एक से अधिक बार जीतने वाले सिर्फ पांचवें खिलाड़ी बने हैं। महिला वर्ग में इससे पहले इस साल ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड ने लगातार दूसरी बार बेलिंडा क्लार्क अवॉर्ड जीता था। उन्हें वनडे प्लेयर ऑफ द ईयर भी चुना गया, जबकि बाएं हाथ की विकेटकीपर-बल्लेबाज बेथ मूनी को टी20 इंटरनेशनल प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार मिला।

मनोरंजन

'लव एंड वॉर' का हिस्सा हो सकती हैं दीपिका

'लव एंड वॉर' के आईएमडीबी पेज के कास्ट सेक्शन में मुख्य कलाकारों के साथ दीपिका पादुकोण का नाम भी देखा जा सकता है। हालांकि उनके रोल के बारे में कोई जानकारी नहीं है, लेकिन इंटरनेट पर लोग सोच रहे हैं कि शायद दीपिका फिल्म में एक स्पेशल अपीयरेंस (छोटी भूमिका) में दिख सकती हैं। मेकर्स ने अभी तक इन अटकलों पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

हिट रही दीपिका और संजय की जोड़ी

दीपिका और संजय लीला भंसाली की साझेदारी 'गोलियों की रासलीला राम-लीला' से शुरू हुई थी, जब उन्होंने पहली बार साथ काम किया था। इसकी सफलता के बाद, एक्टर-डायरेक्टर की जोड़ी ने 'बाजीराव मस्तानी' और 'पद्मावत' जैसे दो और प्रोजेक्ट्स के लिए साथ काम किया, जिससे उनकी साझेदारी यादगार बन गई। इन तीनों फिल्मों में रणवीर सिंह भी थे और ये सभी बॉक्स ऑफिस पर बहुत सफल रहीं।

इन फिल्मों में नजर आए रणबीर और दीपिका

इसलिए, अगर भंसाली और दीपिका एक बार फिर साथ आते हैं, तो यह दर्शकों के लिए एक तोहफा होगा। रणबीर और दीपिका ने 'बचना ऐ हसीनों', 'ये जवानी है दीवानी' और 'तमाशा' जैसी कई हिट फिल्मों में साथ काम किया है। वे दोनों आज के समय की सबसे मशहूर ऑन-स्क्रीन जोड़ियों में से एक हैं।

कब रिलीज होगी फिल्म?

'लव एंड वॉर' में अब तक कई बार देरी हो चुकी है। यह फिल्म पिछले कुछ वर्षों से बन रही है और कई बार इसकी तय रिलीज डेट आगे बढ़ाई जा चुकी है। फिलहाल, इसके 21 जनवरी, 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होने की उम्मीद है।

अब हॉरर फिल्म बनाएगा यशराज बैनर, वरुण होंगे लीड

अभिनेता वरुण धवन जल्द ही यशराज बैनर के साथ दूसरी बार काम करने वाले हैं। खास बात यह है कि अपनी रोमांटिक फिल्मों और स्पाई-थ्रिलर वर्ल्ड के लिए पहचाना जाने वाला यशराज बैनर अब पहली बार हॉरर फिल्म बनाने वाला है।

2027 में करेगा हॉरर की दुनिया में प्रवेश

इंडस्ट्री से जुड़े सूत्रों के मुताबिक यह फिल्म 2027 में रिलीज होगी। इसके जरिए यशराज पहली बार हॉरर जोनर में कदम रखेगा। इससे पहले बैनर ने स्पाई समेत लगभग हर जॉनर में फिल्म बनाई हैं। फिल्म में लीड रोल के लिए वरुण धवन को कास्ट किया गया है।

'रॉकेट बॉयज' के निर्देशक संभालेंगे कमान

सूत्रों के मुताबिक इस फिल्म का निर्देशन अभय पन्नू करेंगे। उन्होंने ही इस फिल्म की कहानी भी लिखी है। अभय पन्नू इससे पहले मशहूर सीरीज 'रॉकेट बॉयज' का भी निर्देशन कर चुके हैं। 'रॉकेट बॉयज' के बाद यह अभय का दूसरा बड़ा प्रोजेक्ट होगा। वहीं दूसरी तरफ यशराज बैनर भी लगातार नए निर्देशकों के साथ बड़े बजट की फिल्मों का निर्माण कर रहा है।

अगले साल रिलीज होगी फिल्म

यशराज बैनर की यह हॉरर फिल्म की शूटिंग इस साल के अंत तक शुरु हो जाएगी। इसे अगले साल तक सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। हालांकि अभी तक फिल्म को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी मेकर्स ने शेयर नहीं की है। बताते चलें कि वरुण की यशराज के साथ यह दूसरी फिल्म है। इससे पहले वह बैनर के साथ 'सुई धागा' में काम कर चुके हैं।

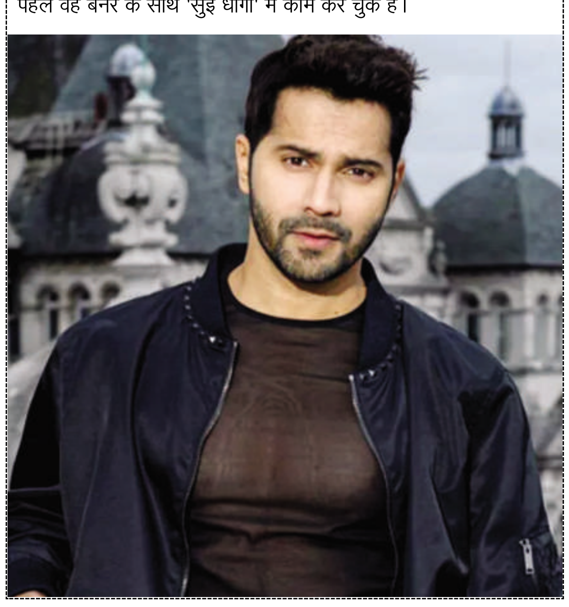

'आवारापन 2' में फिर सुनाई देगा 'तेरा मेरा रिश्ता'? मुस्तफा जाहिद से चल रही बात!

इमरान हाशमी एक बार फिर 'आवारापन 2' में नजर आने वाले हैं। पहली फिल्म का गाना 'तेरा मेरा रिश्ता' काफी पॉपुलर हुआ था। अब खबर सामने आ रही है कि 'आवारापन 2' के मेकर्स मुस्तफा जाहिद से 'तेरा मेरा रिश्ता' गाने का नया वर्जन रिकॉर्ड कराने के लिए बातचीत कर रहे हैं।

मुस्तफा जाहिद से चल रही है बात?

रिपोर्ट्स के मुताबिक, मुस्तफा जाहिद की प्रोड्यूसर मुकेश भट्ट और विशेष भट्ट से बात चल रही है। अगर सब कुछ फाइनल हो जाता है, तो इस हफ्ते दुबई में गाने की रिकॉर्डिंग भी हो सकती है। हालांकि, ये नया वर्जन फिल्म में नहीं दिखाया जाएगा, क्योंकि इससे सर्टिफिकेशन से जुड़ी दिक्कतें आ सकती हैं।

बताया जा रहा है कि मेकर्स इस गाने को सिर्फ सोशल मीडिया प्रमोशन के लिए इस्तेमाल करने का प्लान बना रहे हैं। फिलहाल दोनों तरफ से फाइनल मंजूरी का इंतजार है।

ये खबर ऐसे समय में सामने आई है जब 2016 के उरी हमले के बाद से बॉलीवुड में पाकिस्तानी कलाकारों के साथ काम करना लगभग बंद हो गया था। 2025 के पहलगाम हमले के बाद भी इस रुख को दोहराया गया था।

'आवारापन' आज भी फैंस के दिलों में जिंदा

2007 में आई 'आवारापन' आज भी अपने इमोशनल स्टोरी और शानदार म्यूजिक के लिए याद की जाती है। खासकर तेरा मेरा रिश्ता गाना आज भी लोगों के दिलों में बसा हुआ है। ऐसे में 'आवारापन 2' को लेकर फैंस के बीच ये सवाल जरूर है कि क्या फिल्म में पुराने गानों की झलक देखने को मिलेगी या नहीं।

अगर मुस्तफा जाहिद की वापसी होती है, तो ये हाल के समय में बहुत कम देखने को मिला है कि किसी पाकिस्तानी सिंगर ने हिंदी फिल्म के लिए गाना रिकॉर्ड किया हो- चाहे वो फिल्म में शामिल हो या सिर्फ प्रमोशन के लिए।

IFFM में दिखाई जाएगी फिल्म 'बयान', हुमा कुरैशी हुईं उत्साहित

बॉलीवुड की बेहतरीन अभिनेत्री हुमा कुरैशी अपनी अपकमिंग फिल्म 'टॉक्सिक' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच खबर है कि उनकी फिल्म 'बयान' ऑस्ट्रेलिया में होने वाले इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में दिखाई जाएगी।

हुमा कुरैशी ने जाहिर किया उत्साह

हुमा कुरैशी ने प्रीमियर से पहले इसे लेकर अपना उत्साह जाहिर किया है। विकास रंजन मिश्रा की लिखी और डायरेक्ट की गई यह दिलचस्प हिंदी फिल्म, फेस्टिवल की ऑफिशियल लाइनअप का हिस्सा होगी। यह मेलबर्न के दर्शकों को साल की सबसे दिलचस्प कहानियों में से एक दिखाएगी। फिल्म के ऑस्ट्रेलियन प्रीमियर के बारे में बात करते हुए हुमा कुरैशी ने कहा, ''बयान' उन सबसे चुनौतीपूर्ण और भावनात्मक रूप से संतोषजनक फिल्मों में से एक है, जिसका हिस्सा बनने का मुझे मौका मिला है।'

फिल्म में क्या है हुमा का किरदार?

एक्ट्रेस ने अपने किरदार के बारे में कहा, 'रूही एक ऐसी महिला है जो भारी दबाव के बावजूद अपनी बात पर अडिग रहती है, और उसके सफर को निभाने ने एक एक्टर के तौर पर मुझे कई तरह से आगे बढ़ाया। जिस चीज ने मुझे इस फिल्म की ओर आकर्षित किया, वह सिर्फ इसकी दिलचस्प जांच ही नहीं थी, बल्कि सत्ता, सच्चाई और न्याय के बारे में उठाए गए सवाल भी थे।'

हुमा को इस बात को लेकर है गर्व

उन्होंने फिल्म के प्रीमियर को लेकर कहा, 'मुझे बहुत गर्व है कि 'बयान' को इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में दिखाया जाएगा, एक ऐसा फेस्टिवल जिसने हमेशा सार्थक सिनेमा को सराहा है। मुझे उम्मीद है कि दर्शक फिल्म से जुड़ेंगे। इसकी चर्चाओं में शामिल होंगे। दर्शक लंबे समय तक सोचने के लिए थिएटर से कुछ लेकर निकलेंगे।'

क्या है फिल्म की कहानी?

'बयान' में हुमा रूही का किरदार निभा रही हैं, जो एक दृढ़ निश्चय वाली पुलिस अफसर है और अपने पहले अहम केस की जांच कर रही है। यह केस एक जाने-माने कल्ट लीडर से जुड़ा है, जिस पर यौन उत्पीड़न का शक है। जांच आगे बढ़ने के साथ-साथ उसे गवाहों के सहयोग न करने, संस्थागत बाधाओं और न्याय पाने की मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

कब रिलीज हुई फिल्म?

यह पुलिस प्रोसीजरल ड्रामा फिल्म पहले 2025 टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के डिस्कवरी सेक्शन में दिखाई गई थी। इसका वर्ल्ड प्रीमियर 6 सितंबर 2025 को हुआ था।